जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

Rashtradoot

जयपुर, गुरुवार 6 अप्रेल, 2023

OSWAL SOAP GROUP • OSWAL SOAP GROUP • SINCE ओसवाल 1956

हर रिश्ते का रखे ख्याल...

66 वर्षों का विश्वास

ओसवाल ही है
धुलाई के मैदान का
असली चैम्पियन

ज़्यादा सफ़ाई
कपड़ों की देखभाल
कम पानी में धुलाई
त्वचा का पूरा ख़्याल
अखाद्य तेल से बना
बरसों का विश्वास

अब घर बैठे मँगवाए ओसवाल उत्पाद

OswalSoap.com पर जाएं या
स्कैन करें और **ओसवाल एप** डाउनलोड करें

GET IT ON Google Play

नकली माल से सावधान

MercuryDesign.in

विपणन :
उत्तम चंद देसराज

ओसवाल सोप ग्रुप । OswalSoap.com

अधिक जानकारी के लिए +91 91161 71956, 96802 01956 पर कॉल करें

ओसवाल सोप ग्रुप

OSWAL SOAP GROUP • SINCE ओसवाल 1956

हर रिश्ते का रखे ख्याल...

6 करोड़ परिवारों का विश्वास | **जब अपने घर का हो सवाल, तो सिर्फ ओसवाल** | **क्वालिटी प्रोडक्ट्स की विशाल श्रृंखला**

ओसवाल सोप	1kg डिशवॉश टब	1kg व्हाइट सोप	1kg वॉशिंग पाउडर	1kg डिटर्जेंट पाउडर	100g नहाने का साबुन
100g ग्लिसरिन बाथ सोप	250ml लिक्विड हैंड वॉश	500ml लिक्विड डिशवॉश	1Ltr. डिटर्जेंट लिक्विड	1Ltr. टॉयलेट क्लीनर	1kg देसी खांड
1kg चाय पत्ती	250g डस्ट चाय	800g पोहा	1kg जीरा	1kg सैंधा नमक	1kg काला नमक
1kg बासमती चावल	500g हल्दी पाउडर	1kg मिर्च पाउडर	500g धनिया पाउडर		
1Ltr. 5Ltr. कच्ची घानी तेल	1Ltr. 5Ltr. रिफाइंड सोयाबीन तेल	1Ltr. रिफाइंड सोयाबीन तेल पाउच	5Ltr. 1Ltr. मूंगफली तेल	50g अगरबत्ती	घास की झाड़ू
1kg चना दाल	1kg मूंग दाल	1kg हरी मूंग दाल	1kg काबुली चना	1kg तूअर दाल	1kg उड़द धुली दाल

अब घर बैठे मँगवाए ओसवाल उत्पाद

ओसवाल रिटेल शॉप्स की जानकारी के लिए क्यूआर कोड स्कैन करें

Follow us on :

OswalSoap.com

अधिक जानकारी के लिए

+91 9116171956, 9680201956 पर कॉल करें

Marketed by Uttam Chand Desraj

नकली माल से सावधान

स्कैन करें और ओसवाल के उत्पाद खरीदें।

GET IT ON Google Play

फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 73 संख्याः 243 प्रभात जयपुर, गुरुवार 6 अप्रेल , 2023 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

Wahe Guruji Ka Khalsa Wahe Guruji Ki Fateh

"Is there anyone here who would lay down his life for his Guru and Dharam."

Physics: New Laws For The Flow Of Fluids

Popular Cake Recipes of All Time | There's always more cake to be tried & new recipes to be written

कर्नाटक के मु.मंत्री ने छक्का लगाया

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 अप्रैल। भाजपा का जहाँ तक प्रश्न है, उसके स्टार प्रचारक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हैं लेकिन जनता को पार्टी के पक्ष में खींचने के काम में मोदी की मदद करने वाले फिल्म सुपर स्टार्स हैं। बुधवार को कर्नाटक के मुख्यमंत्री बासवराज बोम्मई ने असंभव

- कन्नड़ फिल्म में सबसे लोकप्रिय कलाकार को भाजपा का प्रचार करने के लिये राजी किया।

प्रतीत हो रहे एक काम को कर दिखाया। उन्होंने भाजपा के पक्ष में प्रचार करने वाले स्टारों की सूची में कन्नड़ सुपर स्टार किचा सुदीप का नाम लिख दिया। यह सब इस अत्यन्त व्यस्त सुपर स्टार के साथ बोम्मई के निजी संबंधों के कारण ही हो सका है। जो एक अभिनेता, निदेशक और निर्माता तो हैं कि फिल्मों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

क्या आपको कम सुनाई देता है।
कान की मशीनें
स्पीच थैरेपी
फ्री सुनाई की जाँच
TRIAL OF HEARING AID
CALL FOR APPOINTMENT
+91 94602 07080
PERFECT SPEECH AND HEARING SOLUTIONS
Tonk Road, JAIPUR | Vaishali Nagar, JAIPUR
www.perfecthearingsolutions.com

'राहुल गांधी में इंदिरा गांधी, राजीव गांधी व यहां तक कि सोनिया गांधी के गुणों का पचासवां हिस्सा भी नहीं है'

गुलाम नबी आज़ाद ने इन्टरव्यू में यह भी खुलकर स्वीकार किया कि, उन्होंने राहुल गांधी के कारण कांग्रेस छोड़ी

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 अप्रैल। ''हां, मैंने राहुल गांधी की वजह से कांग्रेस छोड़ी थी?'' यह कहा गुलाम नबी आज़ाद ने जो 50 साल तक कांग्रेस में रहे।

अपनी आत्मकथा ''आज़ाद'' के विमोचन के अवसर पर गुलाम नबी आज़ाद ने खुलकर बातें की, खासकर कांग्रेस से 50 साल के रिश्ते पर। उन्होने माना कि कांग्रेस उनकी पहली व आखिरी ''मोहब्बत'' है और वंशत प्रतिशत एकदम खरे 24 कैरट कांग्रेसी हैं जबकि जो लोग कांग्रेस चला रहे हैं वे 18 कैरट भी नहीं है। राजदीप सरदेसाई जो आज़ाद का इंटरव्यू ले रहे थे, ने जब पूछा कि अगर सोनिया गांधी बुलाएंगी तो क्या वे जाएंगे, तो उनका जवाब था, अब उनके हाथ में कुछ नहीं है इसका अर्थ है कि अब पार्टी राहुल गांधी व उनके दरबारी चला रहे हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के साथ संबंध सामान्य करने के लिए अब बहुत देर हो चुकी है। राहुल की कार्यशैली एक परिपक्व एक सतत राजनेता की नहीं है। उन्होंने राहुल गांधी की तुलना इंदिरा गांधी, राजीव गांधी और सोनिया गांधी से की तथा कहा कि वे लोग जितने परिपक्व थे और उन्होने पार्टी और देश को चलाने के लिए जितना समय दिया था, राहुल उसका पचासवां हिस्सा भी नहीं हैं।

- आज़ाद ने साथ में यह भी स्वीकार किया कि, उनका पहला व अंतिम ''प्यार'' कांग्रेस ही थी।
- यह पूछे जाने पर कि, क्या वे कांग्रेस में लौट आयेंगे अगर, सोनिया गांधी ने उन्हें बुलाया तो, आजाद ने कहा, ''उनके हाथ में कुछ नहीं है अब।''
- राहुल गांधी पर ही फोकस करते हुए आज़ाद ने आगे यह कहा कि, राहुल गांधी से संबंध व रिश्ता बनाना संभव नहीं है, क्योंकि उनके काम करने की शैली एक पूर्णकालीन गंभीर राजनीतिज्ञ से एकदम भिन्न है।
- ''जिस तरह से 2013 में राहुल गांधी ने अध्यादेश को सार्वजनिक रूप से फाड़ा था वह गलत था तथा मंत्रिमण्डल ने उस कृत्य का कोई विरोध नहीं किया, बल्कि अध्यादेश को वापस लेने का निर्णय लिया, यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण था।''
- ''मैं 50 साल की राजनीति में यह ही समझा कि, उस व्यक्ति में कोई स्वाभिमान व रीढ़ की हड्डी नहीं होनी चाहिये, जो कांग्रेस में सफलता चाहता है।''

आज़ाद ने कहा कि एक समय था जब प्रधानमंत्री तक वार्ता हेतु बुलाने के लिए विमान भेजा करते थे पर अब एक शहर में होने के बाद चर्चा तो दूर बात तक नहीं होती है।

उन्होंने कहा कि वे 50 साल कांग्रेस में रहे, इसमें उन्होने यह समझा है कि कांग्रेस में रहने के लिए स्वाभिमान व रीढ़ की हड्डी की जरुरत नहीं है।

आज़ाद ने नेताओं को दोषी हराने वाले 2013 के अध्यादेश को राहुल द्वारा फाड़ दिए जाने की भी आलोचना की और कहा कि अगर वह अध्यादेश पारित होता तो आज राहुल गांधी को यह समस्या नहीं झेलनी पड़ती।

आज़ाद ने कहा कि उस समय कैबिनेट, जिसमें वे खुद भी बतौर केन्द्रीय मंत्री शामिल थे, को राहुल की नहीं सुननी चाहिए थी क्योंकि राहुल कैबिनेट के सदस्य नहीं थे और राष्ट्रपति के अलावा कोई भी कैबिनेट के फैसलों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

फ्रांस के राष्ट्रपति की चीन यात्रा

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 अप्रेल। फ्रांस के राष्ट्रपति एमानुएल मैक्रॉं फिलहाल चीन दौरे पर हैं और उन्हें उम्मीद है कि रूस-यूक्रेन युद्ध की समाप्ति को लेकर चीन शांति का कोई मार्ग तलाश सकता है।

लेकिन फ्रांस की पहल को लेकर आलोचनाएं पहले ही शुरू हो गई हैं। लैटविया के विदेश मंत्री ने कहा है कि यूक्रेन युद्ध में चीन मध्यस्थ नहीं बन सकता।

इसका कारण यह है कि विदेश नीति को लेकर चीन पहले ही एक श्वेत पत्र प्रस्तुत कर चुका है, जिसमें उसने

- उन्हें वहां कुछ उपलब्ध नहीं होगा, यूरोप व अमेरिका से नाराज़गी व दूरी के अलावा, पर आर्थिक लाभ की आशा ने शायद उन्हें इस बारे में अंधा बना दिया है।

यूक्रेन में तुरंत प्रभाव से युद्ध विराम की पैरवी की है, लेकिन उसमें रूस की यूक्रेन से वापसी के बारे में कोई उल्लेख नहीं है। इससे यह स्पष्ट हो गया कि इस प्रकरण में चीन की भावनाएं किसके साथ हैं, इसलिए चीन के प्रस्तावों की कैसी भी स्वीकारोक्ति को लेकर व्यापक विरोध है।

चीन ने यूक्रेन में रूस के आक्रमण की भर्त्सना भी नहीं की है और चीन के राष्ट्रपति ने इस युद्ध की शुरूआत से लेकर अब तक यूक्रेन के राष्ट्रपति से भी बात नहीं की है। इस बीच, चीन के राष्ट्रपति मॉस्को के अपने परम मित्र के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भाजपा ने नयी सोची-समझी रणनीति अपनायी है राहुल गांधी के बारे में

कांग्रेस के पुराने नेताओं, जैसे ज्योतिरादित्य सिंधिया, हेमन्त बिस्वा सरमा, गुलाम नबी आज़ाद को उतारा है, राहुल गांधी की प्रतिष्ठा को तार-तार करने के लिये

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 अप्रैल। ऐसा प्रतीत होता है कि सत्तारूढ़ दल ने कांग्रेस तथा उसके नेता राहुल गांधी पर हमला बोलने की रणनीति को और ज्यादा तीखा तथा धारदार बनाते हुये, कांग्रेस छोड़कर गये गुलाम नबी आज़ाद ज्योतिरादित्य सिंधिया तथा हिमान्ता बिस्वा सरमा जैसे नेताओं को मैदान में उतार दिया है ताकि वे अपनी पूर्व पार्टी की जमकर निन्दा कर सकें।

जहाँ सिंधिया ने आज अपनी पूर्व पार्टी पर प्रहार करते हुये कहा कि अब कांग्रेस में कोई विचारधारा नहीं बची है, सिवाय एक ''देशद्रोही'' के, जो भारत के खिलाफ काम कर रहा है। वहीं आज़ाद ने कहा कि किसी भी सीट पर कांग्रेस का कोई असर नहीं है तथा गांधी

- सिंधिया ने कहा कि, कोई आइडिऑलजी नहीं, उनका राजनीतिक सोच एक ''देशद्रोही, धोखेबाज'' का सोच है।
- आसाम के मु.मंत्री ने राहुल की राजनीतिक नैतिकता पर सवाल उठाये।
- गुलाम नबी ने राहुल गांधी की कार्यशैली को अपरिपक्व, व गंभीर राजनीतिक नेता के काम करने के तरीके से एकदम भिन्न बताया तथा कहा कि, वे राहुल से सलाह लेने व मशविरा करने में विश्वास नहीं करते।
- भाजपा ने नयी रणनीति इस लिये अपनायी, क्योंकि, यह महसूस किया गया कि, भाजपा के नेताओं द्वारा राहुल गांधी को भला बुरा कहने का असर नहीं हो रहा।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

G20 भारत 2023 INDIA | आज़ादी का अमृत महोत्सव | सत्यमेव जयते भारत सरकार

नारीशक्ति अब सशक्त
खुशहाल नारी, खुशहाल भारत

रसोई से दूर हुआ धुएं का जंजाल, स्वास्थ्य का रखा बेहतर ख्याल
राजस्थान में 70 लाख से अधिक निःशुल्क उज्ज्वला एलपीजी कनेक्शनों से महिलाओं की जीवन शैली में हुआ सुधार।

कठिनाइयों को दूर भगाया, महिलाओं को पहली बार सम्मान दिलाया
राजस्थान में स्वच्छ भारत मिशन के तहत बने लगभग 83 लाख शौचालय, महिलाओं के लिये सरल हुआ जीवन।

माँ की उचित देखभाल
प्रधानमंत्री मातृ-वंदना योजना से राजस्थान में 19 लाख से अधिक माताओं को मिली बेहतर देखभाल।

जीवन को बेहतर बनाया, सुविधा से मन मुस्कुराया
प्रधानमंत्री जल जीवन मिशन से राजस्थान में 36 लाख से अधिक घरों में नल से जल हुआ सुलभ।

उद्यम के हौसलों को मिले पंख
मुद्रा योजना से राजस्थान की 1 करोड़ से ज्यादा महिला उद्यमियों को मिला ₹38 हज़ार करोड़ से अधिक का ऋण।

हम मां भारती के बड़े सपनों, बड़ी आकांक्षाओं को साकार करने के लिये, बेटी के जन्म से लेकर जीवनचक्र की हर अवस्था में महिलाओं को सशक्त करने का बीड़ा उठा रहे हैं, इसके लिये योजनाएं बना रहे हैं, अभियान चला रहे हैं।

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

CBC 22201/13/0003/2324

विचार बिन्दु

पुरुषार्थ से दरिद्रता का नाश होता है, जप से पाप दूर होता है, मौन से कलह की उत्पत्ति नहीं होती और सजगता से भय नहीं होता। –चाणक्य

शिक्षा और चिकित्सा विभाग में लागू ''रोटेशन'' मंत्रिमंडल पर भी लागू हो

राजस्थान के अलावा अन्य राज्यों की विस्तृत जानकारी नहीं अतः राजस्थान की ही बात करना उचित होगा। राजस्थान में शिक्षा और चिकित्सा का स्तर देश में बहुत नीचा है। हाँ, यहाँ नवाचारों के नाम पर कई असफल प्रयोग किये जाते रहे हैं और उसके कारण शिक्षक और डॉक्टर को लिपिक बना दिया गया। डॉक्टर और शिक्षक खास तौर से संस्था प्रधान कम्प्यूटर पर डेटा एकत्रित करने व रिपोर्ट्स बनाने में ही वयस्त रहते हैं। शिक्षा विभाग में अनेक अन्य प्रयोगों के साथ 'शाला दपर्ण' और शाला दर्शन इसके ताज़ा उदाहरण हैं। इसी प्रकार विश्वविद्यालयों में विभागाध्यक्षों का रोटेशन उच्च शिक्षा की स्तरीय उन्नति हेतु ब्रह्मास्त्र की तरह लागू किया गया। प्रा.शि. एवं मा. शिक्षा में संभवतः अब इन दोनों प्रयोगों को मिलाकर 'शाला दर्पन' का पोर्टल बनाया गया है। हाल ही तथाकथित 'महान' प्रयोग चिकित्सा विभाग में भी प्रारंभ किया गया है।

लेखक को याद नहीं आता कि कभी प्राचीनकाल, मध्य युग या स्वतंत्रता पूर्व के आधुनिक काल में इन ब्रह्मास्त्रों का उल्लेख हो। पौराणिक काल में ऋषियों के आश्रम में पढ़ाई होती थी और इन ऋषियों को 'रोटेशन' से बदलने का प्रावधान नहीं था। विभिन्न राजाओं में चन्द्रगुप्त के गुरू चाणक्य से लेकर राजशाही तक राजगुरू या राजपुरोहित नहीं बदले जाते थे। चरक व सुश्रुत जैसे महान चिकित्सकों के समय से स्वतंत्रता के पूर्व तक चिकित्सा संस्थाओं में कहीं 'रोटेशन' प्रणाली नहीं सुनी जाती।

'रोटेशन' कोई विकास या सुधार का प्रयास नहीं है। यह एक राजनीतिक हथियार बन गया है, अपनी–अपनी गोटियाँ बिठाने का, सस्ती लोकप्रियता का, वोट बैंक का, भ्रष्टाचार का–कमाई का।

रोटेशन के कई स्वरूप हैं। एक है स्थानांतर। सभी विभागों में स्थानांतर होते हैं। प्रशासनिक पदों पर अमूमन तीन साल की अवधि रहती है। परंतु राजनीतिक नफा नुकसान अथवा दलीय पक्षपात के आधार पर स्थानांतर होते हैं। देखा यह जाता है कि सत्ता पक्ष के प्रति प्रतिबद्धता है कि नहीं। वोट बैंक की दृष्टि से उस क्षेत्र का जातीय समीकरण भी देखा जाता है। कुछ पदों पर यह देखा जाता है कि कौन अधिक कमाई करके सत्ता पक्ष को देगा। बड़े–बड़े केन्द्रीय व राज्य सत्ता के प्रोजेक्ट पर अधिकाधिक बचत करके सत्ता पक्ष को लाभ पहुँचाना भी उद्देश्य रहता ही है। यह हथियार हर स्तर पर प्रयुक्त हो सकता है। चपरासी, कांस्टेबल, पटवारी, शिक्षक व अन्य कर्मचारियों से लेकर मुख्य सचिव तक उपर्युक्त उल्लेखित उद्देश्यों में से किसी भी उद्देश्य की पूर्ति हेतु स्थानांतर होते हैं। प्रत्येक सत्ता परिवर्तन के बाद सत्ता के सभी क्षेत्रों में 'मास स्केल' पर स्थानांतर होते हैं। क्या ऐसा नहीं हो सकता कि यदि कोई अच्छा काम कर रहा है तो उसकी इच्छा तक वह वहीं काम करे। यदि काम खराब है तो स्थानांतर ही क्यों, नौकरी से ही निकाल दिया जाय। वी.आर.एस. में अथवा अनिवार्य सेवानिवृत्ति में हटा दिया जाय। विशेष प्रशासनिक कारण, इच्छित स्थान, पदोन्नति, पारम्परिक स्थानांतर आदि भी उचित हैं। लेखक के पिता व माता दोनों ही प्रा.वि. के प्रधानाध्यापक रहे। स्वतंत्रता पूर्व मेवाड़ रियासत का एक छोटा सा गाँव था, एक क्वार्टर भी था। एक ही स्थान पर तीन दशाब्दी तक रहे और देवी–देवता की तरह पूजनीय रहे। मुस्लिम छात्रों को पढ़ने–लिखने अन्यत्र भेजा, उन्हें नौकरी में लगवाया। जैन संतों को पढ़ाया। सिख छात्रों को उर्दू पढ़ाई। सफाई कर्मियों तक सारे गाँव को यज्ञोपवीत समारोह में आमंत्रित किया। उनका निधन उदयपुर में हुआ, उनकी अस्थियाँ उस गाँव में ले जाई गई, तीन दिन वहाँ शोक रहा, बाल बनवाये गये। जुलूस के साथ अस्थि विसर्जन हुआ। स्वतंत्रता के पूर्व से छोटी रियासत प्रधानमंत्री टी.राघवाचारी के नेतृत्व में अधिक प्रगतिशील थी आज की लोकतंत्र सरकार की अपेक्षा। प्रजातंत्र के नाम पर जनता अब प्रजा है और राजनेता शासक हैं राजा हैं। यह लोकतंत्र व जनतंत्र नहीं, 'राजा' व 'प्रजा' तंत्र है।

राजस्थान ने ऐसे कई आत्मघाती निर्णय लिये हैं। हर रोटेशन व परिवर्तन के पीछे अपने लोगों को अथवा किसी न किसी रूप में स्वार्थपूर्ति ही उद्देश्य रहता है। यह रोटेशन व 'टर्म' की कुप्रथा जितनी जल्दी समाप्त हो राजस्थान का भला होगा। यह निश्चित है कि स्तर निरंतर गिरता ही रहेगा।

स्थानांतर के बाद दूसरा हथियार विश्वविद्यालयों में और मेडिकल कॉलेज व हास्पिटल में 'टर्म' व 'रोटेशन' का है। सभी जानते हैं कि विश्वविद्यालयो में विभागाध्यक्षों व प्राध्यापकों के नाम से ही विभाग यशस्वी होता था और लोग गर्व से कहते थे कि मैं अमुक प्रोफेसर का छात्र रहा हूँ। आज एक तो सी.ए.एस. (केरियर एडवान्समेन्ट) स्कीम के नाम पर हर व्यक्ति प्रोफेसर और सीनियर प्रोफेसर हो जाता है, केवल कुलपति का चहेता होना चाहिये। साक्षात्कार मात्र औपचारिकता है। चयन व नियुक्तियों में जो धाँधली है उसके कारण अयोग्य, अक्षम, अकर्मण्य व्यक्ति भी उच्चतम पद पर पहुँच जाता है और कुलपति भी बनता है। विश्वविद्यालयों में स्तर गिरने का यह एक बहुत बड़ा कारण है। यही नहीं विभागाध्यक्ष भी ऐसी ही लोगों को बनाते हैं। डीन और विभागाध्यक्ष का यह रोटेशन बहुत घातक सिद्ध हुआ है। निश्चय ही अकर्मण्य, अयोग्य व अक्षम लोग उच्चतम पद तक पहुँचते हैं। संभव है अयोग्य, अक्षम लोगों की यह मांग रही हो, और निश्चय ही उनके अनुकूल भी है ही, परंतु इससे गुणात्मकता का ह्रास हुआ है। कुलपति का भी टर्म रहता है और टर्म समाप्त होने पर वह व्यक्ति पूर्व पद पर काम करता है। कितना उत्पीड़न है उस व्यक्ति का, जो अपने से कनिष्ठ व्यक्ति के नीचे काम करे। योग्यता तथा क्षमता के आधार पर चयन हो और फिर उसे उसकी सेवानिवृत्ति तक काम का अवसर दिया जाय। संभव है अपवाद स्वरूप कुछ बहुत अच्छा प्रदर्शन न कर सकें तो सम्मानजनक विकल्प खोजा जाना चाहिये। यही हाल कर्मचारियों, अधिकारियों व शिक्षकों का है। सावधिक पदोन्नतियों से एक सेकण्डरी उत्तीर्ण शिक्षक भी पोस्ट ग्रेजुएट की ग्रेड तक पहुँच सकता है। एक भीड़ की तरह आगे बढ़ते जाते हैं। कोई दक्षता अवरोध (ई.बी. एफिशियेन्सी बार) पहले ही तरह नहीं हैं। वार्षिक मूल्याँकन एक औपचारिकता रह गई है।

हाल ही में मेडिकल कॉलिजों में प्रिन्सिपल की भी टर्म निश्चित कर बाद में हटाया जाने लगा है। यह पुनः एक आत्मघाती बदम है। हॉस्पिटल सुपरिन्टेन्डेन्ड, विभागाध्यक्ष आदि पर तो यह पहले ही लागू था। कितना गलत निर्णय है यह सभी समझा जा सकता है जब मुख्यमंत्री को रोटेशन से मंत्री बना दिया जाय। क्या मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री और मंत्री, मुख्यसचिव, लोकसभा अध्यक्ष, राज्य सभा अध्यक्ष, मुख्य न्यायाधीश, मुख्य सचिव, राष्ट्रपति का भी रोटेशन होना चाहिये? क्या इन सभी को रोटेशन के आधार पर अपने पद से नीचे के पद पर लगाया जा सकता है। यही नहीं सत्ता व राजनीति के उच्च पदों पर बैठे लोगों को अपनी पीढ़ियों तक अथवा आजन्म अपने पद पर क्यों बने रहना चाहते हैं। क्यों क्षेत्रवाद, जातिवाद, संप्रदाय, धर्म के नाम पर देश का अहित करके अथवा विभाजक रेखाऐं खींच कर भी क्यों सत्ता में रहना चाहते हैं?

मकसद केवल एक है अपने दलीय स्वार्थ की ही नहीं, निजी व जातिगत स्वार्थ की पूर्ति करना। राज्य सरकारों की रीति–नीति के कारण शिक्षा, चिकित्सा ही नहीं प्रत्येक विभाग का स्तर गिरा है। वह और भी गिरने वाला है। राजस्थान ने ऐसे कई आत्मघाती निर्णय लिये हैं। हर रोटेशन व परिवर्तन के पीछे अपने लोगों को अथवा किसी न किसी रूप में स्वार्थपूर्ति ही उद्देश्य रहता है। यह रोटेशन व 'टर्म' की कुप्रथा जितनी जल्दी समाप्त हो राजस्थान का भला होगा। यह निश्चित है कि स्तर निरंतर गिरता ही रहेगा। क्यों दर्द होता है, मंत्री, मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के पद से हटने पर, क्यों नहीं स्वयं हटना चाहते लोग? राजस्थान में तो मुख्यमंत्री के रोटेशन की बात कभी से चल रही है और वे कई टर्म तक मुख्यमंत्री रह भी चुके हैं, फिर वे स्वतः पद क्यों नहीं छोड़ देते या फिर उप मुख्यमंत्री बनकर देखें कि कितना दर्द होता है। योग्य व्यक्ति अवश्य पदासीन रहे और अयोग्य व्यक्ति का चयन ही न हो यह हर क्षेत्र में लागू होना ही श्रेयस्कर है।

–अतिथि सम्पादक,
कैलाश विहारी वाजपेयी,
(स्वतंत्र चिंतक व लेखक)

अर्थव्यवस्था आशावाद पर आधारित नहीं होती है, इसे पक्का धरातल चाहिए

डॉ. रामावतार शर्मा

कहा जाता है कि मनोविज्ञानिक और अर्थशास्त्री के अनुमान और निष्कर्ष कभी भी बदल सकते है क्योंकि मन और अर्थव्यवस्था किसी भी क्षण दिशा परिवर्तन कर सकते हैं। आज से चंद सप्ताह पहले भला किसको पता था कि अमरीकन सरकार द्वारा ब्याज वृद्धि के कारण उसके अपने सशक्त बैंक डूब जायेंगे। ध्यान रहे वहां का सिलिकॉन वैली बैंक दिवालिया होने के चंद दिन पहले ही वर्ष का सर्वोत्तम बैंक घोषित हुआ था। बैंक सरकार द्वारा तेजी से ब्याज दर बढ़ाने की वजह से डूबा क्योंकि उसका बहुत–सा पैसा सरकार के ही लंबी अवधि के बॉन्ड्स में लगा था जिनकी कीमतें ब्याज दर बढ़ने के फलस्वरूप घट गई थी। यह घटना बताती है कि अर्थव्यवस्था मन की तरह ही गतिशील और वाचाल होती है।

मानव स्वभाव फिर भी तकरीबन हर कार्य के बारे में कुछ अंदाजे और उम्मीदें लगाता है। नेतृत्व अच्छे दिन आने की घोषणा करता है, जनता किसी न किसी व्यक्ति से चमत्कार की उम्मीद करती है, उसमें दैवीय शक्तियों का आभास पाती है, पर धरातल पर कुछ और ही हो रहा होता है जिसे स्वीकारने से अहंकार को चोट पहुंचती है। यही कारण है जिसकी वजह से असत्य और झूठी आशा फलती–फूलती रहती है। आरोप प्रत्यारोपों के बीच जीवन चलता रहता और असंख्य नागरिक सीमित लोगों की सफलता के उदाहरणों के बीच अवसाद और दरिद्रता की तरफ सरकते जाते हैं।

फरवरी 2022 में अपने बजट भाषण में वित्तमंत्री निर्मला सीतारमन ने बड़े आत्म विश्वास के साथ घोषणा की थी कि भारत की अर्थव्यवस्था 2022–23 में 8 – 8.5 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी। वित्तमंत्री की घोषणा के 15 दिन बाद रिजर्व बैंक के गवर्नर शशिकांता दास ने इस वृद्धि दर को घटा कर 7.8 प्रतिशत कर दिया। दास के अनुसार खुदरा मुद्रास्फीति या कंज्यूमर प्राइस

इंडेक्स 4.5 प्रतिशत के अंदर ही रहेगी। उसके बाद विश्व में बहुत कुछ हुआ और अब तो स्पष्ट हो गया है कि वित्तमंत्री और रिजर्व बैंक गवर्नर दोनों ही गलत सिद्ध हुए हैं। रूस–यूक्रेन युद्ध ने पूरे विश्व में महंगाई तो बढ़ाई ही, साथ में मुद्रा के प्रवाह को भी संकुचित कर दिया। अमेजन के बेजॉस जैसे लोगों ने तो यहां तक कह दिया कि अपना रोकड़ा बचा कर रखो, शायद काम आए।

अमेरिका और यूरोप में भारत का निर्यात घटने और आयात बिल बढ़ने से भारत का चालू खाता घाटा बढ़ने लगा है जो किसी भी दृष्टि से अच्छा नहीं है।

अब जी डी पी के 6.5 या इसके भी कुछ नीचे रहने की संभावना है। कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स 6.5 प्रतिशत के पार चल रही है। रिजर्व बैंक ने 2023 – 24 की जी डी पी दर 6.4 और कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स 5.3 का अंदाजा दिया है। परंतु कितने लोग हैं जो रिजर्व बैंक की इस बात पर भरोसा कर रहे हैं? असफल या अत्यधिक मानसून, कॉरपोरेट जगत के मुनाफे में बड़ी गिरावट, बैंक से लोन में गिरावट या फिर तेल और खाद्य पदार्थों की कीमतों में तीव्र वृद्धि जैसी कितनी ही घटनाएं आर बी आई के अंदाजों को धराशायी कर सकती हैं। कुछ विशेषज्ञ इस वर्ष की जी डी पी दर के 5.5 प्रतिशत तक गिरने की बात करने लगे हैं। इन हालातों को देखते हुए आर्थिक प्रगति के बड़े दावे आश्चर्य पैदा करते हैं। आशावादी होना अच्छी बात है पर आधारहीन आशाएं भला किस काम की?

भारतीय जी डी पी का आधा भाग सरकार और नागरिक उपभोक्ताओं से आता है और हमारी अर्थव्यवस्था स्थानीय उपभोग के दम पर ही खड़ी है। अब यदि हम बजट पर नजर डालें तो उसमें कहीं भी बचत और उपभोग की वृद्धि को प्रोत्साहन देना नजर नहीं आ रहा है। इसके अलावा बजट में ऐसा कुछ भी नहीं दिखाई देता जिससे सामान्य उपभोक्ता की आय में वृद्धि हो सके। जब किसी देश का मध्यम वर्ग सिर्फ रोजी–रोटी में उलझ कर रह जाता है तो वहीं से उस देश की अर्थव्यवस्था कमजोर पड़ने लगती है। 45 लाख करोड़ के इस वर्ष के बजट में आयकर 9 लाख करोड़ आंका गया है जिसमें कॉरपोरेट आयकर भी शामिल है। सामान्य नागरिकों का आयकर में अनुपात नगण्य सा ही है और आयकर के निचले स्लैब में तो लगातार कमी आ रही है। यह कमी इंगित कर रही है कि भारत का मध्यम वर्ग आर्थिक कठिनाई के दौर से गुजर रहा है।

कोविड काल की रुकी हुई उपभोक्ता मांग अब ठंडी पड़ जायेगी। बढ़ी हुई कीमतें बाजार में मांग को कम कर सकती हैं और ब्याज दरों के लगातार बढ़ने से ई एम आई की अवधि बढ़ जाएगी। 6.5 प्रतिशत से बढ़ कर ब्याज दर 9 प्रतिशत को पार कर रही है तो बहुत से लोग सेवा निवृत्ति के बाद तक भी अपने कर्ज की मासिक किश्त चुकाते रहेंगे जिसके कारण उनका जीवन स्तर नीचे ही रहेगा। आज जहां कम कीमत के फ्लैट्स बेचने में काफी जोर आ रहा है वहीं करोड़ों रुपए कीमत वाले बहुत ही महंगे फ्लैट्स आनन फानन बिक रहे हैं। इससे पता चल रहा है कि बड़े धन का प्रवाह नीचे से ऊपर की तरह हो रहा है, भारत में धन और संपदा का फैलाव नहीं बल्कि संकुचन हो रहा है जो एक चिंता का विषय है।

भारत में जिस उपभोग की बात की जा रही है उसका 80 प्रतिशत तो सरकार द्वारा ही किया जाता है। अब सरकार सब्सिडी और मनरेगा में कटौती कर रही है। इस साल के बजट में सरकार के खर्चे में मात्र 1.27 प्रतिशत की वृद्धि आंकी जा रही है। जब पैसा नहीं होगा तो उपभोग कैसे होगा? इसलिए आंतरिक उपभोग अकेले के दम पर इतनी बड़ी अर्थव्यवस्था का चलना संभव नहीं है परंतु निर्यात को बढ़ाने में भारत अभी तक सफल नहीं हुआ है। इसके अलावा गल्फ राष्ट्रों से आने वाले डॉलर्स अब कम हो चले हैं, विदेशी पर्यटक काफी कम होते जा रहे हैं, आई टी इंडस्ट्री कमजोर पड़ती नजर आ रही है। ऐसी स्थिति में विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव आना स्वाभाविक है। ये सब कारण मिल करे रुपए को कमजोर बना रहे हैं। भारत कई क्षेत्र में विश्व का सबसे बड़ा आयातक है इसलिए कमजोर रुपया करेंट अकाउंट के घाटे को और बढ़ा रहा है। यदि भारत निर्यात बढ़ाने में सफल होता है तो कमजोर रुपया फायदे की बात हो सकती है परंतु ऐसा हो नहीं पा रहा है।

सरकार दस लाख करोड़ की पूंजी इंफ्रास्ट्रक्चर आदि पर खर्च करने का दावा बजट में कर रही है। क्या सरकार इतना धन जुटा पाएगी? क्या इस पूंजी का कुछ हिस्सा देश के निचले वर्ग तक पहुंच पाएगा? ध्यान रहे, सरकार के इस खर्चे में बहुत सी वस्तुओं का निर्यात करना पड़ेगा जिसके कारण विदेशी पूंजी भंडार पर बड़ा दबाव आएगा क्योंकि वैश्विक मंदी के कारण निर्यात बढ़ाने की संभावनाएं कम होती जा रही हैं। इस तरह से भारत सामान के साथ–साथ मुद्रास्फीति और महंगाई का भी आयात करेगा। यह एक विकट स्थिति है जिसमें से निकलना आसान नहीं है। अब यदि अमेरिका में मंदी आती है तो उसका भारत की अर्थव्यवस्था पर बड़ा नकारात्मक असर पड़ेगा क्योंकि भारत में बड़ा विदेशी निवेश डॉलर के रूप में ही आता है।

एलन ग्रीनस्पैन 90 वर्ष से ऊपर की उम्र के व्यक्ति हैं। अमेरिका के फेडरल रिजर्व के लंबे समय तक चेयरमैन रहे हैं और जो कहते हैं सपाट कहते हैं। उनके अनुसार ;हम अर्थव्यवस्था के बारे में कभी भी सटीक भविष्यवाणी नहीं कर सकते हैं फिर भी हम ऐसा करने का नाटक करते हैं। हम फिर भी भविष्यवाणी करते रहते हैं।;

– डॉ. रामावतार शर्मा,
(चिकित्सक एवं लेखक)

पांच हज़ार वर्ष पुरानी धरोहर के अवशेष पुलिस को सौंपे

■ बनास नदी के समीप बसने वाली प्राचीन धरोहर के अवशेष जमा कराए

भीलवाड़ा, (निसं)। जलधारा विकास संस्थान के अध्यक्ष महेश नवहाल व सुप्रसिद्ध पुरात्तवेत्ता डॉ. जीवनसिंह खरकवाल, डॉ. तमेघ पंवार ने मंगरोप पुलिस स्टेशन पर पुलिस अधिकारियों को बनास नदी के समीप बसने वाली लगभग 5000 वर्ष से भी अधिक प्राचीन धरोहर के अवशेष व मिट्टी के बरतनों के टुकड़े जमा कराए।

जलधारा विकास संस्थान के अध्यक्ष महेश चन्द्र नवहाल ने बताया कि डॉ. जीवन सिंह खरकवाल, निदेशक, साहित्य संस्थान, जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्या पीठ विश्वविद्यालय के नेतृत्व में राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर के डॉ. तमेघ पंवार व तीन शोध विद्यार्थियों के साथ मंगरोप बनास नदी के समीप लगभग 5000 वर्ष से भी अधिक प्राचीन जनबसाव के अवशेषों का अध्यनन किया। इससे यह बात उभर कर आई कि यह लगभग 8–10 हेक्टर के क्षेत्र में यह बस्ती थी। बनास के पास होने से जल उपलब्धता सुगम थी।

यहां के निवासी मिट्टी के विशेष बरतन बनाने में निपुण थे। इनका अन्य जनबसाव की कॉलोनी से सम्पर्क रहा। यहां यह स्थान तीन बार बस कर उजाड़ हुआ। जिसकी अवधि टीम को यहां मिले साक्ष्य अनुसार लगभग 5000 वर्ष, लगभग 2000 वर्ष व लगभग 1100 – 1200 वर्ष स्पष्ट दृष्टिगोचर होती है।

यहां मिले साक्ष्यों को स्थानीय मंगरोप थाने में पुलिस प्रशासन को स्थल की पूरी जानकारी देकर सौंपे गये। पुलिस अधिकारीयों को इसके महत्व व धरोहर के पुरातात्विक व ऐतिहासिक पृष्ठभूमि से भी अवगत कराया ताकि वे इसके वे इसके संरक्षण में सहभागी हो सके। यह भीलवाड़ा जिले की ऐसी धरोहर है जिसके अध्यनन व शोध की महती आवश्यकता है। जिसके अनुसार यह साबित होता है कि यह प्राचीनतम मानव बसाव रहा है, जिसके संरक्षण की बहुत आवश्यकता है।

जेईई–मेन प्रवेश परीक्षा आज से

कोटा, (निसं)। देश की सबसे बड़ी इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा जेईई–मेन अप्रैल गुरुवार 6 अप्रैल से शुरू होने जा रही है। इसके लिए विद्यार्थी भी तैयार हैं और नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की भी तैयारियां पूरी हो गई है।

बीई–बीटेक के लिए जेईई–मेन अप्रैल परीक्षा 6, 8, 10, 11, 12, 13 एवं 15 अप्रैल होगी। वहीं 12 अप्रैल को बीआर्क के लिए परीक्षा होगी। परीक्षाएं दो शिफ्टों में सुबह 9 से 12 और दोपहर 3 से 6 बजे के बीच में होगी। देश के 315 और विदेश में 15 शहरों में यह परीक्षा आयोजित की जा रही है। अप्रैल परीक्षा के लिए 9 लाख 40 हज़ार विद्यार्थियों ने आवेदन किया है। राजस्थान में 17 शहरों में परीक्षा होगी, जिसमें अजमेर, अलवर, बाडमेर, भरतपुर, भीलवाड़ा, बीकानेर, चित्तौड़, दौसा, हनुमानगढ़, जयपुर, झुंझुनूं, जोधपुर, कोटा, सीकर, सिरोही, श्रीगंगानगर व उदयपुर में परीक्षा केन्द्र होंगे। पहले दिन कोटा शहर में दो परीक्षा केंद्र शिव ज्योति इंटरनेशनल ल स्कूल रानपुर एवं राजीव गाँधी कंप्यूटर साक्षरता मिशन झालावाड़ रोड़ में परीक्षा होगी।

एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट के एजुकेशन एक्सपर्ट अमित आहूजा ने बताया कि जेईई–मेन 2023 के लिए यूनिक कैंडिडेट की संख्या 12 लाख तक पहुंच गई है जो की गत वर्ष से 1 लाख ज्यादा है। पूर्व में जनवरी परीक्षा के लिए 9 लाख स्टूडेंट्स पंजीकृत हुए एवं अब अप्रैल परीक्षा के लिए 3 लाख 20 हज़ार स्टूडेंट्स ने नए आवेदन किया है ये वे हैं पहली बार अप्रैल परीक्षा में बैठ रहे है। जेईई–मेन के आधार पर मिलने वाले एनआईटी की संख्या करीब 24 हज़ार है ऐसे में एनआईटी की हर सीट के लिए करीब 50 स्टूडेंट्स ने कम्पटीशन रहेगा। पूर्व में जब परीक्षा शहर जारी किए गए तो उसमें स्टूडेंट्स को चारों विकल्पों में भरे गए परीक्षा शहर मिलने पर एनटीए को ई–मेल कर जानकारी दी गई थी।

भारतीय पुलिस की खराब स्थिति: सम्मान और संसाधनों की मांग

मरियम अबूहैदरी

एक पशु कार्यकर्ता के रूप में पशु क्रूरता के मामलों की रिपोर्ट करने के लिए मैं अक्सर पुलिस स्टेशनों का दौरा करती हूं। आज, जब मैंने एक पुलिस स्टेशन का दौरा किया, तो मुझे ऐसा महसूस हुआ कि मैं एक फिल्म के सेट पर थी जिसे आसानी से अलग किया जा सकता था। छत को ठीक से स्थापित करने की आवश्यकता थी, अन्यथा बारिश का पानी अंदर बह जाएगा। स्टेशन की स्थिति दयनीय थी।

भारत में पुलिस की स्थिति देखकर बहुत दुख होता है। उन्हें बिना किसी उचित सुविधा या समर्थन के कठोर परिस्थितियों में काम करना पड़ता है। कई मामलों में, पुलिस थाने जर्जर, गंदे और पर्याप्त रूप से सुविधाजनक नहीं पाय जाते हैं। विकास के पथ पर चलने का दावा करने वाले देश भारत के लिए यह शर्मनाक है। मुझे आश्चर्य है कि क्या हमें वास्तव में अपने 20 अध्यक्ष पद पर गर्व महसूस करना चाहिए?

थानों के लगभग हर पहलू में धन की कमी स्पष्ट है। उन्हें अधिक बजट देने की आवश्यकता है, लेकिन उन्हें केवल 4 आकार के प्रिंटिंग पेपर का एक पैकेट दिया जाता है। इसका मतलब यह है कि उन्हें इसे संयम से इस्तेमाल करना होगा, जो उनके दिन–प्रतिदिन के कार्यों में बाधा बन सकता है। यह शर्म की बात है कि देश में कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिम्मेदार इतनी महत्वपूर्ण संस्था को प्रभावी ढंग से कार्य करने के लिए आवश्यक संसाधन नहीं दिए गए हैं।

भारत में पुलिस की दुर्दशा अन्य देशों के पुलिस बलों के विपरीत है, जहां अधिकारियों को अपने कर्तव्यों को प्रभावी ढंग से पूरा करने के लिए आवश्यक सभी संसाधन उपलब्ध कराए जाते हैं। यह समय है कि भारत सरकार पुलिस बल में निवेश के महत्व को समझे और उन्हें वे संसाधन उपलब्ध कराये जिनकी उन्हें प्रभावी ढंग से कार्य करने के लिए आवश्यकता है। एक पुलिस बल जो अच्छी तरह से वित्त पोषित और अच्छी तरह से सुसज्जित है, नागरिकों को बेहतर सुरक्षा प्रदान करने और देश में अपराध दर को कम करने में सक्षम होगा।

यदि हम अन्य देशों की स्थितियों की तुलना करें तो उन राष्ट्रों में, पुलिस अच्छी तरह से सम्मानित और अच्छी तरह से सुसज्जित है, और उनके काम करने की स्थिति बहुत बेहतर है। राजस्थान में स्थिति गंभीर है। पुलिस स्टेशन जर्जर अवस्था में हैं, अधिकारी कम प्रशिक्षित हैं, और उन्हें अपना काम प्रभावी ढंग से करने के लिए अधिक उपकरण व प्रशिक्षण की आवश्यकता है। पुलिस अनुसंधान और विकास ब्यूरो (बीपीआर एंड डी) के अनुसार, जनवरी 2021 तक, राजस्थान में कुल 85,195 पुलिस कर्मी थे, जिनमें 66,051 पुरुष और 19,144 महिलाएं शामिल थीं। यह प्रति 100,000 जनसंख्या पर 144.2 के पुलिस–जनसंख्या अनुपात पर काम करता है, जो राष्ट्रीय औसत 138.3 से अधिक है। कॉमनवेल्थ ह्यूमन राइट्स इनिशिएटिव द्वारा 2019 के एक अध्ययन में पाया गया कि राजस्थान के 60 पुलिस स्टेशनों में शौचालय, पीने के पानी या पुरुषों और महिलाओं के लिए अलग लॉकअप जैसी बुनियादी सुविधाएं नहीं हैं। अध्ययन में पुलिस कर्मियों के प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण में अधिक निवेश की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला गया है।

हमें पुलिस के लिए बड़े बजट की मांग करने की जरूरत है। सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि पुलिस थानों में स्वच्छ पेयजल, शौचालय और स्वच्छ वातावरण जैसी बुनियादी सुविधाएं हों। पुलिस कर्मियों को अपने कर्तव्यों को प्रभावी ढंग से पूरा करने के लिए पर्याप्त प्रशिक्षण और सहायता दी जानी चाहिए। सरकार के लिए अधिक पुलिस अधिकारियों की भर्ती और प्रशिक्षण का सही समय है। भारत में बेरोजगारी दर बहुत ज़्यादा है, और कई कुशल व्यक्ति बेरोजगार हैं। सरकार को इन व्यक्तियों को पुलिस अधिकारियों के रूप में भर्ती करके रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए इस अवसर का लाभ उठाना चाहिए। इसके अतिरिक्त, इन अधिकारियों को उचित प्रशिक्षण प्रदान किया जाना चाहिए ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उनके पास किसी भी स्थिति को संभालने के लिए आवश्यक कौशल है। ऐसा करने से, न केवल सरकार बेरोजगारी के मुद्दे को संबोधित करेगी, बल्कि यह भी सुनिश्चित करेगी कि पुलिस बल अच्छी तरह से कार्यरत है और देश की सेवा करने के लिए अच्छी तरह से प्रशिक्षित है।

– मरियम अबूहैदरी,
पशु कार्यकर्ता

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

गुरूवार 6 अप्रैल, 2023

चैत्र मास, शुक्ल पक्ष, पूर्णिमा, गुरूवार, विक्रम संवत 2080, हस्त नक्षत्र दिन 12:41 तक, व्याघात योग रात्रि 2:30 तक, बव करण दिन 10:04 तक, चन्द्रमा रात्रि 1:10 से तुला राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य–मीन, चन्द्रमा–कन्या, मंगल–मिथुन, बुध–मेष, गुरू–मीन, शुक्र–मेष, शनि–कुम्भ, राहु–मेष, केतु–तुला राशि में।

आज वैशाख स्नान आरम्भ होगा। आज हनुमान जन्मोत्सव, पूर्णिमा व्रत, सत्यव्रत, चैत्री पूर्णिमा, हनुमान जयन्ती (द. भारत में), सर्वदेव दमनोत्सव और जैन आयंबिल ओली समाप्त होगी। शुक्र वृष में प्रवेश 10:59 पर करेगा। आज मेला सालासर बालाजी और सत्यपुरी धाम वाटिका है।

सर्वश्रेष्ठ चौघड़ियाः सूर्योदय से 7:50 तक, चर 10:57 से 12:30 तक, लाभ–अमृत 12:30 से 3:36 तक, शुभ 5:09 से सूर्यास्त तक।

राहूकालः 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 6:16, सूर्यास्त 6:42

मेष
स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त–व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा।

वृष
परिवार में शुभ–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में सोच–विचार हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन
घर–परिवार में सुख–सुविधाएं बढ़ेगी। सुख–शांति बनी रहेगी। परिवार में धार्मिक–सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक मामलों में उचित सफलता मिलेगी।

कर्क
व्यावसायिक कार्यों के लिए बाहर जाने का कार्यक्रम बन सकता है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में सुख–सुविधाएं बढ़ेगी।

सिंह
आर्थिक/वित्तीय मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। अनावश्यक धन खर्च हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। घर–परिवार में शुभ–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

कन्या
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

तुला
व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। व्यावसायिक खर्चों पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा। नौकरीपेशा व्यक्तियों को उच्चाधिकारियों की नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है। परिवार में आपसी वाद–विवाद टालना ठीक रहेगा।

वृश्चिक
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

धनु
व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मकर
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। परिवार में सुख–सुविधाएं बढ़ेगी।

कुंभ
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। स्वास्थ्य संबंधित कारणों से दिनचर्या अस्त–व्यस्त हो सकती है।

मीन
परिवार में शुभ–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे।

बिल्डर ने कई प्लॉट्स और सड़क की जमीन दबाकर जे.डी.ए. में स्कीम संशोधित करवाई

भांकरोटा के ग्राम नीमेडा में निजी खातेदारी की योजना 'महालक्ष्मी एन्क्लेव' का मामला

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । जयपुर विकास प्राधिकरण (जे.डी.ए.) में मिलीभगत कर एक बिल्डर ने भूखंड़धारियों के प्लॉट और सड़क की जमीन दबाकर नए प्लॉट काट दिए। सांठगांठ ऐसी थी कि निजी खातेदारी की स्कीम के नक्शे और ले आऊट प्लान तक रातोंरात बदल दिए। जेडीए के अमीन, तहसीलदार एटीपी व जेईएन ने भी नक्शे संशोधित कर जोनल लेवल मीटिंग कर स्वीकृत करा लिए।

साथ ही आपत्ति देने की सार्वजनिक सूचना भी 29 मार्च 2023 को छपवा दी। यह घपला भांकरोटा के ग्राम नीमेडा में निजी खातेदारी की योजना 'महालक्ष्मी एन्क्लेव' में सामने आया है। खौफनाक बात यह है जब इस योजना में प्लॉटधारक ने जेडीए प्रशासन को आपत्ति दर्ज करवाई तो बिल्डर के आदमी उसे धमकाने लगे। इस बिल्डर के खिलाफ पहले भी वैशालीनगर में धोखाधड़ी के मामले दर्ज हो चुके हैं।

पीड़ित रमेश चंद्र शर्मा ने बताया कि इस बिल्डर ने अजमेर रोड पर भांकरोटा के ग्राम नीमेडा में निजी खातेदारी की योजना 'महालक्ष्मी एन्क्लेव' सृजित की थी। यह योजना 1996 में सृजित की गई थी और 2009 में बीपीसी से इसके नक्शे पारित कर स्कीम स्वीकृत करा ली थी। उक्त योजना का नियमन करा कर लीज डीड भी जारी हो गई थी। इस बीच अन्य आवासीय योजनाओं के खसरे की ओवरलेपिंग के कारण विवाद हो गया। बिल्डर ने जोन-12 में मिलीभगत कर संशोधित नक्शे पेश कर दिए। इसमें सड़क की चौड़ाई 40 फीट से घटाकर 30 फीट कर दी। साथ ही भूखंडधारियों को दिए गए प्लॉट छोटे कर दिए। इसके साथ ही वहां पर अतिरिक्त प्लॉट सृजित कर दिए गए।

- **पीड़ित प्लॉट मालिक रमेशचंद्र शर्मा ने जेडीए उपायुक्त को आपत्ति दर्ज कराई तो बिल्डर के लोगों ने उसे धमकाया**
- **बिल्डर की चालाकी ऐसी कि भूखंड़धारियों के प्लॉट और सड़क की चौड़ाई कर करके कई नए प्लॉट तक बना डाले**

पीड़ित रमेशचंद्र ने बताया कि इस योजना में प्लाट नंबर 443 मैने खरीदा है। पिछले दिनों समाचार पत्र में 'महालक्ष्मी एन्क्लेव' की संशोधित योजना की विज्ञप्ति देखी तो हैरानी हुई। मैंने जोन-12 के उपायुक्त के समक्ष लिखित में आपत्ति पेश की। जिसमें बताया कि उसका प्लाट नंबर 443 पहले 355 वर्गगज का था, जो बाद में घटा कर 337.77 वर्गगज का कर दिया। साथ ही सड़क की चौड़ाई भी घटा कर 40 फीट के बजाय 30 फीट कर दी गई। आरोप है कि बिल्डर ने सभी प्लॉट होल्डर के साथ धोखाधड़ी कर उनके भूखंड छोटे कर दिए हैं। इसमें भूखंडधारियों की सहमति भी नहीं ली गई। बिल्डर ने प्लॉट छोटे कर अतिरिक्त भूखंड सृजित कर दिए, जो कि प्लॉट होल्डर्स के साथ धोखाधड़ी है। जेडीए जोन-12 के टाउनप्लानर और जेईएन और तहसीलदार ने आंखें मूंदकर जोनल लेवल की मीटिंग में बिल्डर द्वारा दिए गए संशोधित नक्शे पास करा लिए। आपत्ति नहीं करने पर वो स्कीम भी अनुमोदित करा लेते। शर्मा का कहना था कि आपत्ति देने के बाद बिल्डर के आदमी उन्हें लगातार फोन कर आपत्ति वापस लेने के लिए धमका रहे हैं। इस मामले में पूर्व में भी बिल्डर ने कुछ भूखंडधारियों के प्लाट रहन में रख दिए थे। इसमें उनके खिलाफ थाना वैशालीनगर में मुकदमा भी दर्ज किया गया था।

> **अभी योजना का नक्शा अनुमोदन नहीं हुआ है। हमने इसकी सार्वजनिक सूचना समाचार पत्रों में प्रकाशित इसीलिए कराई है जिससे किसी को कोई आपत्ति हो तो वो पेश कर सके। योजना के अनुमोदन में किसी तरह की गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं होगी। कोई भी आपत्ति आती है तो उसका निराकरण किया जाएगा। भूखंडधारी की आपत्ति के निस्तारण के बाद ही आगे की कार्रवाई होगी।**
>
> प्रवीण कुमार, उपायुक्त
> जोन-12 जेडीए

हाऊसिंग बोर्ड के 100 प्रोजेक्ट रेरा में पंजीकृत

- **इस आंकड़े के साथ आवासन मंडल बना देश की सबसे बड़ी रेरा रजिस्टर्ड संस्था**

जयपुर (कासं)। राजस्थान आवासन मंडल आयुक्त पवन अरोड़ा ने मंडल की 100वीं परियोजना के रेरा (राजस्थान रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी) में पंजीकृत होने पर मंडल टीम को बधाई देकर कार्मिकों का उत्साहवर्धन किया। मंडल को रेरा के तीन डिजिट में लाने वाली 100वीं परियोजना जोधपुर की चौपासनी में उद्यान अपार्टमेंट रही।

आवासन आयुक्त ने मंडल मुख्याल पर बुधवार को प्राप्त इस उपलब्धि के लिए शाबाषी दी और उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि मंडल द्वारा चलाए जा रही सभी परियोजना में रेरा की पालना सुनिश्चित करने के लिए शाखा का गठन किया गया गया और मंडल शत प्रतिशत रेरा की पालना कर रहा है। उन्होंने कहा कि आमजन के विश्वास को हम रेरा के साथ निरंतर मजबूत कर रहे हैं।

अरोड़ा ने बताया मंडल के 100 प्रोजक्ट अब तक रेरा में पंजीकृत हो चुके हैं, जल्द ही यह आंकड़ा दिन ब दिन बढ़ता जाएगा। रेरा में 100 प्रोजेक्ट पंजीकृत होने पर राजस्थान आवासन मंडल देश की सबसे बड़ी रेरा रजिस्टर्ड संस्था बन गई है। उन्होंने कहा कि स्वायत्त शासन मंत्री शांति धारीवाल और रेरा चेयरमैन एन.सी. गोयल के नेतृत्व में मंडल के सभी प्रोजेक्टों में रेरा की पालना सुनिश्चित करवाई जा रही है।

आवासन आयुक्त ने बताया कि गुरूवार को मण्डल मुख्यालय पर एक लघु समारोह आयोजित किया जा रहा है, जिसमें रेरा राजस्थान के चैयरमेन एन.सी. गोयल को आवासन मण्डल की ओर से सम्मानित किया जाएगा। साथ ही आवासन मण्डल के 100 प्रोजेक्ट रजिस्टर्ड होने पर रेरा की तरफ से भी ट्रॉफी प्रदान की जाएगी और जिन अधिकारियों एवं कर्मचारियों का इस उपलब्धि को प्राप्त करने मे सहयोग रहा है, उनको भी सम्मानित किया जाएगा।

नाबालिग के साथ दुष्कर्म करने वाले को सजा

जयपुर, (का.सं.)। पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत क्रम-1 महानगर प्रथम ने 17 वर्षीय नाबालिग के साथ दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त अजय कुमार पंवार को दस साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने अभियुक्त पर दस हजार रुपए का जुर्माना लगाया है।

अभियोजन पक्ष की ओर से अदालत को बताया गया कि पीडिता ने 18 सितंबर 2020 को सांगानेर सदर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में बताया गया कि उसके माता-पिता दिन में काम पर चले जाते हैं। उनके मकान में अभियुक्त अजय कुमार, जो डीजे की दुकान करता है, रहता है को पीड़िता ने बताया कि लॉकडाउन के दौरान एक नाबालिग ने उसके साथ बलात्कार किया था। वहीं अजय जून 2020 की शाम उसे जबरन बाथरूम में ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया। जिसके बाद वह गुमसुम रहने लगी और आखिर में घटना की जानकारी परिजनों को दी। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अभियुक्त के खिलाफ अदालत में आरोप पत्र पेश किया। जबकि नाबालिग आरोपी के खिलाफ बाल न्यायालय में अलग से आरोप पत्र दाखिल किया गया। सुनवाई के दौरान अभियुक्त की ओर से कहा गया कि उसे मामले में फंसाया गया है। पीड़िता ने तीन माह की देरी से रिपोर्ट दर्ज कराई है और उसका मेडिकल भी देरी से हुआ है। इस पर अदालत ने कहा कि कोई भी लड़की स्वयं के साथ हुए यौन अपराध को लेकर सहज नहीं रहती है और संकोच के कारण परिजनों को भी जानकारी नहीं देती। मामले में पीड़िता नाबालिग थी और उसने संकोचवश यह मानसिक पीड़ा अपने स्तर पर सुलझाने का प्रयास किया, लेकिन परिस्थितियां खराब होने के चलते उसने परिजनों को इसकी जानकारी देने का साहस किया। यौन हिंसा की पीड़िता अत्यधिक शर्म और समाज व परिजनों के द्वारा तिरस्कृत किये जाने से भयभीत रहती है। इसलिए देरी से रिपोर्ट दर्ज कराने का लाभ अभियुक्त को नहीं मिल सकता।

निजी स्कूलों पर कार्रवाई न करने के आदेश

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने आरटीई के तहत एडमिशन के मामले में शैक्षिणक सत्र 2022-23 के लिए प्रार्थी प्राइवेट स्कूलों के खिलाफ राज्य सरकार को दंडात्मक कार्रवाई नहीं करने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही अदालत कहा है कि यदि याचिकाकर्ताओं को शैक्षिणक सत्र 2023-24 की पॉलिसी से कोई परेशानी हो तो वे नए सिरे से याचिका दायर कर सकते हैं। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह ने यह निर्देश मैनेजिंग कमेटी कैम्ब्रिज हाई स्कूल व अन्य की याचिकाओं को सारहीन मानकर निस्तारित करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान प्राइवेट स्कूलों की ओर से कहा गया कि शैक्षिणक सत्र 2022-23 लगभग खत्म हो गया है। इसके बावजूद राज्य सरकार ने शैक्षिणक सत्र 2022-23 में एडमिशन के लिए एक फरवरी 2023 को नोटिफिकेशन जारी किया है। ऐसे में प्रार्थी स्कूल अब शैक्षणिक सत्र 2022-23 के अंतिम स्तर पर कोई एडमिशन नहीं दे सकते।

पूर्व विधायकों को पेंशन देने के मामले में एजी व स्पीकर को बतौर पक्षकार हटाया

प्रदेश के 508 पूर्व विधायकों को मासिक पेंशन देने का मामला

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने प्रदेश के 508 पूर्व विधायकों को मासिक पेंशन देने के मामले में दायर याचिका में से महाधिवक्ता और स्पीकर का नाम बतौर पक्षकार हटा दिया है। अदालत ने महाधिवक्ता का नाम हटाने के लिए याचिकाकर्ता को प्रार्थना पत्र पेश करने के लिए कहा था। वहीं स्पीकर का नाम अदालत ने अपने स्तर पर ही हटा दिया है। इसके साथ ही अदालत ने राज्य सरकार को जवाब पेश करने के लिए चार सप्ताह का समय दिया है। जस्टिस पंकज भंडारी और जस्टिस अनिल उपमन की खंडपीठ ने यह आदेश मिलाप चंद डांडिया की जनहित याचिका पर दिए।

सुनवाई के दौरान अदालती आदेश की पालना में याचिकाकर्ता की ओर से महाधिवक्ता का नाम पक्षकार से हटाने के लिए प्रार्थना पत्र पेश किया। जिसे अदालत ने स्वीकार करते हुए कहा कि याचिका में स्पीकर को भी बेवजह पक्षकार बनाया गया है। ऐसे में स्पीकर का नाम भी हटाया जा रहा हैं। वहीं याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता विमल चौधरी और अधिवक्ता योगेश टेलर ने कहा कि पंजाब में पूर्व विधायकों को एक ही पेंशन दी जाती है। जबकि राजस्थान में व्यक्ति जितनी बार विधायक रहा, उस अवधि के आधार पर पेंशन दी जा रही है। इस पर महाधिवक्ता ने कहा कि पंजाब के अलावा सभी राज्यों में अवधि के हिसाब से ही पेंशन दी जा रही है। इसके अलावा वे सरकार को इस तथ्य से अवगत करा देंगे। वहीं महाधिवक्ता ने याचिका का जवाब पेश करने के लिए समय मांगा। इस पर अदालत ने चार सप्ताह का समय दे दिया है।

याचिका में कहा गया है कि आरटीआई में मिली सूचना के तहत प्रदेश में 508 पूर्व विधायकों को करीब 26 करोड़ सालाना पेंशन के तौर पर दिए जा रहे हैं। इनमें से कई विधायक वर्तमान में भी एमएलए हैं। वहीं करीब आधा दर्जन से अधिक पूर्व विधायकों को एक लाख रुपए और सौ से अधिक पूर्व विधायकों को मासिक पचास हजार रुपए से अधिक की पेंशन दी जा रही है। याचिका में कहा गया कि राज्य सरकार राजस्थान विधानसभा अधिकारियों और सदस्यों की परिलब्धियां एवं पेंशन अधिनियम 1956 व राजस्थान विधानसभा सदस्य पेंशन नियम, 1977 बनाकर पूर्व विधायकों को पेंशन का लाभ दे रही है। जबकि संविधान के अनुच्छेद 195 और राज्य सूची की 38वीं एन्ट्री में पूर्व विधायकों को पेंशन देने का प्रावधान नहीं है।

सार-समाचार

अखिल अरोड़ा से मिले सेवारत चिकित्सक

जयपुर (कासं)। अखिल राजस्थान सेवारत चिकित्सक संघ ने बुधवार को एसीएस वित्त अखिल अरोड़ा से वार्ता की। वार्ता में वित्त सचिव नरेश ठकराल भी मौजूद रहे। सेवारत चिकित्सकों से वर्ष 2011 और वर्ष 2017 में हुए समझौतों की कई मांगे और कुछ वेतन विसंगतियां अब तक लंबित चल रही थी, जिनके लिए आज अरिस्दा अध्यक्ष डॉ. अजय चौधरी के नेतृत्व में राज्य भर से आए 15 सेवारत चिकित्सक नेता सचिवालय पहुंचे और अपनी बात रखी। बताया जा रहा है कि वार्ता सकारात्मक रही, एसीएस अखिल अरोड़ा से एक एक कर सभी बिंदुओं पर चर्चा हुई। मुख्य मुद्दा मेडिकल कैडर का रहा, जिसके लिए आज से ही कवायद शुरू करने के निर्देश भी संबंधित को दे दिए गए। अन्य समस्त मांगों जैसे डीएसीपी, वेतन विसंगति, हायर स्टडीज का गजट नोटिफिकेशन, ऐडहॉक चिकित्सकों के नियमितीकरण आदि पर भी जल्द से जल्द समाधान निकालने का भरोसा अखिल अरोड़ा ने दिया। वार्ता में डॉ. जगदीश मोदी, डॉ. शंकर बामनिया, डॉ. नरोत्तम शर्मा, डॉ. राहुल हर्ष, डॉ. विद्याप्रकाश मीणा, डॉ. मनीष चौधरी, डॉ.ज्योत्सना रंगा, डॉ. अटल चौधरी, डॉ. रितु चौधरी, डॉ. विजय चौधरी, डॉ. राजवीर सिंह, डॉ.सुरेश मंडावरिया और डॉ प्रमोद जैन सम्मिलित रहे।

प्रशिक्षण में 28 देशों के प्रतिभागी शामिल

जयपुर (कासं)। जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट में "पब्लिक पॉलिसी एंड गवर्नेंस" पर एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें अर्जेंटीना, बुरुंडी, तंजानिया, लाओस, कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य, घाना, इथियोपिया, नाइजीरिया, मलावी, केन्या, युगांडा, वियतनाम, सिएरा लियोन, एंटीगुआ और बारबुडा जैसे अट्ठाईस देशों के 29 प्रतिभागी शामिल हुए। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय श्रम अर्थशास्त्र अनुसंधान एवं विकास संस्थान, नीति आयोग, भारत सरकार के सहयोग से आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सार्वजनिक नीति पर विभिन्न सत्र आयोजित किए गए। जयपुरिया, जयपुर के निदेशक डॉ. प्रभात पंकज ने कहा कि जीवन का विज्ञान हमें बताता है कि स्वास्थ्य और खुशी दोनों के लिए निश्चित जीवन उन्मुखीकरण की आवश्यकता होती है, जिसके न होने पर कोई भी उपलब्धि नहीं मिल सकती है। उन्होंने स्वस्थ और सुखी जीवन जीने की सलाह दी। इस दौरान डॉ. टीना जैन चेयरपर्सन-एग्जीक्यूटिव एजुकेशन एंड कंसल्टेंसी और डॉ. दानेश्वर शर्मा, डीन-स्टूडेंट अफेयर्स ने "टीम मैनेजमेंट" पर आयोजित सत्र में प्रतिभागियों के साथ मूल्यवान अंतर्दृष्टि साझा की।

मैराथन दौड़ का आयोजन 7 अप्रैल को

जयपुर (कासं)। विश्व स्वास्थ्य दिवस के उपलक्ष्य में 7 अप्रैल को राजस्थान नर्सिंग कौंसिल की ओर से अमर जवान ज्योति जनपथ पर प्रात: साढे 6 बजे मैराथन दौड़ और नर्सिंग संवर्ग के प्रतिभागियों की राज्य स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता आयोजित की जायेगी। नर्सिंग कौंसिल रजिस्ट्रार डॉ. शशिकान्त शर्मा ने बताया कि मैराथन दौड़ व खेलकूद प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत रहेंगे, जबकि अध्यक्षता चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री परसादी लाल मीणा करेंगे। समारोह में बतौर विशिष्ट अतिथि शासन सचिव डॉ. पृथ्वी एवं अन्य अतिथि मौजूद रहेंगे। डॉ. शर्मा ने बताया कि मैराथन दौड़ में नर्सिंग संवर्ग के करीब 8 हजार प्रतिभागी भाग लेंगे, सभी सुबह छ: बजे विधान सभा के सामने इक्कठे होंगे तथा उनके वाहन अमरूदो के बाग में पार्क किए जाएंगे। वीआईपी अतिथि अंबेडकर सर्किल से हो कर अमर जवान ज्योति पहुंचेंगे तथा उनके वाहनों की पार्किंग व्यवस्था वही स्टेडियम में की गई है। फ्लैग ऑफ के बाद मैराथन अंबेडकर सर्किल होते हुए स्टेच्यू सर्किल के ठीक पहले से वापिस घूम कर एसएमएस स्टेडियम पहुंचेगी। मैराथन के बाद स्टेडियम में 7 से 9 अप्रैल तक राज्य स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता होगी। जिसमें महिला व पुरुष वर्ग की कबड्डी, वॉलीबाल, बैडमिंटन, म्यूजिकल चेयर, रसाकस्सी, सहित लॉन्ग जंप, हाई जंप, डिस्कस थ्रो, दौड व गोलाफेंक होगी।

हनुमान जन्मोत्सव का आयोजन आज

जयपुर । मंदिर श्री मनोकामनेश्वर वीर हनुमान जी ऊंचा कुआं हल्दियों का रास्ता जौहरी बाजार में 6 अप्रैल को हनुमान जन्मोत्सव का आयोजन किया जायेगा। जिसमें हनुमानजी का दुग्धाभिषेक कर नवीन पोशाक धारण करवाई जावेगी। तत्पश्चात हनुमानजी के भोग लगाकर सायं 7 बजे आरती की जावेगी और भक्तों व श्रृद्धालुओं को प्रसादी वितरण किया जायेगा। यह जानकारी मंदिर के महंत व पुजारी पंडित राजकुमार व्यास व भक्त बजरंग शर्मा व जगदीश गुर्जर ने दी।

संक्षिप्त

राष्ट्रीय सेवा संगम में प्रदर्शनी आज

जयपुर । राष्ट्रीय सेवा भारती के तत्वावधान में जामडोली स्थित केशव विद्यापीठ परिसर में 7 से 9 अप्रैल तक राष्ट्रीय सेवा संगम-2023 का आयोजन किया जा रहा है। तीन दिवसीय इस आयोजन के एक दिन पहले यानी 6 अप्रैल को विश्व जागृति मिशन के संस्थापक आचार्य सुधांशु महाराज प्रदर्शनी का उद्घाटन करेंगे। यह जानकारी सेवा संगम के प्रचार प्रमुख महेंद्र सिंहल ने दी। सिंहल ने बताया कि कार्यक्रम में स्वामी माधवानंद विश्व शांति परिषद जाडन (पाली) के महामंडलेश्वर स्वामी महेश्वरानंद का आशीर्वचन होगा। पूर्व अखिल भारतीय सेवा प्रमुख प्रेमचंद गोयल का उद्बोधन होगा। कार्यक्रम में राजसमंद की सांसद दीया कुमारी मुख्य अतिथि और उद्योगपति अशोक बागला विशिष्ट अतिथि के तौर पर उपस्थित होंगे। प्रदर्शनी 6 से 9 अप्रैल तक सुबह 9 से शाम 7 बजे तक खुली रहेगी।

अनुप्रेरणा सिंह कुंतल ए.पी.ओ.

जयपुर, (का.सं.)। राज्य सरकार ने आज एक आदेश जारी कर अनुप्रेरणा सिंह कुंतल को पदस्थापन आदेशों की प्रतीक्षा में रखा है। वर्तमान में वे सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग में आयुक्त व विशिष्ट शासन सचिव के पद पर हैं।

थानों में लगेंगे पैरा लीगल वॉलन्टियर्स

जयपुर । लापता बच्चों एवं उनके विरूद्ध अपराधों के संबंध में अब उन्हें विधिक सहायता मिल सकेगी। इसके लिए राज्य सरकार प्रदेश के पुलिस थानों में पैरा लीगल वॉलन्टियर्स नियुक्त करेगी। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने वॉलन्टियर्स लगाए जाने के प्रस्ताव को स्वीकृति दी है।

फूल बंगले में विराजे सालासर बालाजी

हनुमान जन्मोत्सव की पूर्व संध्या पर मंगलेश्वर महादेव मंदिर में सजी मनोरम झांकी

जयपुर (कासं)। चैत्र शुक्ल पूर्णिमा गुरूवार को हनुमान का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। हनुमान मंदिरों में सुंदरकांड और हनुमान चालीसा पाठ होंगे। शाम को भजन संध्याओं में वीर बजरंग बली का गुणगान किया जाएगा। दर्जनों स्थानों से प्रसिद्ध हनुमान मंदिरों के लिए पदयात्राएं रवाना होंगी। हनुमान मंदिरों में अंजनी सुत का दुग्धाभिषेक और पंचामृत अभिषेक कर सिंदूरी चोला धारण कराया जाएगा। इसके बाद आकर्षक नवीन पोशाक धारण करवाई जाएगी। फूलों से मनमोहक श्रृंगार किया जाएगा। श्रद्धालु केसरीनंदन के दर्शन कर सुख-समृद्धि की कामना करेंगे। इसके बाद जन्म आरती होगी। जन्मोत्सव पर छोटीकाशी के सभी हनुमान मंदिरों को विशेष रूप से सजाया गया है।

जौहरी बाजार के हल्दियों का रास्ता स्थित मंगलेश्वर महादेव मंदिर में हनुमान जन्मोत्सव की पूर्व संध्या पर सालासर बालाजी भक्त मंडल जयपुर की ओर से आयोजित भजन संध्या में बालाजी महाराज का गुणगान किया गया। भक्तों ने अयोध्या में बन रहे

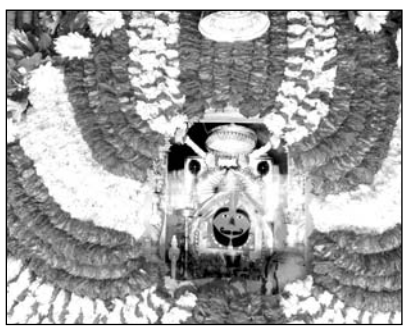

भगवान श्रीराम के मंदिर और राम लला विराजमान के दर्शन किए। मंडल के अध्यक्ष रामप्रसाद कारोड़िया ने बताया कि भजन संध्या में अयोध्या के रामलला का दरबार सजाकर फूलों से आकर्षक श्रृंगार किया गया। मंदिर में विराजित सभी विग्रहों का मनोरम श्रृंगार किया गया। महाआरती के साथ भजन संध्या का शुभारंभ हुआ। जय श्री राम और हनुमान जी महाराज के जयकारों के मध्य गणेश वंदना के साथ भजन संध्या का श्रीगणेश हुआ। पवन शर्मा ने महाराज गजानंद आओ जी म्हारी सभा में रंग बरसाओ...भजन गाकर विघ्न विनाशक प्रथम पूज्य गणपति को मनाया।

भजन संध्या में अक्षरधाम मंदिर के योगी प्रेमी ने भगवान राम और हनुमान जी के शास्त्रीय राग के भजनों की प्रस्तुतियां दीं। बाबू सिंह राजावत सहित अन्य भजन गायकों ने भी हाजिरी दी। भजन संध्या के बीच-बीच में पुष्प वर्षा की गई। जलदाय मंत्री डॉ. महेश जोशी, विधायक कालीचरण सराफ, पूर्व विधायक सुरेन्द्र पारीक, नगर निगम के पूर्व चेयरमैन अजय यादव, हल्दियों का रास्ता व्यापार मण्डल के अध्यक्ष सुरेंद्र बज सहित अनेक विशिष्टजनों ने भी भजन संध्या में हाजिरी लगाई। मंडल के सदस्य बी एल बागवान, पवन शर्मा, पुरूषोत्तम सोनी, केसर देव वर्मा, हर्षवर्धन ठाकर, कैलाश चंद माहेश्वरी, महावीर सिंह चौहान, महावीर प्रसाद सिसोदिया, गोपाल लाल अग्रवाल, जगदीश प्रसाद दालवाला, पुरूषोत्तम अग्रवाल, रमेश चंद भंडारी मामराज अमरसरिया, सत्यनारायण, जितेन्द्र सैनी भी उपस्थित रहे।

डॉक्टर्स प्रीमियर टेनिस लीग 19 से

जयपुर । डॉक्टर्स प्रीमियर टेनिस लीग के तृतीय संस्करण का ट्रायल संपन्न हो गया है। अब 9 अप्रैल को खिलाडियों का ऑक्शन होगा। लीग चेयरमैन डॉ. जयंत सेन ने बताया की तृतीय संस्करण 'डीपीटल' जो कि 19 से 23 अप्रैल को जयपुर क्लब में होगा, टूर्नामेंट के ट्रायल में खिलाडियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। डीपीटील पेट्रन डॉ. संदीप निझावन ने बताया कि सीनियर वर्ग में ट्रायल में डॉ. महाक्षित का आइकॉन केटेगरी, डॉ. जय राठौड़, डॉ. दिव्यारुप का प्लैटिनम केटेगरी, डॉ. सतीश शाह का एमेराल्ड केटेगरी, डॉ राकेश व डॉ. संजय पाटीदार का डायमंड वर्ग में चयन हुआ। लीग कोऑर्डिनेटर डॉ. दीपाली पाठक ने बताया कि जूनियर वर्ग में यश छाबरा, मानसी महला, रचित केडिया, अनुष्का शर्मा का आइकॉन श्रेणी में चयन हुआ। लीग कोचेयरमैन डॉ. हरीश भारद्वाज़ ने बताया कि पुरुष वर्ग में 12 टीमें और जूनियर वर्ग में 4 टीमें खेलेंगी।

जयपुर का 'विभाजन' रूकवाने की अर्जी लेकर मोतीडूंगरी गणेशजी के मंदिर में पहुंचे प्रबुद्धजन

जयपुर (कासं)। जयपुर को दो जिलों में बांटने के विरोध में उतरे प्रबुद्धजनों ने बुधवार को मोतीडूंगरी गणेशजी मंदिर में अर्जी लगाकर सरकार की सद्बुद्धि की कामना की। दरअसल मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने गत दिनों विधानसभा में जयपुर को दो नए जिलों में बांटने की घोषणा की थी, जिसमें एक जिले का नाम 'जयपुर उत्तर' व दूसरे का नाम 'जयपुर दक्षिण' प्रस्तावित किया था। घोषणा के बाद से ही इसके सम्भावित दुष्परिणामों को ध्यान में रखते हुए जयपुर के प्रतिष्ठित प्रबुद्धजनों ने "म्हारो जयपुर- प्यारो जयपुर" की एक सकारात्मक मुहिम छेड़ रखी है।

इसके तहत जयपुर के जन प्रतिनिधियों से ज्ञापन देकर आग्रह किया जा रहा है कि जयपुर के दोनों नगर निगम के 250 वार्डों को सम्मिलित रखते हुए जयपुर शहर का सिर्फ़ एक ज़िला जयपुर शहर के नाम से बनाए। जयपुर शहर को विभाजित नहीं किया जाये। यह प्रबुद्धजन धार्मिक स्थलों पर भी सामूहिक पूजा-अर्चना कर रहे हैं।

अभियान से जुड़े सुनील कोठारी ने बताया कि पिछले दिनों जयपुर शहर के सभी जन प्रतिनिधियों से मिलकर इस विषय पर उन्हें वस्तु स्थिति से अवगत कराया जा चुका है।

बुधवार को मोती डूँगरी गणेश मंदिर में सभी कार्यकर्ताओं ने एकत्रित होकर भगवान से प्रार्थना की कि, सरकार को सद्बुद्धि दे, जो जयपुर शहर को किसी भी रूप में नहीं बांटे। इस अवसर पर मंदिर के महंत कैलाश शर्मा से भी प्रतिनिधि मंडल ने मुलाक़ात कर जयपुर को बांटने से यहां के नागरिकों पर पड़े वाले दुष्प्रभाव और जयपुर शहर की विरासत पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभाव के बारे में विस्तार से बताया। महंत कैलाश शर्मा ने प्रतिनिधि मंडल को आश्वस्त किया कि वो जनता की भावना के अनुसार सरकार से बात करेंगे। प्रतिनिधि मंडल में सुनील कोठारी, जयपुर की पूर्व मेयर ज्योति खंडेलवाल, वरिष्ठ पत्रकार जितेन्द्र सिंह शेखावत, अल्प संख्यक आयोग के पूर्व चेयरमैन जसबीर सिंह, पार्षद विमल अग्रवाल, जयपुर व्यापार महासंघ के अध्यक्ष सुभाष गोयल, शरद खण्डेलवाल, जयपुर व्यापार महासंघ के महामंत्री सुरेन्द्र बज मौजूद थे।

ARBiT
it happens here...

International Fun at Work Day

For some people who happen to absolutely love their jobs, every day at work can be fun. But for many people whose work might be a bit tedious or less than joyful, they need some pick-me-up days throughout the year to keep things lively and make the days pass a bit more quickly. International Fun at Work Day is just one such time of the year when working and having fun are meant to collide!

राष्ट्रदूत
THURSDAY
6 April 2023
A-B

#TRIED&TASTED

Popular Cake Recipes of All Time

The cakes we love to make.

We love all homemade cakes. Whether it comes from a box or is made entirely from scratch-if it's made at home, we're into it. While we all have our favourites, there's always more cake to be tried and new recipes to be written. If you're on the hunt for something new, look no further. These are our most popular cake recipes of all time.

Caramelized Banana Upside-Down Cake

Ingredients

For the caramelized bananas

- 1/4 cup unsalted butter
- 1/3 cup light brown sugar
- 4 large bananas, just ripe, sliced lengthwise
- 1/4 teaspoon table salt

For the yellow cake

- 1 1/2 cups all-purpose flour
- 1 1/2 teaspoons baking powder
- 3/4 teaspoon table salt
- 1/2 cup vegetable oil
- 1 cup granulated sugar
- 2 teaspoons pure vanilla extract
- 1 large egg
- 1 large egg yolk
- 1 cup buttermilk, room temperature

Preparation

1. Preheat the oven to 350° F.
2. Melt the butter in a 10-inch cast iron skillet over medium heat. Add the brown sugar and salt and cook until melted, stirring occasionally. Remove from the heat and decoratively press the bananas (flat side down, rounded side up) into the caramel, until all of the caramel is topped with bananas. Set aside.
3. Whisk the flour, baking powder, and salt in a medium-sized bowl, and set aside.
4. Place the oil, sugar, and vanilla in a large bowl. Whisk to combine. Add the egg and yolk, and continue whisking until smooth. Add the buttermilk and whisk again.
5. Add the dry ingredients to the wet, and using a rubber spatula, gently fold to combine. Do not over mix.
6. Scrape the batter over the bananas and gently smooth the top.
7. Bake for 35 to 40 minutes, rotating at the halfway point, until a cake tester comes out with a moist crumb or two.
8. Immediately run a paring knife around the edge of the pan. Let sit for 5 minutes, then carefully invert the cake onto a serving platter. If bits of caramel or banana stick to the bottom of the pan, scrape them off and place them back onto the cake.
9. Let cool until the caramel sets a bit, about 20 minutes, or cool to room temperature. Serve with vanilla ice cream or whipped cream.
10. The cake will keep wrapped in plastic on the counter for up to 3 days, but it is best the day it is made.

Light, Fluffy Butter Cake

Ingredients

- Unsalted butter, at room temperature, or oil for greasing the pan
- 3 large eggs, at room temperature
- 1 cup (213 grams) light brown sugar
- 1/4 teaspoon salt
- 3 apples (about 198 grams)
- 1 cup plus 2 tablespoons (134 grams) white whole-wheat flour

Preparation

1. Heat the oven to 350°F. Butter the bottom (but not the sides) of an 8-inch springform pan.
2. Combine the eggs, light brown sugar, and salt in the bowl of a stand mixer fitted with the whisk attachment. Start on low, then raise the speed to medium-high.
3. While that's going, peel the apples, then cut them into ½-inch pieces. This should yield about 4 cups of apple pieces.
4. When the egg-sugar mixture is done mixing, remove the bowl from the stand mixture and add the flour. Use a flexible spatula to gently fold in the flour until it's almost incorporated. Add the apples and fold those in, too. Scrape the batter into the prepared pan.
5. Bake for about 1 hour and 15 minutes, or until the top is browned and a cake tester comes out completely clean. Cool in the pan for about 30 minutes, then run a knife around the edge to loosen the cake, and unhinge the outside.
6. Serve the cake in big wedges, warm or at room temperature, with confectioners' sugar dusted on top, and crème fraiche (or whipped cream) plopped alongside. This is best the day it's made.

He sent hukamnama to his large number of followers inviting them to visit Anandpur Sahib, a city in Punjab founded by his father, in full strength on the Vaisakhi festival. The Sikhs responded by gathering in very large numbers, on day of the festival. Some historians put the number at 80,000. In those times, when means of communication were very few, this size of gathering speaks of the influence Guru Gobind Singh was having on the minds of people. The people had come from far off places as Jagannath Puri in the east, to Bidur in the south, to Lahore and Delhi in the north, to Dwarka in the West.

Wahe Guruji Ka Khalsa Wahe Guruji Ki Fateh

Jasveer singh
Chairman Advisory Committee Guru Gobind Singh Chair for National Integration & Sikh Studies, Raj uni.

#GREAT & NOBLE

The Sikhs world over celebrate Baisakhi every year on 13th or 14th of April which is the day when a new faith, the Sikh religion was born. Birth of the Khalsa was done in the grandest of ceremony on the first of Vaisakh 1756 BK (March 29, 1699 CE) 324 years back. Sikh religion is the latest evolved by the human beings after Hinduism, Buddhism, Jainism, Christianity, Islam, Judaism and Zorastrianism.

The emergence of Sikh religion was the logical outcome of the blue print given by Guru Nanak Dev the first of Sikh Gurus. The unique event of Baisakhi in 1699 was the culmination of the political and social scenario prevalent in those times. The Mughal state had assumed the form of a purely Islamic state under Aurangzeb. Earlier, especially in the times of early Mughal rulers Babar, Humayun and Akbar, the rule was largely Islamic but not totally Islamic. However, in Aurangzeb's time, the state became entirely Islamic as orthodoxy was adopted as an "imperial policy". He began with puritanic measures.

In the second year of his reign, he discontinued the celebration of Nauroz (first day of the lunar year). A few years later music and dancing were prohibited. "Jharoka Darshan" was discontinued on the ground that it smacked of human worship. Severe punishments were given for anything that was construed by the theologians as violating the spirit of Islam. Non-Muslims were singled out for discriminatory treatment in the fields of public services, construction and repair of temples, conversion and taxation. Islam being a missionary religion and the ruling Muslim community being in a minority, great importance was attached to conversions. In March 1695 CE, all the Hindus, except Rajputs, were ordered not to ride elephants, fine horses or palanquins or to carry arms. Aurangzeb was equally bigoted towards Shias, Sufi saints and liberal minded Muslims.

Suffocating Circumstances

In 1661 CE Mansur-e-Sani Sufi Muhammad Sarmad was beheaded for believing in Sufi principles. In 1699 CE even celebration of Moharram was banned. The 9th Sikh Guru, father of Guru Gobind Singh, Guru Teg Bahadur whose 400th Prakash Parv (the birth) was celebrated world-wide last year was beheaded in 1675 in Delhi at Sisganj near the Red Fort on the orders of Aurangzeb. His crime being saving the Kashmiri Brahmins from being converted to Islam. Such were the suffocating circumstances which led to the birth of Khalsa, the Sikh religion on the day of Baisakhi in 1699.

The tenth Guru for the protection of religion and justice decided to put his plan into operation on the first of Vaisakh 1756 BK (March 29,1699CE). He sent hukamnama to his large number of followers inviting them to visit Anandpur Sahib, a city in Punjab founded by his father, in full strength on the Vaisakhi festival. The Sikhs responded by gathering in very large numbers, on day of the festival. Some historians put the number at 80,000.

In those times, when means of communication were very few, this size of gathering speaks of the influence Guru Gobind Singh was having on the minds of people. The people had come from far off places as Jagannath Puri in the east, to Bidur in the south, to Lahore and Delhi in the north, to Dwarka in the West.

A Virtuous Life

The Guru rose early on that day and sat in meditation. He then appeared before the sangat who hailed him with shouts of greetings. Bhai Mani Singh gave exposition of a shabad from the Adi Granth. The Guru then with his sword unsheathed spoke "Is there anyone here who would lay down his life for his Guru and Dharam" It was an amazing call and his words created confusion and silence among the gathering. They could not understand what the Guru meant and gazed in awed silence until he spoke again. Now confusion turned into fear. For the third time, Sri Guru Gobind Singh repeated his call. Now Daya Ram, a Khatri (carpenter) from Lahore stood up and said in humility "My head is at thy disposal, my true Lord. There would be no greater gain than dying under thy sword". The Guru took him to a specially improvised enclosure close by. The Guru returned with his sword dripping blood, and wavering it to the multitude asked for another head. This was more than anyone could endure. People started leaving the place. But another person from Delhi Dharam Das, a jat (OBC) came forward to offer himself for sacrifice to the Guru. He too was taken to the enclosure. In the same way the Guru made three more calls. Mokham Chand a chibba from Dwarka in Gujrat, Himmatajhin was from Jagannath Puri in Orissa and Sahib Chand, a barber (again a so called lowcaste) from Bidar in Karnatka cheerfully responded one after another and advanced to offer their heads. After few minutes, the Guru led the five Sikhs back from the enclosure in which he had taken them one by one. In the enclosure confidentially guarded he had kept sets of apparel specially designed for the occasion. Decked in saffron coloured gorgeous outfits topped over with neatly tied turbans of the same colour, the glorious five (the panj piyaras-the five beloved) walked deferentially behind the Master, overwhelmed with gratitude. The Guru was himself attired in the same manner as his chosen five disciples. The gathering considerably thinned and silence struck was further puzzled to see those whom they had thought to have been sacrificed to the Guru's whim reappear in flesh and blood and gloriously dressed.

The Guru took water in an iron bowl, stirred it with a khanda (double edged sword-a dagger) to the recitation of hymns. A plate full of patasas (a sweet) brought by Mata Jito, the Guru's wife was put in the water. Amrit, the nectar of immortality was now ready and was administered to the five beloved to signify their initiation into the casteless fraternity of the Khalsa (a new Sikh faith). Their names were changed and they were given one family name "Singh" which is derived from Sanskrit "simha" meaning lion - it was and is commonly used as a surname by the Rajputs, Gurkhas and many others belonging to Hindu martial classes. A sikh woman takes the surname "Kaur" on baptism. Kaur is also a common surname derived from the word "Kanwar" used for Rajput women and means both a princess and lioness. This moment on that Baisakhi of 1699 marked their complete break with the past and it required the initiated to live a virtuous life of morally responsible action under the discipline and code especially prescribed for him. For outward symbols, the Guru asked them to always wear unshorn hair (kesh), a comb (kangha) in the hair knot, an iron bangle (kara) on the right wrist, a sword (kirpan) on his person, a kachha (a pair of short breeches). These five K's (kesh, kanga, kara, kirpan, kachh) are the marks of investiture on the personality of an initiated Sikh.

Pride, Duty and Devotion

The five symbols taken together signify that a Sikh, both as an individual and a corporate body should be strong in body, mind and soul and develop an integrated personality. The distinctive appearance of a Sikh imparts a semblance of unity, close brother hood, equality, group consciousness and above all an ethical and morally right conduct. In addition to the five above emblems, a Sikh is prohibited to smoke, chew tobacco or take alcoholic drinks. He is also directed never ever to violate the modesty of women of even the enemy.

The first Guru of Sikh faith Guru Nanak, in whose times woman folk was considered to be inferior and girl infanticide on birth of a girl-child was common in society. Guru Nanak declared in his hymn 'so kyon manda aaakheye jit jame raajaan" i.e. "how can you call a woman inferior who gives birth to kings, saints and great men. The existence of this world is only possible through women". The tenth Sikh Guru who founded the faith on Baisakhi, suffered enormously at the hands of the ruler of those days still proclaimed in his hymn that "maanas ki jaat sabhe eko pahachanbo" i.e. consider all men of all castes and creeds as same". He was master in four languages Saskrit, Punjabi, Persian and Brijbhasha. He edited Sri Guru Granth Sahib (the Holy Book of the Sikhs) and directed all Sikhs to consider this Holy Book as their Guru (Master).

The Holy Granth contains hymns of six Sikh Gurus and thirty saints, the greatest ever till those times. The saints like Kabir, Ravidas, Namdev, Farid, Dharna, Paadu Trilochan included are of different castes, many of them were considered to be of so called low castes.

Baisakhi celebrated on 13th/14th April of every year is also marked as a day of festivities as the crop of wheat and other food grains is ready to be cut and the farmer earns money for the crops grown in his agricultural farms. Thus various programmes are conducted by the Punjabis and Sikhs not only in India but all around the world as the Sikhs are living in large numbers now a days in all corners of the world. Large number of Sikhs are living in U.S., U.K., Canada, Europe and virtually in all Continents. The Sikhsas initiated and instructed by their Master on the Baisakhi of 1699 are doctrines of patriots by heart and serve the country of their birth and living with a sense of pride, duty and devotion.

During the Covid pandemic also the Sikh Community all across the globe served their fellow citizens with langar of food, oxygen, oxygen concentrators, medicines, ventilators and other essentials. Whether they are the Rohingyas or presently the Ukrainians, the Sikhs living in India, U.S., Europe and Asia are on the forefront of service irrespective of caste, colour, creed, nationality or language.

Great Ideals Of Our Great Gurus

The very purpose of all ten sikh gurus was to underline and strengthen the social, cultural, religious and spiritual unity of the Indian nation and society. It was to underline, re-narrate, retell and reemphasize this unity that Guru Gobind Singhji when editing the Holy Guru Granth Sahib included the Vani (hymns) of thirty great saints of various castes, and religions and places of India apart from the hymns of six sikh Gurus. Also the Panj Piyaras who were administered Amrit on the Baisakhi of 1699 were of different regions of India like Lahore, Bidar, Jagannath Puri, Dwarka and Hastinapur. Guru Gobind Singh Ji was born in Patna Sahib (Bihar), created Khalsa in Anandpur Sahib (Punjab), edited and prepared Guru Granth Sahib in Yamunanagar (Haryana) and left for heavenly abode in Nanded (Maharashtra). All Sikh Gurus considered whole of India as their motherland and never hesitated to sacrifice everything including their lives for it. It is the duty of every sikh to serve the very purposes enshrined by all sikh Gurus including Guru Gobind Singh Ji and stand by them strongly and tell loudly and clearly that patriotic blood runs in the veins of every sikh. The Sikhs in India are well placed and they have occupied all the top positions in India right from the President, Prime Minister, Chiefs in Army and Air force. Every Indian of any caste, creed or religion keeps and sees the sikhs in high estimation. On this auspicious day of Vaisakhi, Sikhs should re-dedicate ourselves to the great ideals of our great Gurus.

rajeshsharma1049@gmail.com

**Jasveer Singh, Chairman Advisory Committee Guru Gobind Singh Chair for National Integration & Sikh Studies, Rajasthan University*
**National General Secretary Forum for Awareness of National Security*
**Former Chairman Rajasthan Minorities Commission*

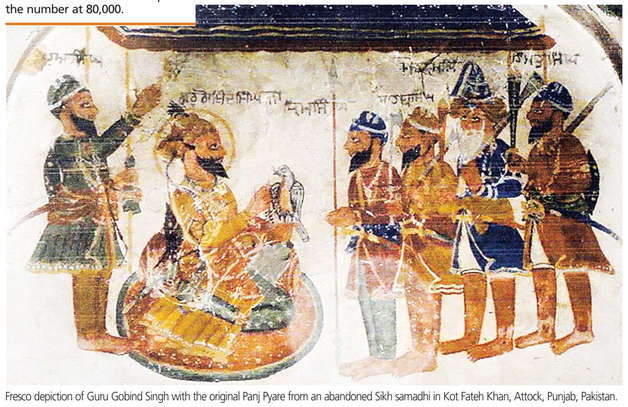

Fresco depiction of Guru Gobind Singh with the original Panj Pyare from an abandoned Sikh samadhi in Kot Fateh Khan, Attock, Punjab, Pakistan.

#PHYSICS

New Laws For The Flow Of Fluids

"We found that sipping through a straw defies all the previously known laws for the resistance or friction of flow through a pipe or tube," says Leif Ristroph

Researchers have uncovered new laws governing the flow of fluids through experiments on a technology that's thousands of years old: a drinking straw.

What they learned could be useful for improving fluid handling in medical and engineering applications.

"We found that sipping through a straw defies all the previously known laws for the resistance or friction of flow through a pipe or tube," says Leif Ristroph, an associate professor at New York University's Courant Institute of Mathematical Sciences and an author of the study in the Journal of Fluid Mechanics.

"This motivated us to search for a new law that could work for any type of fluid moving at any rate through a pipe of any size."

Pipe-Flow Problem

Flows of liquids and gasses through pipes, tubes, and ducts occur in many situations in nature and industry-such as with blood flow and in oil pipelines.

"The pipe-flow problem has always been one of the most basic and important in the study of fluid mechanics, and in many ways the field was developed to address this problem," says Ristroph, director of NYU's Applied Mathematics Laboratory, where the research was conducted.

However, in their work, Ristroph and his colleagues found that all known laws relating pressure and flow rate were accurate only under certain conditions.

To reach this conclusion, they conducted a series of experiments-measurements of flow rate and pressure for metallic pipes of different lengths and diameters using several types of liquid.

The goal was to determine how these factors relate to the frictional resistance of the flow going through the pipe.

"Our data showed that the famous and classical laws for flow friction are only accurate for some combinations of flow speeds and pipe sizes," explains Ristroph. "We mapped out the conditions when the existing laws don't work well, and we found a good example right under our noses: drinking through a straw."

Varied Straws

Drinking straws are thought to have been used as far back as 5,500 years ago in the early Mesopotamian civilization of Sumeria. But the hydrodynamics of their operation was not previously studied.

The researchers expanded their study to include several kinds of straws-a thin coffee stirrer type, a regular soda type, and a wide bubble tea type-and they performed experiments to determine the friction for flow rates that are typical during drinking.

The data on straws and similarly sized pipes did not match any of the known laws, which are named for their discoverers, the scientists Evangelista Torricelli and Jean Léonard Marie Poiseuille, among others.

The researchers found that each classical law failed because it assumes that the pipe is either very short or very long, and that the flow is either very slow or very fast.

The in-between cases, including straws, involve complicated factors such as how the flow changes along the length of the pipe and whether it becomes smooth and laminar or rough and turbulent.

Modeling such effects allowed the team to derive a single mathematical formula, and its predictions matched the experimental measurements for all pipes and straws and for all fluids and flow speeds that were tested.

"A universal formula could be very useful, for example, in understanding and modelling blood flow in the circulatory system," Ristroph observes. "Our veins, arteries, and capillaries are basically pipes with many different diameters, lengths, and flow rates."

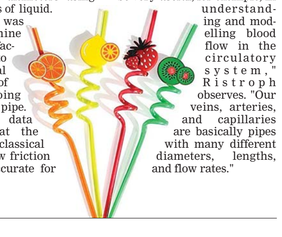

THE WALL

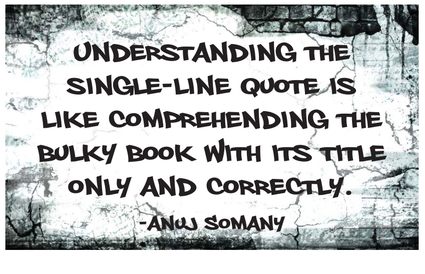

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

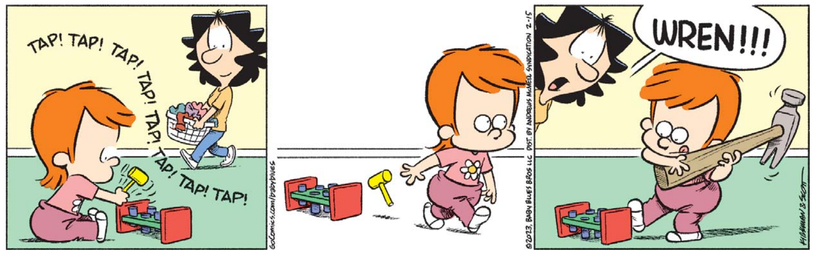

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

सवारियों से भरी बस तलाई में पलटी, एक की मौत, दर्जनों यात्री घायल

बस के कांच तोड़कर यात्रियों को बड़ी मुश्किल से बाहर निकाला

करौली, (निसं)। करौली मंडरायल सड़क मार्ग पर स्थित ससेडी मोड़ के पास करौली की ओर से मंडरायल जा रही सवारियों से भरी बस अकस्मात ससेडी की तलाई मे पलट गई जिसके पलटने से बस में सवार यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। उधर ससेडी मोड़ पर खड़े लोगों ने बस को तलाई में गिरते देख भागकर मौके पर पहुंचे। जिन्होंने बस के कांच तोड़कर बस में से यात्रियों को बड़ी मुश्किल से बाहर निकाला। एक यात्री बस के नीचे तलाई के पानी में दब गया। यात्रियों को लोगों ने बस के शीशो को तोड़कर निकालते समय यात्रियों में चीख-पुकार और घबराहट मची हुई थी। जिनमें एक महिला यात्री गंभीर रूप से घायल थी और दर्जनों महिला, पुरुष यात्री चोटिल हुए घायल महिला को एंबुलेंस के जरिए करौली सामान्य चिकित्सालय में उपचार के लिए पहुंचाया।

पुलिस और प्रशासन को घटना कि सूचना लगते ही मौके पर जिला पुलिस अधीक्षक नारायण टोगस, जिला कलेक्टर अंकित कुमार सिंह, एसपी सुरेश चंद जैफ सहित प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे जहां उन्होंने मौके की घटना को देखकर लोगों के सहयोग से और हाइड्रा, जेसीबी,एलएनटी मशीन के जरिए सिविल डिफेन्स टीम के जवानों की मदद से तलाई में पलटी बस को बड़ी मुश्किल से निकाला। उसी दौरान एक घटना और घटते घटते बची बस को निकालते समय हाइड्रा मशीन पलट गयी।गनीमत यह रही कि कोई हादसा नहीं घटा बस को निकालने के बाद बस के नीचे पानी में दवे एक यात्री को मृत अवस्था में बाहर निकाला जिसको सामान्य चिकित्सालय लाया गया जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर मोर्चरी में रखा जिसकी पहचान विश्राम सिंह पुत्र जोली गुर्जर निवासी नयापुरा जमूरा तहसील मासलपुर 25 के रूप में हुई। गंभीर रूप से घायल हुई महिला लक्ष्मी रावत पत्नी प्रकाश रावव्र 35 निवासी गोनौली हार सबलगढ़ का करौली सामान्य चिकित्सालय में उपचार जारी है।बस हादसे में सवार यात्रियों से बस हादसे की जानकारी लेने पर यात्रियों ने घबराते हुए बताया कि अकस्मात ही बस चालक का संतुलन बिगड़ गया जिससे बस पलट कर तलाई में गिर गई सवार यात्रियों ने बताया कि लोगों ने बस के कांच तोड़कर बड़ी मुसीबतों के साथ बाहर निकाला जानकारी के अनुसार जैसे ही बस का संतुलन बिगड़ा वैसे ही बस चालक गाड़ी में से कूद कर भाग गया

- घायलों को एंबुलेंस के जरिए करौली चिकित्सालय में उपचार के लिए पहुंचाया

उधर क्षेत्रीय विधायक डांग विकास बोर्ड के अध्यक्ष लाखन सिंह कटकड़ ने बस घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों से घटना की पूरी जानकारी लेते हुए घायलों को उचित उपचार की सहायता के निर्देश दिए और घटना की पूरी जानकारी लेते रहे जानकारी के अनुसार बस करौली बस स्टैंड से प्रात: 10:00 बजे के करीब मंडरायल के लिए रवाना हुई जिसमें अधिकांश सवारी मध्य प्रदेश की थी जो कैलादेवी जी के दर्शन कर वापस लौट रही थी बस में चोटिल हुई अधिकांश सवारियों ने अपने मोबाइल खोना बताया कई यात्रियों ने नगदी और सामान भी नहीं मिलना बताया।

करौली के निकट सवारियों से भरी बस के तलाब में गिरने के बाद रेस्क्यू कर निकालते लोग।

पांतली गांव में हुए मर्डर का खुलासा, सात गिरफ्तार

उधारी के एक हजार रुपये नहीं लौटने पर की थी हत्या

डूंगरपुर, (निसं)। जिले के पांतली गांव में शनिवार रात्रि को हुये राजपूत समाज एक व्यक्ति का मर्डर का दोवडा पुलिस ने खुलासा करते हुए सात आरोपियों ने गिरफ्तार कर किया है।

थानाधिकारी हेमंत चौहान ने बताया कि प्रार्थी तखतसिंह पुत्र सूर्यसिंह चुण्डावत ने निवासी पांतली ने लिखित रिपोर्ट देकर बताया कि दो अप्रेल की शाम करीब साढे सात बजे में व उसका भाई विक्रमसिंह पुत्र सूर्यसिंह दोनों भाई मजदूर करने के लिए बाइक से नागेला तरफ जा रहे थे। पंचायत पांतली से आगे पहुंचे थे कि जहां पर रास्ते में गांव के तुफान पुत्र हरीश परमार, राजू उर्फ राजेश पुत्र हुरमा परमार व अन्य 8 लड़कों ने निवासी पांतली गांव के सभी अपने हाथों में लट्ठ व हथियार व लोहे के पाईप लेकर खडे थे। जिन्होंने हमे रोका तथा विक्रमसिंह को कहा कि तूने गांव में बहुत दादागिरी मचा रखी है। यह कहते गाली गलौच करते हुए सभी ने मेरे भाई के साथ लट्ठ, लोहे के पाईप व कोदाली लेकर मारपीट की। इस दौरान तखतसिंह ने बीच बचाव करने गया तो उसके तखतसिंह से भी मारपीट की। जिसपर तखतसिंह दौडकर गांव में तरफ मदद के लिए दौडा।

जिसके बाद तखतसिंह अपने भाई को ढूंढने के लिए पांतली गांव पहुंचे जहां विक्रमसिंह नहीं मिलने पर उसकी तलाशी शुरू की गई थी। निलकंठ महादेव मंदिर तिराह के पास सडक के साईट में लहूलूहान की हालत में पडा मिला। जिसे इलाज के लिए जिला अस्पताल में लेकर पहुंचे जहां डॉक्टरों की टीम ने जांच के बाद विक्रमसिंह को मृत घोषित कर दिया की रिपोर्ट पेश की कानूनी कार्यवाही की मांग की। दोवडा पुलिस ने मृतक के भाई के रिपोर्ट पर विशेष टीम गठित कर आरोपियों का तलाश शुरू कर आरोपी तुफान पुत्र हरीश परमार, पोपट उर्फ हीरालाल पुत्र मानजी परमार, राजेश पुत्र हुरमा परमार, राकेश पुत्र हुरमा डामोर, पंकज पुत्र मगनलाल परमार निलेश पुत्र खेमराज परमार, अनिल पुत्र विजयपाल परमार निवासीयन पांतली फला निचली घरा को गिरफ्तार किया गया।

हत्या का कारण:- दोवडा पुलिस ने बताया कि मृतक विक्रमसिंह ने तुफान पुत्र हरीश परमार को कुछ समय पूर्व 6 हजार रूपए उधार दिए थे। कुछ समय के बाद तुफान ने 5 हजार रूपए वापस लौटा दिए थे व एक हजार रूपए नहीं लौटा रहा था जिस पर दो अप्रेल की शाम को बाकी के एक हजार रूपए के लिए व पुरानी रजिंश को लेकर मृतक विक्रमसिंह व तुफान के बीच गांव के एक दुकान पर झगडा हुआ था।

हादसे में बाल-बाल बचे कार सवार

पावटा, (निसं)। प्रागपुरा थाना क्षेत्र के अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग 48 स्थित पावटा के मुख्य बस स्टैंड पर एक कार चालक को नींद की झपकी आने के कारण कार पावटा के मुख्य बस स्टैंड पर खड़ी गाड़ी से जा टकराई। इस दौरान वह तो क्षतिग्रस्त हो गई। लेकिन गनीमत रही कि चालक सहित कार में सवार बच्चे व महिला बाल-बाल बच गए।

ग्रामीणों व आस पास के दुकानदारों ने दुर्घटना के दौरान हुए तेज धमाके की आवाज सुन घटना स्थल की तरफ दौड़े व कार में सवार बच्चे व महिलाओं को नजदीक के निजी चिकित्सालय में इलाज करवाया। वहीं मौके पर मौजूद लोगों ने घटना की सूचना प्रागपुरा थाने को दी। जिस पर थाना पुलिस मौके पर पहुँची व क्रेन की सहायता से दुर्घटनाग्रस्त वाहन को मौके से हटवाकर यातायात सूचारू करवाया। मौके पर पहुंचे प्रागपुरा थाना ए एस आई कंवर सिंह ने बताया कि कार में सवार लोग खाटूश्याम जी के दर्शन कर वापस अपने घर दिल्ली नोएडा जा रहे थे।

पुलिस की मौजूदगी में मृतक को दफनाया

अलवर, (निसं)। रामगढ़ उपखंड क्षेत्र वनगर पालिका क्षेत्र के डोली बास जय कॉलोनी में शीतला माता मंदिर में कब्रिस्तान की विवादित जमीन पर मृतक के शव को दफनाने को लेकर विवाद की आशंका में भारी पुलिस बल के साथ प्रशासन डोली गांव पहुंचा। दरअसल पूर्व में भी मृतक के शव को दफनाने विवाद उत्पन्न हो गया था। प्रशासन की समझाइश के बाद शव को दफनाया गया था। इसीलिए एसडीएम अमित कुमार वर्मा व तहसीलदार धीरेंद्र कर्दम और डीएसपी देशराज गुर्जर चारों थानों के पुलिस जाब्ता क्यूआरटी टीम के साथ डोली गांव पहुंचे।

मामला यह है कि शीतला माता मंदिर व कब्रिस्तान की विवादित जमीन पर जाने के लिए कोई रास्ता नहीं है इसलिए मृतक के शव जनाजा बस्ती में से होकर खातेदारी खेत में से होकर निकलना पडता है। जब तक मृतक के शव को मिट्टी नहीं दी गई पुलिस चप्पे-चप्पे पर मुस्तैद रही। मृतक छोटे खान पुत्र हसन खान जाति मेव काफी दिनों से बीमार चल रहे थे। कल अचानक उसकी मौत हो गई। उसके शव को दफनाने को लेकर जब प्रशासन के पास सूचना पहुंची तो प्रशासन व भारी पुलिस की मौजूदगी में शांतिप्रिय तरीके से मृतक के शव का जनाजा निकाल कर उसको दफनाया गया। मंदिर की जमीन पर शव दफनाने को लेकर ग्रामीणों ने प्रशासन से वार्तालाप की यदि गांव के लोग इस विवादित जमीन पर लकडियां रख देते हैं तो प्रशासन अतिक्रमण हटाने के लिए पहुंच जाता है लेकिन विवादित जमीन पर प्रशासन की देखरेख में शव को दफनाया जा रहा है यह कौन सा न्याय है कोर्ट ने स्टे दे रखा है तो दोनों पर समान दे रखा है यदि कोई अवहेलना करता है तो प्रशासन को दोनों के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए बल्कि एक पक्ष के समर्थन में भारी पुलिस बल लेकर पहुंचना यह कहां का न्याय है।

बायोलॉजी विषय के अभ्यर्थियों की विचारित सूची जारी

अजमेर, (कासं)। आरपीएससी द्वारा प्राध्यापक (स्कूल शिक्षा) बायोलॉजी विषय के पदों के लिए प्रतियोगी परीक्षा-2022 के तहत पात्रता की जांच के लिए अभ्यर्थियों की विचारित सूची जारी की गई है। अंतिम रूप से सफल अभ्यर्थियों की सूची दस्तावेज सत्यापन के बाद जारी की जाएगी। इस संबंध में विस्तृत सूचना आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है। सचिव एचएल अटल ने बताया कि आयोग द्वारा उक्त पदों पर भर्ती के लिए ग्रुप-ए के प्रथम प्रश्न-पत्र सामान्य ज्ञान एवं सामान्य अध्ययन की परीक्षा का आयोजन 11 अक्टूबर को किया गया था। द्वितीय प्रश्न-पत्र बायोलॉजी विषय की परीक्षा 12 अक्टूबर को आयोजित की गई थी।

करौली-धौलपुर के जंगलों में अब शीघ्र गूंजेगी टाइगरों की दहाड़

करौली, (निसं)। करौली और धौलपुर में पांचवा टाइगर रिजर्व के लिए वन विभाग की टीम ने करौली और धौलपुर का दौरा किया। जानकारी के अनुसार करौली-धौलपुर के जंगलों को जोड़कर राजस्थान का पांचवा टाइगर रिजर्व बनाने के प्रस्ताव को लेकर वन विभाग की टीम और एनसीटीए के अधिकारी करौली दौरे पर पहुंचे। जानकारी के अनुसार वन विभाग के सीसीएफ शेडूराम यादव,एनटीसीए के दौलत राम, डीएफओ संग्राम सिंह कटियार,भरतपुर के पी काथरवेल, डीएफओ सुरेश मिश्रा, डीएफओ रामानंद भाकर, चंबल घड़ियाल अभ्यारण के अनिल यादव, डॉ. सतीश शर्मा की टीम करौली पहुंची जिनके द्वारा नोटिफिकेशन का प्रस्ताव तैयार किया जाना है जिसकी पूरी जानकारी के लिए वन विभाग की उच्च स्तरीय अधिकारियों की टीम पहुंची। जानकारी के अनुसार नोटिफिकेशन का प्रस्ताव तैयार कर सरकार को भेजा जाएगा। वन विभाग के अधिकारियों से हुई वार्ता के अनुसार उन्होंने बताया कि नोटिफिकेशन का प्रस्ताव तैयार कर सरकार को भेजेंगे तब जाकर सरकार विचार विमर्श कर नोटिफिकेशन जारी करेगी।

लूटपाट करने वाला मुख्य आरोपी बापर्दा गिरफ्तार

डूंगरपुर, (निसं)। जिले के सदर पुलिस ने राहगीरों कर लूटपाट करने वाले मुख्य आरोपी बापर्दा गिरफ्तार किया है। थानाधिकारी मदनलाल ने बताया कि प्रार्थी हितेश पुत्र लालशंकर साद निवासी ने कनबा ने थाने में लिखित रिपोर्ट देकर बताया कि 27 फरवरी को हितेश और उसका मित्र रमेश पुत्र कचरा प्रजापत व कमलेश पुत्र वैला पाटीदार निवासी कनबा गडमाला तीनों डूंगरपुर से हितेश की पत्नी स्नेहा व साढे चार साल के बेटे को लेने राजपुर गए थे।

शाम को साढे सात बजे कनबा घर जाने के लिए निकले राजपूर ढाला उतरते ही सडक पर बाइक आडी लगा कर चार व्यक्तियों ने खडे थे। जिसमें लोकेश उर्फ लंकेश, सावन पुत्र नाथूलाल यादव सहित अन्य दो लूट करने के इरादे से हितेश की कार रोकने का प्रयास किया। नहीं रोकने पर बदमाशों ने कार पर पत्थर मारना शुरू कर दिया। जिसमे एक दो पत्थर गाडी पर लगे। जिसे कांच टूट गया और आरोपियों के द्वारा गाली गलौच कर जबरन झगडा करने की कोशिश की और कार के डेस बोर्ड में रखे सात से आठ हजार रूपए ले गए। पत्थराव के दौरान साढे चार के बच्चे को भी कांच के टुकडे आकर गिरने बच्चा भी घायल हो गया की रिपोर्ट पेश की। सदर पुलिस ने विशेष टीम के द्वारा पूर्व में वांछित आरोपी लोकेश उर्फ लंकेश पुत्र बाबूलाल कटारा निवासी मांडवा खापरडा, सावन पुत्र नाथूलाल यादव निवासी राजपुर एक अन्य को बार्पदा गिरफ्तार किया जाकर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया था तथा प्रकारण में वांछित मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया जाकर बापर्दा रखा गया।

- झगड़ा करने की कोशिश की और कार के डेस बोर्ड में रखे सात से आठ हजार रूपए ले गए थे

दुष्कर्म मामले में तीन गिरफ्तार

नदबई, (निसं)। जिले के नदबई ग्रामीण क्षेत्र में करीब एक पखवाड़े पहले बहला-फुसलाकर किशोरी का अपहरण कर सामूहिक दुष्कर्म करने के मामलें में नदबई पुलिस सीओ नीतिराज सिंह के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया।

जानकारी के अनुसार पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में पेश किया। जहां से तीनों आरोपियों को जेल भेज दिया गया। पुलिस सूत्रों के अनुसार 28 मार्च को ग्रामीण क्षेत्र निवासी एक किशोरी का आरोपियों ने बहला फुसलाकर अपहरण करते हुए सामूहिक दुष्कर्म किया। पीडित किशोरी के पिता ने पुलिस में मामला दर्ज कराया।

बाद में पुलिस ने जांच पडताल करते हुए किशोरी को दस्तयाब किया। साथ ही विश्वेन्द्र सिंह व राहुल खटीक सहित अनिल खटीक को गिरफ्तार किया। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में पेश किया। जहां से आरोपियों को जेल भेज दिया गया।

रास्ते के विवाद को लेकर हिन्दू संगठनों ने किया प्रदर्शन

जालोर, (कासं)। जालोर में बुधवार को बागोडा रोड़ पर स्थित कब्रिस्तान के अंदर से जा रहे रास्तों को बंद करने की कोशिश करने पर हिन्दू संगठनों के लोगों ने कलैक्ट्रेट के समक्ष विरोध प्रदर्शन किया। विधायक जोगेश्वर गर्ग के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं व हिन्दू संगठनों द्वारा कलैक्ट्रेट पर विरोध प्रदर्शन करने पर मुस्लिम समाज ने विधायक गर्ग पर जालोर का माहौल खराब करने का आरोप लगाया। वहीं रास्ते के विवाद को लेकर सिरे मंदिर धाम के पीर गंगानाथ महाराज ने मुस्लिम व हिन्दू संगठनों की बैठक लेकर विवाद सुलझाने का आश्वासन दिया है। वहीं मुस्लिम समाज ने भी रास्ता बंद नहीं करने की बात मानी है। इसके बावजूद बुधवार को विरोध प्रदर्शन करने किया गया। वहीं जिला कलैक्टर को 17 अप्रैल तक उक्त विवाद सुलझाने का अल्टीमेट देने पर धरना समाप्त किया।

- मुस्लिम समाज ने लगाया विधायक पर माहौल खराब करने का आरोप

जालोर शहर के बागोड़ा रोड़ पर ईदगाह व कब्रिस्तान की भूमि वक्फ सम्पति है तथा उक्त सम्पति से रास्ता कई वर्षो से आगे मंदिर व कई गांव ढाणी के लिए जाता है। पिछले कुछ दिनो से मुस्लिम समाज को वक्फ बोर्ड द्वारा उक्त रास्ते पर गेट लगाने का आदेश मिलने पर उक्त रास्ते से आवागमन करने वाले लोगो ने उक्त रास्ता बंद नही करने को लेकर जिला कलैक्टर को ज्ञापन सौंपा। इसके बाद मुस्लिम समाज व हिन्दु संगठन व उक्त रास्ते से आवागमन करने वाले लोगों के बीच सिरे मंदिर धाम के पीर गंगानाथ महाराज के सानिध्य में बैठक आयोजित हुई थी तथा गंगानाथ महाराज ने उक्त रास्ते का विवाद आपस में बैठकर हल करने का आश्वासन दिया। जिसके बाद मुस्लिम समाज ने गेट नहीं लगाया।

बुधवार को गेट लगाने का मामला फिर गरमाने लगे। शहर के धुणिया मठ से शहर के विभिन्न मार्गो से होते हुए बड़ी संख्या में विधायक जोगेश्वर गर्ग के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ता व हिन्दु संगठन के लोग कलैक्ट्रेट पहुंचे। कलेक्ट्रेट के समक्ष कई वक्ताओं ने सम्बोधित किया।

इसके बाद जिला कलैक्टर को ज्ञापन सौपने कलैक्ट्रेट कार्यालय पहुंचे। कलैक्टर को ज्ञापन बाहर आकर लेने की जिद्द पर कार्यकर्ता अड गये। जिला कलैक्टर ने भी ज्ञापन ऑफिस में आकर देने की बात कही। ज्ञापन लेने एडीएम राजेन्द्र प्रसाद अग्रवाल आये लेकिन उन्हें ज्ञापन नहीं दिया। धरना प्रदर्शन कर रहे लोगों ने गेट नहीं हटने पर गुरूवार को गुरूवार को जालोर बंद का आव्हान कर दिया।

विधायक ने कहा कि शहर के गिटको होटल के पास कब्रिस्तान के बीच में से करीब कई वर्षो से एक रास्ता गुजरता है। जो आगे खेतों और कई गांवों को भी जोड़ता है। इस रास्ते को विशेष समुदाय के लोगो द्वारा दीवार बनाकर गेट लगाकर बंद किया जा रहा हैं जिससे इस रास्ते पर आने वालों लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ेगा।

वहीं धरना प्रदर्शन में बीजेपी कार्यकर्ता परमवीर को धरपकड अभियान में गिरफ्तार करने के बाद सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश करने तथा उक्त आरोपी को न्यायालय में नही पेश करने का पुलिस पर भेदभाव पर आरोप लगाया। वहीं इसके बाद भाजपा कार्यकर्ता को भी रिहा कर दिया। वहीं जिला कलैक्टर ने निष्पक्ष जांच का आश्वासन देने पर धरना समाप्त किया।

किसान अनशन पर बैठे

आसीन्द, (निसं)। नेशनल हाईवे 158 पर ब्राह्मणों की सरेड़ी में किसानों के मुआवजे की मांग काफी समय से चल रही है। पर प्रशासन की अनदेखी के चलते किसानों की परेशानी बढ़ती जा रही है जबकि रोड़ का निर्माण पूरा होने आया है। पर अब तक मुआवजा नहीं मिला है इससे परेशान होकर आज अनशन पर बैठे गये थे। विधायक जब्बर सिंह सांखला को अनशन की सुचना मिलने पर ब्राह्मणों की सरेड़ी किसानों के पास पहुंचे और विधायक ने कहां कि किसानों की मांग का समर्थन किया व अधिकारी को मौके पर आने को कहा। देर शाम तक अनशन जारी रहा।

अनशन पर विजय लक्ष्मी देवी सारस्वत, सुमित्रा देवी, सरस्वती देवी जोशी, धीरज, रामप्रसाद सारस्वत, महावीर जोशी, लादु लाल सारस्वत, सुरेश जोशी, जगदीश जोशी, रामस्वरूप जोशी, भंवर जोशी, आदि बैठे। समर्थक में सरेड़ी मंडल महामंत्री पवन कुमार, नरेन्द्र, सरपंच अविनाश, उपसरपंच मुकेश, युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष विष्णु , देवकीनंदन आदि पहुंचे।

बारिश और ओलावृष्टि ने किसानों की बढ़ाई चिंता

अनूपगढ़, (निसं)। अनूपगढ सहित आसपास के गांवों में तेज हवाओं के साथ बरसात और ओलावृष्टि हुई। जिसके कारण खेतों में खड़ी फसल खराब हो गई है। किसानों ने बताया कि खेतों में खड़ी गेहूं की फसल का नुकसान लगभग 30 से 40 प्रतिशत हुआ है। वहीं कटाई की गई सरसों की फसल का नुकसान 15 से 20 प्रतिशत हुआ है। इसकी सूचना किसानों ने कृषि विभाग के अधिकारियों को दी। कृषि विभाग के सहायक निदेशक रामनिवास चौधरी ने बताया कि किसानों से सूचना मिली है जिन गांवों में ओलावृष्टि के कारण फसल खराब हुई है वहां टीमों को भेजकर सर्वे करवाया जाएगा। सहायक निदेशक ने किसानों से अपील की है कि खराब फसल की सूचना 72 घंटों में किसान प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत बीमा कंपनी को भी दे।

ग्राम पंचायत रोजड़ी के किसानों ने बताया कि ओलावृष्टि के कारण खेतों में खड़ी गेहूं की फसल की बालियां टूट गई है और वही सरसों की फसल की कटाई की गई थी ओलावृष्टि और बरसात के कारण सरसों की फसल में भी नुकसान हुआ है। गांव 2 एमजीएम,3 एमजीएम,1 के एच एम,3 के एच एम,10 आरजेडी,1 आर जे एम,2 आर जे एम,3 आर जे एम,5 केडब्यूएम,10 आर जे एम गांव में तेज हवा और बरसात के साथ ओलावृष्टि हुई है। किसानों ने इसकी सूचना कृषि विभाग के अधिकारियों को दी। अधिकारियों ने किसानों को आश्वस्त किया है कि शीघ्र ही टीमों का गठन कर खराब फसल का सर्वे करवाया जाएगा।

- 30 से 40 प्रतिशत फसलों को हुआ नुकसान
- 'टीमों को भेज कर कराया जाएगा सर्वे'

कृषि विभाग के सहायक निदेशक रामनिवास चौधरी ने बताया कि किसानों से उन्हें सूचना मिले कि ओलावृष्टि के कारण खेतों में खड़ी फसल का नुकसान हुआ है। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में हुई ओलावृष्टि के कारण खराब हुई फसलों के सर्वे के लिए टीमों का गठन कर मौके पर भेजा जाएगा और खराब फसलों का सर्वे करवाया जाएगा। उन्होंने किसानों से अपील की है कि जिन किसानों की फसल का ओलावृष्टि के कारण नुकसान हुआ है वह किसान प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत बीमा कंपनी में अपनी शिकायत 72 घंटों में टोल फ्री नम्बर पर दर्ज करवाएं। सहायक निदेशक रामनिवास चौधरी ने बताया कि अगर शिकायत दर्ज नहीं हो पाती है तो किसान बीमा कंपनी के एजेंट या फिर कृषि पर्यवेक्षक को शिकायत लिखित में दे सकता है।

बालोतरा में क्रिक्रेट पर सट्टे का कारोबार चरम पर, पुलिस मौन

कई घर इस सट्टे के कारण तबाह हो चुके हैं और कई उजड़ने की कगार पर

बालोतरा, (निसं)। बालोतरा शहर में क्रिकेट पर सट्टे का कारोबार चरम सीमा है। कई घर अब तक इस सट्टे के कारण तबाह हो चुके हैं और कई उजडने की कगार पर हैं। चंद सैकेंड में अमीर बनने की लालसा में अंधे होकर लोग इस सट्टे रूपी जुए के खेल को खेलते हैं। इस धंधे से जुडे लोग कई गरीबों के घर उजाडने में अपनी अहम भूमिका निभा चुके हैं। ये लोगों को रातोंरात अमीर होने का सब्जबाग दिखाते हैं और उनसे 1 से 10 तक किसी भी एक अक्षर पर सट्टा लगाने को कहते हैं। रातोंरात अमीर बनने की चाह में लोग अपनी मेहनत की कमाई सट्टे में लगाकर अपना सब कुछ बर्बाद कर बैठते हैं। जिला में पुलिस की सख्ती से कार्रवाई के अभाव में बालोतरा शहर पूरे प्रदेश में फलौदी के बार दूसरे स्थान पर है। शहर पुलिस की और से कभी कभार उच्चाधिकारियों के पास शिकायत पहुंचने या सूचना मिलने के बाद की जा रही कार्रवाई से सटोरियों में कोई भय नहीं है।

सूत्रों के अनुसार बालोतरा में सटटे का कारोबार फलीफूत होने की बड़ी वजह पड़ताल करने पर सामने आई है कि बालोतरा पुलिस के कुछ जवान बिना वर्दीधारी, जो सट्टे के कारोबारियों से संपर्क में रहते हैं और जब भी पुलिस को सट्टे की सूचना मिलती है तो वो उन्हें सावचेत कर देते हैं। ऐसे में इस कारोबार को रोकना पुलिस के लिए भी टेढी खीर साबित हो रहा है।

क्रिकेट पर सट्टा खेलाने वालों को इस कारोबार में बुकी कहा जाता है। बालोतरा शहर में इस सट्टे के कारोबार से जुड़े करीब 50 से 60 बड़े बुकी है। वहीं छोटे कारोबारियों की गिनती भी नहीं की जा सकती है। इन बुकियों के अपने ठिकाने भी फिक्स कर रखे हैं, जहां मैच के शुरु होते जमघट शुरू हो जाती है। बालोतरा पुलिस की ओर से पिछले छह माह में सट्के खिलाफ की कार्रवाई के आंकडों को देखा जाए तो महज दो या तीन कार्यवाई ही की गई है। ऐसे में शहर में संचालित सट्टे का कारोबार करने वाले सटोरियों के हौसलें बुंलद है। जबकि सट्टे से जड़े जो लोग बर्बाद हो चुके हैं, उनके परिवारजनों की ओर से लगातार शिकायतें व इसकी सूचना भी पुलिस को दी जा रही है।

- एडिशनल एसपी ने बताया कि पुलिस को सूचना मिलते ही कार्रवाई करेंगे

स्कूल से लेकर कॉलेज के छात्र भी पीछे नहीं:- पुलिस की ओर से की गई पिछली कार्रवाईयों में कई युवा, जिनमें स्कूली व कॉलेज छात्र भी इस कारोबार में लिप्त मिले। पढ़ाई छोड़कर छात्र भी इस गेम में अपना भाग्य आजमाने लग पडे हैं। सट्टा माफिया इनका जीवन बर्बाद करने में आगे ही है। वह भी स्कूली छात्रों को पर्ची लगाने से इंकार करने की बजाय उनको इस खेल में फायदे बता रहा है।

कैसे चलता है कारोबार:- सट्टे लगाने के लिए युवाओं को अमानत राशि के रूप में सट्टा खिला रहे लोगों के पास पैसे जमा करने होते है। जमा पैसों के हिसाब से फोन पर हार जीत के दांव बुक किए जाते है। बाजार में टीम की जीत व हार के साथ हर वॉल के लिए दरें खोली जाती है। दरों के हिसाब से ही हार जीत पर दांव लगाने वाले को भुगतान किया जाता है।

पत्रकार के सवाल पर थाना अधिकारी आए तू तडाक पर :- बालोतरा में एक पत्रकार द्वारा व्हाट्सएप ग्रुप में खबर प्रसारित कर पुलिस से सवाल पूछा गया कि देश में आईपीएल चल रहे हैं और सट्टा कारोबार अपनी चरम सीमा पर है तो भी बालोतरा पुलिस द्वारा सटोरियों को गिरफ्तार क्यों नहीं किया जा रहा है क्यों कार्यवाही नहीं की जाती है।

इस पर बालोतरा के एसएचओ उगमराज सोनी (सीआई) इस तरह जनहित में पूछे गए सवाल पर भडक उठे और पत्रकार के सवाल को बकवास बता कर पत्रकार को ही उल्टा फर्जी करार दे दिया। इस मामले पर अन्य पत्रकारों ने भी एसएचओ को आडे हाथ लिया और अधिकारी को एक जिम्मेदार और संवैधानिक पद पर होते हुए भी भाषा की मर्यादा नही रखने और ओछी भाषा का प्रयोग करने पर खरी खोटी सुनाई।

व्यापारी रमेश ने बताया कि सट्टा और गेम से युवा पीढी बर्बाद हो रही है। उसको लेकर बालोतरा पुलिस प्रशासन द्वारा छोटी-बड़ी कार्यवाही कर रहे।

एडिशनल एसपी ने बताया कि पुलिस को सूचना मिलते ही कार्रवाई करेंगे। मीडिया के प्रति थानाधिकारी सोशल मीडिया पर गलत बोल रहे हैं तो गलत है मैं उनसे बात करता हूं।

शिक्षिका को टक्कर मारकर हत्या करने का आरोपी गिरफ्तार

टोडाभीम, (निसं)। जिले में पुलिस अधीक्षक नारायण टोगस के निर्देशन में आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण एवं वांछित अपराधियों की धरपकड़ के लिए चलाए गए अभियान के अंतर्गत एक शिक्षिका की स्कार्पियो से गाड़ी से टक्कर मारकर हत्या करने के आरोप में ओहरण चल रहे पांच हजार के इनामी बदमाश को गिरफ्तार किया गया हैं।

थानाधिकारी बृजेश कुमार मीना ने बताया कि 2018 में ग्राम पंचायत के राजकीय माध्यमिक विधालय में कार्यरत शिक्षिका नीतू गुर्जर को शाम करीब पांच बजे बाद विधालय से अपने घर लौटते समय नांगललाट व मंडेरु मोड़ के बीच मोटरसाईकिल को पीछे से एक स्कार्पियों में सवार दो अज्ञात युवकों के द्वारा टक्कर मार देने से शिक्षिका गंभीर रो से घायल हो गई थी। घायल शिक्षिका नीतू गुर्जर की जयपुर में उपचार के दौरान मौत हो गई थी। शिक्षिका की स्कॉर्पियो गाड़ी से टक्कर मारकर हत्या करने के मामले में फरार चल रहे पांच हजार रुपए के इनामी बदमाश मुकेश पुत्र छीतरमल निवासी झिरी थाना प्रतापगढ जिला अलवर को गिरफ्तार किया गया।

थानाधिकारी बृजेश कुमार मीना ने बताया कि आरोपी की गिरफ्तारी के लिए मेरे स्वयं के निर्देशन में गठित की गई टीम में कांस्टेबल मुकेश मीना, महेश कुमार, महेश के द्वारा व्याख्याता नीतू गुर्जर की हत्या के आरोप में फरार चल रहे पांच हजार रुपये के इनामी बदमाश मुकेश राणा के9 गिरफ्तार कर उससे अन्य आरोपियों के बारे में कड़ी पूछताछ की जा रही हैं।

पांच सटोरियों को दबोचा

चूरू, (कासं)। चूरू जिले में पुलिस ने आईपीएल किक्रेट मैच पर सट्टा करते 5 सटोरियों को दबोचा है। यहां जिला पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार मीणा ने बताया कि राजेन्द्र कुमार मीणा आरपीएस अति. पुलिस अधीक्षक चूरू एवं राजेन्द्र कुमार बुरडक वृताधिकारी वृत चूरू के निकटतम सुपरविजन एवं मदनलाल पुनि थानाधिकारी पुलिस थाना कोतवाली के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा पिछली रात्रि को मोचीवाडा कस्बा चूरू में दिल्ली कैपिटलस बनाम गुजरात टाईटन्स आई.पी.एल. क्रिकेट मैच के दौरान सट्टा करते जयप्रकाश सरोठिया पुत्र पवन कुमार, जतेन्द्र सरोठिया पुत्र रामवतार और अमित गोयनका पुत्र ओमप्रकाश गोयनका को गिरफ्तार किया है।

मुस्लिम समाज ने राज्य मंत्री डॉ. सुभाष गर्ग की रोजा इफ्तार पार्टी की दावत लेने से इंकार किया

जवाहर नगर राजेन्द्र नगर स्थित कब्रिस्तान की भूमि के विवाद को लेकर नाराज चल रहा है मुस्लिम समाज

भरतपुर, (निसं)। बुधवार को राजस्थान सरकार के राज्य मंत्री सुभाष गर्ग की ओर से आरएलडी पार्टी के माध्यम से कुम्हेर गेट स्थित ईदगाह मस्जिद में रखी गई रोजा इफ्तार पार्टी को मुस्लिम समाज ने कब्रिस्तान की भूमि के प्रकरण को लेकर दावत लेने से इनकार कर दावत का बहिष्कार कर दावत के सामान को वापस भिजवा दिया गया।

कब्रिस्तान बचाओ संघर्ष समिति भरतपुर ने स्थानीय मुस्लिम समाज की भावनाओं को दृष्टिगत रखते हुए मंत्री की इस रोजा इफ्तार पार्टी बहिष्कार किया गया है। बुधवार को प्रात: राष्ट्रीय लोक दल पार्टी के कार्यकर्ताओं के द्वारा ईदगाह कुम्हेर गेट मस्जिद में रोजा इफ्तार पार्टी का सामान फल इत्यादि पहुंचा दिए गए थे। जैसे ही समाचार पत्रों के माध्यम से मुस्लिम समाज को पता पड़ा कि यह दावत राजस्थान सरकार के राज्य मंत्री की ओर से दी जा रही है।

वैसे ही मुस्लिम समाज एकत्रित हो गया और आरएलडी के कार्यकर्ताओं को बुलाकर मस्जिद में रखे गए दावत के सामान को यह कहते हुए वापस कर दिया कि जब तक कब्रिस्तान की भूमि नहीं तब तक

मुस्लिम समाज ने राज्यमंत्री गर्ग की ओर से रखी गई रोजा इफ्तार दावत को लेने से इनकार किया।

रोजा इफ्तार की दावत नहीं, संघर्ष समिति के संयोजक हाजी गुल्लू खान सचिव हाजी असलम खान सहित सैकड़ों उपस्थित मुस्लिम समाज के लोगों ने आरएलडीके कार्यकर्ताओं से स्पष्ट कहा कि आपकी पार्टी का विरोध नहीं कर रहे हैं। लेकिन आपके पार्टी के जनप्रतिनिधि की ओर से यह रोजा इफ्तार पार्टी रखी गई है। इस दावत को मुस्लिम समाज लेना नहीं चाहता। जब तक कि कब्रिस्तान की जमीन को वापस राजस्व रिकॉर्ड में कब्रिस्तान दर्ज नहीं कर दिया जाता है।

संघर्ष समिति ने आरएलडी कार्यकर्ताओं को विनम्रता के साथ दावत का सामान वापस ले जाने का अनुरोध किया गया कि कोई भी मुस्लिम समाज इस दावत के सामान को ग्रहण नहीं करेगा। मुस्लिम समाज के युवकों ने दावत के सामान को पार्टी के कार्यकर्ताओं की गाड़ियों में वापस रख दिया गया और शहर की प्रत्येक मस्जिद पर बैनर लगवा कर बहिष्कार की सूचना बतौर नारा दिया गया कि जब तक कब्रिस्तान की भूमि नहीं तब तक रोजा इफ्तार की दावत नहीं। जवाहर नगर डिस्ट्रिक्ट कब्रिस्तान की भूमि को लेकर मुस्लिम समाज में शासन प्रशासन के विरुद्ध गहरा आक्रोश व्याप्त है जो आंदोलन जब तक जारी रहेगा जब तक हकिब्रिस्तान की भूमि वापस कब्रिस्तान के रूप में दर्ज नहीं हो जाती।

इस मौके पर रहीश कुरेशी, रहीस मिस्त्री, सलीम पार्षद, घोसी, सुलतान, जहीर खां, अयुब, कादिर, मो असलम, अकरम, यूनुश खां, मुस्ताक खां, साबिर, महबूब खां, अध्यक्ष मुबारक, रहीस पहलवान, फरीद खां अब्बासी, नदीम आदि मुस्लिम समाज के सैकड़ों की तादाद में उपस्थित लोगों ने इफ्तार दावत का विरोध प्रकट किया।

अजमेर संभागीय आयुक्त का रीडर 95 हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार

अपील का फैसला परिवादी के पक्ष में करने के लिए एक लाख की रिश्वत मांगी थी

अजमेर, (कासं)। अजमेर एसीबी की टीम ने बुधवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए अजमेर संभागीय आयुक्त बीएल मेहरा के सहायक प्रशासनिक अधिकारी कम रीडर याकूब बख्श को 95000 की रिश्वत के साथ रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

एसीबी के उप अधीक्षक राकेश वर्मा ने बताया कि अलीगढ़ के भू अभिलेख ने अजमेर एसीबी की स्पेशल टीम को बताया कि उनियारा एसडीएम

■ **आरोपी याकूब के अन्य ठिकानों पर भी दबिश दी**

द्वारा उन्हें 17 सीसी का नोटिस जारी किया था उसमें उसे एक साल की सजा दे दी गई। सजा के विरुद्ध परिवादी ने अजमेर संभागीय आयुक्त के पास अपील की हुई थी जिसमें अपील का फैसला परिवादी के पक्ष में करने के लिए संभागीय आयुक्त के रीडर याकूब बख्श ने एक लाख की रिश्वत की मांग की थी जिसका एसीबी द्वारा वेरिफिकेशन करवाया गया। वेरिफिकेशन के दौरान याकूब बख्श ने परिवादी से 5000 ले लिए बाकी 95000 बुधवार को दिए जा रहे थे। इस दौरान एसीबी ने याकूब बख्श को 95000 के साथ रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया है। रिश्वत की राशि भी एसीबी ने बरामद कर ली है मामले की जांच जारी है। साथ ही आरोपी याकूब बख्श के अन्य ठिकानों पर भी दबिश दी जा रही है।

अजमेर एसीबी की टीम ने रीडर को गिरफ्तार किया।

एसीबी के उप अधीक्षक राकेश वर्मा ने बताया कि एसीबी निरीक्षक कंचन भाटी के नेतृत्व में आरोपी याकूब बख्श के अजमेर स्थित आवास की भी तलाशी ली गई। तलाशी में 16 लाख 15 हजार नगद एवं 4 भूखंडों के दस्तावेज मिले हैं जिनमें से 2 भूखंड जयपुर व दों भूखंड अजमेर में होना पाया गया है। पूरे मामले में जांच की जा रही है।

हमले का आरोपी गिरफ्तार

निवाई, (निसं)। जमीन विवाद को लेकर गत साल दत्तवास थाना क्षेत्र की छापरिया की ढाणी चुराडा में लाठियों आदि से किए गए हमले के आरोपी को पुलिस ने सवाई माधोपुर जिले से गिरफ्तार किया है। दत्तवास थाना प्रभारी रोडूराम ने बताया कि करीब छह माह पहले दत्तवास क्षेत्र की छापरिया की ढाणी चुराडा में चचेरे भाइयों के परिवारों में जमीन विवाद को लेकर झगड़ा हो गया। इसमें एक पक्ष ने पीड़िता प्रेमदेवी गुर्जर व परिवार पर जानलेवा हमला कर दिया। इसकी रिपोर्ट फरियादिया प्रेमदेवी ने 19 सितंबर 2022 को थाने में दर्ज कराई थी। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरु की थी। इसमे मंगलवार की रात पांचवें आरोपी उसी गांव के रहने वाले दिनेश उर्फ बसंतराम गुर्जर को सवाई माधोपुर जिले के मलारना डूंगर थाना क्षेत्र के बालोली से गिरफ्तार कर लिया।

पूर्व विधायक रणवीर पहलवान ने अनशन तोड़ा

मालपुरा, (निसं)। मालपुरा को जिला बनाये जाने की मांग को लेकर गैर राजनैतिक मंच जिला बनाओ कोर कमेटी की ओर से चलाये जा रहे जनआंदोलन को उग्र रूप देने का ऐलान करते हुए बुधवार को कोर कमेटी सहित सर्व समाज व छत्तीस कोम की समझाईश व आग्रह पर आठ दिन से आमरण अनशन पर बैठे पूर्व विधायक रणवीर पहलवान ने अपने साथ अनशन पर बैठे शिवदयाल जाट, जीतु जाट ने अपना अनशन तोड़ 16 अप्रेल को मालपुरा में महापंचायत करने का ऐलान कर दिया।

16 दिनों से एसडीएम आवास के सामने आमरण अनशन पर बैठे युवक स्वप्निल भडाणा, प्रधान जाट हिन्दू, कमलेश सैना के स्वास्थ्य में आई भारी गिरावट के बाद तीनों युवकों ने अस्पताल में चिकित्सकों की सलाह पर एसडीएम महिपाल सिंह, एएसपी राकेश कुमार बैरवा, डीवाईएसपी सुशील मान के हाथों से ज्यूस पी स्वयं अनशन समाप्त कर कोर कमेटी द्वारा चलाये जा रहे आंदोलन को जारी रखने में भागीदार निभाने का आव्हान किया। आठ दिन से अनशन पर बैठे पूर्व विधायक रणवीर पहलवान ने अनशन तोडे जाने के साथ ही प्रदेश की कांग्रेस सरकार को जमकर आड़े हाथ लिया। बुधवार को माली समाज के सैंकडों महिला-पुरूषों ने रैली व प्रदर्शन करते हुए मालपुरा को जिला बनाने की मांग को लेकर सीएम के नाम एसडीएम को ज्ञापन सौंपा। गुरूवार को सर्व ब्राह्मण समाज द्वारा डाक बंगले से न्यायालय परिसर तक पैदल मार्च कर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा जायेगा।

जिला बनाने की मांग, धरना जारी

रतनगढ़, (निसं)। रतनगढ़ को जिला बनाने की मांग को लेकर रतनगढ़ जिला बनाओ आंदोलन समिति की ओर से गढ़ परिसर के आगे दिया जा रहा धरना दूसरे दिन भी जारी रहा। धरने की अगुवाई कर रही डॉक्टर संजू बाला शर्मा ने कहा कि 3 दिन का अल्टीमेटम दिया हुआ है 3 दिन में कोई आश्वासन नही मिलता है तो धरना आगे भी जारी रहेगा। बुधवार को धरने को अखिल भारत हिंदू युवा मोर्चा, आर्यवर्त सेना, रतनगढ़ नागरिक परिषद, अभिभाषक संघ रतनगढ़, निजी निजी शिक्षण संस्थान संघ ने समर्थन दिया। धरने पर विनोद प्रजापति सरिता पडिहार, भंवरी देवी ,पवन महर्षि, संतोष बबेरवाल, सुशीला इंदौरिया, विमला देवी नाथ, शारदा प्रजापत, विजय नायक, नंदकिशोर कंदोई, सुधीर शर्मा, निर्मल भुढाढरा, हनुमान सोनी, गोपीकृष्ण बघेलेवाला, नरेन्द्र पंसारी, मदन स्वामी आदि बैठे थे।

बार एसोसिएशन ने की अभियुक्त की पैरवी न करने की अपील

नौ वर्षिय बालिका के साथ दुष्कर्म के बाद हत्या करने का मामला

बार एसोसिएशन उदयपुर एवं विधि प्रकोष्ठ शहर व देहात ने धरना-प्रदर्शन किया।

उदयपुर, (निसं)। मावली में 9 वर्षीय पीड़िता के साथ बलात्कार व उसके 10 टुकड़े कर हत्या कर दिए जाने के विरोध में बुधवार को बार एसोसिएशन उदयपुर एवं विधि प्रकोष्ठ शहर व देहात की ओर से जिला न्यायालय मुख्यालय पर धरना प्रदर्शन किया गया। इस दौरान दोनों संगठनों के कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों ने नारेबाजी की और विलंब हत्यारे को फांसी की सजा देने की मांग की।

बार एसोसिएशन उदयपुर के महासचिव शिव कुमार उपाध्याय ने बताया कि बार एसोसिएशन अध्यक्ष

■ **अभियुक्त को सजा देने की मांग पर धरना एवं प्रदर्शन**

राकेश मोगरा एवं विधि प्रकोष्ठ शहर जिला अध्यक्ष महेंद्र नागदा एवं देहात जिला अध्यक्ष विजय ओसवाल के निर्देशन में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता व पदाधिकारी जिला न्यायालय परिसर में एकत्रित हुए और नारेबाजी करते हुए मुख्य द्वार पर पहुंचे यहां पर भारतीय जनता पार्टी के महामंत्री श्रीमती किरण जैन व गजपाल सिंह एवं मीडिया प्रभारी चंचल अग्रवाल सहित भारतीय जनता पार्टी के कई कार्यकर्ताओं ने भी धरना प्रदर्शन में भाग लिया। बाहर अध्यक्ष राकेश मोगरा ने बताया कि इस नृशंस हत्याकांड के विरोध में उन्होंने सभी अधिवक्ताओं से इस मामले में अभियुक्त की पैरवी नहीं करने का आग्रह किया है। विधि प्रकोष्ठ के शहर जिलाध्यक्ष महेंद्र नागदा ने बताया कि उन्होंने जिला पुलिस अधीक्षक से मांग की है कि इस प्रकरण को संवेदनशील मानकर ऑफिसर स्कीम में लेकर आगामी 10 दिन में अभियुक्त के विरुद्ध चालान पेश करने और अभी को सजा दिलाने की मांग की है।

जांच कमेटी पहुंची मावली

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर जिले के मावली थाना क्षेत्र में 9 वर्षीय बालिका के साथ घटित घटना के सभी पहलुओं की गहन जांच के लिए राजस्थान राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग द्वारा गठित जांच कमेटी के सदस्यों ने मावली पहुंचकर पीड़ित परिवारजनों से मुलाकात की। कमेटी में राजस्थान राज्य बाल आयोग के सदस्य राजीव मेघवाल व बाल अधिकारिता विभाग की सहायक निदेशक मीना शर्मा ने घटना की पूर्ण जानकारी ली।

इस अवसर पर पीड़ित परिवार द्वारा कुछ मांगों का एक पत्र भी बाल आयोग के सदस्य मेघवाल को सौंपा गया। इस पर मेघवाल ने पीड़ित परिवार को ऐसे जघन्य अपराध को अंजाम देने वाले अपराधी को जल्द से जल्द कठोर सजा दिलाने का आश्वासन दिया। इस दौरान मेघवाल ने मावली थानाधिकारी से इस प्रकरण में अब तक की गई कार्यवाही की पूर्ण जानकारी ली व इस प्रकरण में जल्द से जल्द चालान पेश कर आरोपी को जल्द सजा दिलाने के निर्देश दिए। जांच कमेटी द्वारा घटनास्थल का मौका मुआयना भी किया।

बूंदी नगर परिषद के नेता प्रतिपक्ष व पार्षद गिरफ्तार

बूंदी, (निसं)। पुलिस ने सोशल मीडिया पर अनर्गल टिप्पणी कर सामाजिक सद्भाव बिगाड़ने के मामले में बुधवार को बूंदी नगर परिषद के नेता प्रतिपक्ष भाजपा पार्षद मुकेश माधवानी को गिरफ्तार कर लिया।

जानकारी के अनुसार गत दिनों दिवंगत पुलिस अधिकारी को लेकर सोशल मीडिया पर अमानवीय एवं अभद्र पोस्ट को लेकर राजपूत समाज और पुलिस के जवानों में आक्रोश फैल रहा था। राजपूत समाज के प्रतिनिधि मंडल ने इस मामले में कार्रवाई को लेकर पुलिस अधीक्षक

सोशल मीडिया पर टिप्पणी मामले में दोनों को गिरफ्तार किया।

को ज्ञापन दिया था। टिप्पणी कर सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने के मंसूबों को विफल करते हुए पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए महेश जिंदल को गिरफ्तार कर लिया। महेश जिंदल की इसी पोस्ट पर अमानवीय टिप्पणी करने पर बुधवार को पुलिस ने पार्षद मुकेश माधवानी को नगर परिषद से अपनी हिरासत में लिया।

जिला पुलिस अधीक्षक जय यादव के निर्देश पर बूंदी पुलिस सोशल मीडिया पर विशेष निगरानी रख रही है। सोशल मीडिया पर सामाजिक सद्भाव बिगाड़ने वालों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई की जा रही है। बूंदी पुलिस इसी कार्यवाही पर राजपूत समाज ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए पुलिस अधीक्षक के प्रति आभार जताया।

डकैती के मामले चार जनों को कारावास की सजा सुनाई

भीलवाड़ा/शाहपुरा, (निसं)। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश शाहपुरा सुनील कुमार ओझा ने जहाजपुर में 11 साल पहले हुई डकैती के मामले में अभियुक्त गण करण सिंह उर्फ सद्दाम , महेंद्र सिंह , प्रदीप शर्मा उर्फ लंगड़ा को सात वर्ष के कठोर कारावास और बीस हजार रुपए के जुर्माने और अभियुक्त राजेंद्र कुमार लोढ़ा को पांच वर्ष के कठोर कारावास और पचास हजार के अर्थदंड की सज़ा सुनाई।

■ **जहाजपुर में 11 साल पहले हुई डकैती के मामले में सजा सुनाई**

अपरलोक अभियोजक हितेष शर्मा ने बताया कि प्रकरण में तथ्यों के अनुसार परिवादी श्याम लाल सोनी निवासी जहाजपुर द्वारा जीवन सिंह थानाधिकारी पुलिस थाना जहाजपुर को एक पर्चा बयान इस आशय का दर्ज कराया कि वह हर रोज की भांति दिनांक 9 जनवरी 2012 को 8:30 पीएम के लगभग अपनी दुकान गीतांजलि ज्वेलर्स को बंद करके रवाना हो रहा था, खुद की दुकान के जेवरात का काले रंग और भूरे रंग के बैग में 450 ग्राम सोने के जेवरात और 20-25 किलो चांदी के जेवरात एवं 200000 रोकड़ रखे हुए थे। अचानक दो मोटरसाइकिल वाले पास से गुजरे उन्होंने अपनी मोटरसाइकिल दुकान के आगे खड़ी कर के, उतरकर कर उसके पास आए उसके पीछे से सिर पर एक डंडे की मारी जिससे वह नीचे गिर गया और वो दोनों जेवरात और रुपयों से भरे बैग को लेकर मोटरसाइकिल पर बैठकर मौके से भाग गए थे। जिस पर पुलिस थाना जहाजपुर द्वारा प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया गया बाद अनुसंधान अभियुक्तगणों के खिलाफ न्यायालय में आरोप पत्र पेश किया गया। मामले में अभियोजन पक्ष की ओर से अपर लोक अभियोजक हितेष शर्मा ने पैरवी की।

प्रकरण में अभियोजन पक्ष द्वारा 35 साक्षी परीक्षित करवाए गए एवं पत्रवाली में पेश 88 दस्तावेजों पर प्रदश अंकित कराए गए , इसके आधार पर न्यायाधीश सुनील कुमार ओझा ने अभियोजन पक्ष से सहमत होते हुए अभियुक्त गण करण सिंह उर्फ सद्दाम निवासी विजयनगर , महेंद्र सिंह एवम् प्रदीप शर्मा उर्फ लंगड़ा निवासी गुलाबपुरा को डकैती के लिए आरोपी मानते हुये अभियुक्त गणों को दोषी करार देते हुए अलग अलग धाराओं में प्रत्येक को सात सात वर्ष के कठोर कारावास की सजा व प्रत्येक पर 20000 के अर्थ दंड के आदेश दिए और अभियुक्त राजेंद्र कुमार लोढ़ा निवासी विजयनगरको धारा अंतर्गत 412 भारतीय दंड संहिता के दोषसिद्ध आरोप में पांच वर्ष के कठोर कारावास और पचास हजार के अर्थदंड की सज़ा सुनाई।

दो बच्चों की मां ने की आत्महत्या

डूंगरपुर, (निसं)। दो बच्चों की मां द्वारा आत्महत्या का मामला प्रकाश में आया है। पीहर पक्ष ने मृतका के पति सहित 5 जनो के खिलाफ एफ आईआर दर्ज करवाई है।

कोतवाली थाना सर्कल के थाना गांव में नाई जाति में 2 बच्चो की मां द्वारा मंगलवार शाम को ससुराल में फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या करने की घटना सामने आई है। मामले में मृतका चौरासी थाना क्षेत्र में पाडली गांव पीहर है और थाना गांव की ब्याहता है। कोतवाली थाने में पीहर पक्ष की तरफ से कानूनी कार्यवाही के लिए दर्ज करवाई गई एफ आईआर के अनुसार मृतका सोनिया थाना गांव में एक निजी स्कूल में शिक्षिका के तौर पर कार्यरत थी। आत्महत्या करने के दिन सोनिया बच्चों को पढाने स्कूल गई थी।

सोनिया के फंदे पर लटक प्राण त्यागने के बाद उसका पति दिलीप नाई उसकी साली को फोन कर सोनिया को मार डाला है जिसको जो करना हो करले कहते हुए ससुराल पक्ष को चैलेंज भी किया। सोनिया को उसके पति, सास, ससुर और जेठ, जेठानी द्वारा आये दिन प्रताडित किए जाने का आरोप लगाते हुए सभी के खिलाफ कानूनी कार्यवाही कर सख्त से सख्त सजा दिलाने की अपील की है। फिलहाल पीहर पक्ष द्वारा कानूनी कार्यवाही की रिपोर्ट आने के बाद पुलिस ने लाश का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सुपुर्द कर आगे की कार्यवाही जारी है।

सूचना-प्रसारण मंत्रालय और अमेज़न इंडिया के बीच साझेदारी हुई

इस साझेदारी से फिल्म संस्थानों से निकलने वाली प्रतिभाओं के लिए संघर्ष की अवधि कम होगी : अनुराग ठाकुर

जयपुर, (कासं)। केन्द्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने बुधवार को मीडिया, मनोरंजन तथा जन जागरूकता कार्यक्रम के क्षेत्र में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय और अमेज़न इंडिया के बीच साझेदारी की घोषणा की। मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि इस साझेदारी से फिल्म संस्थानों से निकलने वाली प्रतिभाओं के लिए संघर्ष की अवधि कम होगी। भारत एक प्राचीन सभ्यता है और इस वजह से भारत के इतिहास में ऐसे लाखों घटनाक्रम संरक्षित हैं, जिन्हें बताया जाना अभी शेष है। इन कहानियों का दायरा समय के साथ आगे बढ़ जाता है और यह आध्यात्मिकता से लेकर सॉफ्टवेयर तक, परंपराओं से लेकर वर्तमान चलन तक, लोक कथाओं से लेकर त्योहारों तक तथा ग्रामीण भारत से लेकर नये विकसित होते हुए भारत तक एक विशाल क्षेत्र को कवर करता है। हाल के समय में भारतीय सामग्री को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर काफी सफलता मिली है और भारतीय अभिनेताओं ने विदेशी दर्शकों के बीच अपनी उच्च लोकप्रियता हासिल की है।

सूचना-प्रसारण मंत्रालय और अमेजन इंडिया के बीच साझेदारी हुई।

ठाकुर ने कहा कि मोदी सरकार भारतीय मनोरंजन उद्योग, विशेष रूप से ओटीटी जैसे नए प्लेटफार्मों की शक्ति और इसमें निहित अवसरों को पहचानती है। अमेज़न इंडिया के साथ साझेदारी कई मामलों में अद्वितीय है और लेटर ऑफ इंगेजमेंट रचनात्मक उद्योग के विभिन्न पक्षों तक फैला हुआ है। यह साझेदारी भारतीय फिल्म और टेलीविजन संस्थान तथा सत्यजीत रे फिल्म एवं भारतीय टेलीविजन संस्थान में छात्रों के लिए छात्रवृत्ति, इंटर्नशिप, मास्टर क्लास तथा अन्य अवसरों के प्रावधानों के माध्यम से मनोरंजन उद्योग व अकादमिक संबंधों को सशक्त करने में सहायता करेगी। उन्होंने कहा कि इस पहल से भारत के प्रतिष्ठित फिल्म संस्थानों से निकलने वाले प्रतिभाशाली कलाकारों के लिए संघर्ष की अवधि कम करने में मदद मिलेगी।

कार्यक्रम में अभिनेता वरुण धवन ने स्ट्रीमिंग सेवाओं द्वारा हासिल की जा रही सफलता एवं पहुंच के बारे में जिक्र किया। उन्होंने कहा कि स्ट्रीमिंग के माध्यम से भारतीय सिनेमा अब एक अलग ही वैश्विक स्तर पर पहुंच रहा है और इस तरह की स्ट्रीमिंग सेवाओं

■ **ओटीटी जैसे प्लेटफार्म के जरिये दूर-दराज के कलाकारों की प्रतिभा अब दुनियाभर में जा रही है : वरुण धवन**

के जरिये आज भारतीय मनोरंजन सामग्री को अप्रत्याशित दर्शकों तक पहुंच प्राप्त हो रही है। दूर-दराज से आने वाले नये कलाकारों एवं निर्माताओं की प्रतिभा अब दुनिया भर के दर्शकों तक सुलभ हो रही है।

कार्यक्रम को सूचना और प्रसारण मंत्रालय के सचिव अपूर्व चंद्रा, अमेज़न प्राइम वीडियो में एशिया पैसिफिक के उपाध्यक्ष गौरव गांधी, अमेज़न इंडिया में लोक नीति उपाध्यक्ष चेतन कृष्णास्वामी, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय में संयुक्त सचिव विक्रम सहाय ने भी संबोधित किया।

'सब कोटा ले जाओ, कोटा से ही सरकार बन जाएगी, वहीं से जीत जाएंगे सारे'

कांग्रेस विधायक कागजी बरसे, "धारीवाल भेदभाव करते हैं, लोगों का घोर अपमान करते हैं, योजनाएं कैसे धरातल पर उतरेंगी"

जयपुर, (का.प्र.)। राजस्थान कांग्रेस के नेताओं की बयानबाजी को लेकर एक दिन पहले ही राजस्थान कांग्रेस के प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने नेताओं को चेतावनी दी थी, लेकिन इस चेतावनी का किसी भी नेता पर कोई असर पड़ता नहीं दिख रहा है। चेतावनी के अगले दिन ही जयपुर से एक कांग्रेस विधायक ने सीधे यूडीएच मंत्री को निशाने पर ले लिया है।

- एक दिन पहले बयानबाजी रोकने को लेकर प्रभारी रंधावा ने चेतावनी दी थी, लेकिन नेताओं पर असर नहीं

जयपुर की किशनपोल विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस विधायक आमीन कागजी ने जयपुर शहर के विकास कार्यों की अनदेखी को लेकर नाराजगी जताते हुए यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल पर जमकर निशाना साधा और कहा कि वे सबकुछ कोटा ले जाना चाहते हैं, कोटा से ही कांग्रेस जीत जाएगी। कोटा से ही सरकार बन जाएगी। कांग्रेस विधायक अमीन कागजी ने यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल पर जयपुर की अनदेखी का आरोप लगाते हुए कहा कि यूडीएच मंत्री के पास जयपुर के लिए वक्त क्यों नहीं है? हमारे जेईएन के पद खाली पड़े हैं, कहीं जेईएन नहीं है, कहीं एईएन नहीं है, तो कहीं कर्मचारी नहीं है। इससे जनता में गलत मैसेज जा रहा है।

कागजी ने कहा कि मुख्यमंत्री इतने उदार हैं, सीएम सारी योजनाएं दे रहे हैं, लेकिन मंत्री कुंडली मारकर बैठे हुए हैं। आप मेरे किशनपोल की ही हालत देख लीजिए। मैं 10 महीने में मंत्री को 10 चिट्ठियां लिख चुका कि एक्सईएन लगा दीजिए, लेकिन कहा, नहीं दूंगा। सारे कोटा ले जाओ, कोटा से ही सरकार बन जाएगी। वहीं से जीतकर आ जाएंगे सारे, नंबर वन मंत्री हैं, जीत जाएंगे वो। यह कोई होता है क्या? जयपुर में हमें चार सीटें मिली, नगर निगम में एक्सईएन नहीं है, जेईएन नहीं हैं। सरकार पैसा देती है, योजनाएं कैसे धरातल पर उतरेंगी।

कागजी ने कहा कि मैं सीवरेज के लिए 50 करोड़ रुपए सैंक्शन करवाकर लाया। दो साल पहले सीवरेज के लिए पैसा दे दिया, मंत्रीजी आज तक उसका टेंडर नहीं करवा पाए। ऐसे कैसे चलेगा। 276 करोड़ फिर ले आए हम। धारीवाल भेदभाव करते हैं, लोगों का घोर अपमान करते हैं। अरे अंकल, मेरे पिताजी के साथ रहे हुए आदमी हो, इतनी तो कृपा कर दो। कब तक हम उधार के इंजीनियरों से काम चलाते रहेंगे।

'डीईओ अवमानना की दोषी, सजा सुनने के लिए पेश हो'

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी को अदालती आदेश के बावजूद नियुक्ति देने में कोताही बरतने पर नाराजगी जताई है। इसके साथ ही अदालत ने टोंक की माध्यमिक जिला शिक्षाधिकारी मीना लसारिया को अवमानना के लिए दोषी माना है।

अदालत ने डीईओ को कहा है कि वह दस अप्रैल को सजा पर सुनवाई के लिए पेश हो। इसके साथ ही अदालत ने अतिरिक्त मुख्य शिक्षा सचिव को शपथ पत्र पेश कर बताने को कहा है कि अदालती आदेश की नौ साल के बाद भी पालना क्यों नहीं की गई। अदालत ने एसीएस से पूछा है कि सरकारी वकील यह कैसे कह सकते हैं कि प्रशासनिक प्रक्रिया के चलते अब तक आदेश की पालना नहीं की गई और पालना के लिए अतिरिक्त समय और दिया जाए। जस्टिस महेन्द्र गोयल की एकलपीठ ने यह आदेश मोहम्मद राशिद की अवमानना याचिका पर दिए।

सुमित भगासरा बने कांग्रेस राजस्थान सोशल मीडिया चेयरमैन

जयपुर, (का.प्र.) अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री केसी वेणुगोपाल ने राजस्थान कांग्रेस कमेटी के सोशल मीडिया व डिजिटल प्लेटफार्म विभाग में स्टेट चेयरमैन और कॉर्डिनेटर्स की नियुक्तियां करते हुए राजस्थान एनएसयूआई और यूवा कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष रहे सुमित भगासरा को चेयरमैन बनाया है। इनके अलावा प्रतीक सिंह, विक्रम स्वामी, संजीव राजपुरोहित, अनुपम शर्मा और रंजना साहू को स्टेट कॉर्डिनेटर बनाया गया है।

नवनियुक्त चैयरमैन सुमित भगासरा ने नई जिम्मेदारी प्रदान करने पर कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, विभाग की राष्ट्रीय अध्यक्षा व एआईसीसी प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत तथा एआईसीसी संगठन महासचिव, सांसद केसी वेणुगोपाल का आभार जताया। भगासरा ने बताया कि राजस्थान में नए जिलों की संख्या बढ़ने के अनुसार अब जिला और ब्लॉक लेवल पर भी विभाग के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं की नियुक्ति की जाएगी। इसके पश्चात जल्द ही कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के मार्गदर्शन में एक प्रदेश स्तरीय सम्मेलन का आयोजन करवाया जाएगा। साथ ही कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण शिविर करवाया जायेगा।

सुमित भगासरा के कांग्रेस राजस्थान सोशल मीडिया चेयरमैन बनने पर कार्यकर्ताओं ने उनका फूलमालाएं पहनाकर स्वागत किया।

भगासरा के अनुसार उनकी प्राथमिकता रहेगी कि राजस्थान कांग्रेस के अभियानों/जन आंदलनों तथा राजस्थान सरकार की लोकप्रिय योजनाओं की जानकारी अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाया जायेगा। इसके साथ ही विरोधी पार्टियों द्वारा सोशल मीडिया पर फैलाए जाने वाले झूठ/दुष्प्रचार को बेनकाब किया जाएगा।

पूर्व जागीरदार व समाजसेवी रावल रघुवीर सिंह धूला का निधन

जयपुर, (का.सं.)। पूर्व जयपुर रियासत के ठिकाना धूला के पूर्व जागीरदार रावल रघुवीर सिंह राजावत का आज पूर्वान्ह 11 बजे उनके जयपुर निवास स्थान पर निधन हो गया। वह 85 वर्ष के थे। उनके पार्थिव शरीर का दाह संस्कार 6 अप्रेल को पूर्वान्ह 11 बजे दौसा जिले के भांडारेज में किया जायेगा।

रावल रघुवीर सिंह धूला

रावल रघुवीर सिंह जयपुर से 40 किलोमीटर दूर पूर्व रियासत के 52 गांव के बड़े ठिकाने धूला के 12वें जागीरदार व रियासत के प्रमुख ताजीमी सरदार थे। जयपुर की ही राजपूत सभा और श्री भवानी निकेतन की स्थापना व इन संस्थाओं की प्रगति में उनका विशेष सहयोग व संरक्षण रहा है। उनके पिता रावल सुमेर सिंह धूला जयपुर रियासत में जागीर कमिश्नर थे।

वह पांच पुत्रियों के पिता थे। उनकी सबसे छोटी पुत्री नंदिता सिंह के पुत्र गिरिशाय उनके उत्तराधिकारी (पुत्र) है। उनके परिवार जन ने बताया कि अधिक बीमार हो जाने पर भी उन्होंने कह दिया था कि उन्हें अस्पताल नहीं ले जाया जावे। सन् 1958 से उनके मित्र वेद आहूजा ने बताया कि मेयो कॉलेज अजमेर सेंट जेवियर स्कूल और महाराजा कॉलेज जयपुर में अध्ययन किया। वह क्रिकेट खेलना पसंद करते थे। निर्धन परिवारों की लड़कियों के विवाह व अन्य धार्मिक व सामाजिक कार्यों में सिंह उदारतापूर्वक सहयोग देते रहते थे।

रावल रघुवीर सिंह के सहयोग से ही पूर्व राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद के पौत्र राजीव नयन प्रसाद द्वारा लिखित पुस्तक "राजा मानसिंह आमेर" पुस्तक का हिन्दी अनुवाद सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी डॉ. रतनलाल मिश्र द्वारा करवाकर जोधपुर के राजस्थानी ग्रन्थागार द्वारा प्रकाशन कराया गया था।

आतंकवादियों का बरी होना कांग्रेस सरकार को पड़ेगा भारी : सी.पी.जोशी

जयपुर। भाजपा प्रदेश मुख्यालय पर प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने मीडिया से रूबरू होते हुए कहा कि 2008 जयपुर में हुए बम ब्लास्ट बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है, कांग्रेस सरकार खुद को बचाने के लिए राजस्थान के बड़े-बड़े वकीलों को मोटी रकम देकर हायर कर लेती है, लेकिन जयपुर ब्लास्ट में मारे गए 71 लोगों की कांग्रेस सरकार को कतई परवाह नहीं है, इसी के अन्तर्गत कांग्रेस सरकार द्वारा आतंकवादियों को बचाव में असंवेदनशीलता बरतते हुए एक बडा वकील क्यों नहीं कर सकी। जो इन आतंकवादियों को इनके किये कर्मों की सजा दिला सके।

- 'जहां एक ओर कांग्रेस सरकार आतंकवादियों के बचाव में 18 वकील खड़े कर सकती है, तो राजस्थान की जनता के लिए एक बड़ा वकील खड़ा क्यों नहीं कर सकी'

जोशी ने कहा कि कमजोर पैरवी के चलते जनता विरोधी ऐसे आतंकवादियों का छूंटना कांग्रेस सरकार के लिए बहुत ही शर्मनाक विषय है, कांग्रेस पार्टी के आलाकमान को खुश करने के लिए तुष्टिकरण की राजनीति करते हुए पैरवी को कमजोर करने की कोशिश की है, आश्चर्य का विषय है उदयपुर के कन्हैयालाल की हत्या से पहले स्वयं ने सुरक्षा की मांग की थी। लेकिन पुलिस प्रशासन द्वारा इसे हलके में लेते हुए सहयोग नहीं करते हुए सुरक्षा नहीं दी गई। हत्या के आरोपियों को जनता द्वारा पुलिस को सुपुर्द किया गया तो पुलिस प्रशासन द्वारा जनता को शाबासी देने की एवज में यह कहा गया कि आप लोगों को आरोपियों को पकड़कर लाने की कहां जरूरत पड़ रही है, ऐसे शब्द कांग्रेस सरकार के शासन में प्रशासन द्वारा बहुत ही शर्मनाक विषय है। आज राजस्थान में कांग्रेस सरकार तुष्टिकरण की सारी हदें पार कर चुकी है, हिंदू नववर्ष हो, रामनवमी का जुलूस हो या जय श्रीराम के नारे को रोकने वाली ऐसी जनविरोधी कांग्रेस सरकार कान खोलकर सुनले जब तक इस प्रकार की ओछी मानसिकता के साथ कांग्रेस की मानसिकता खत्म नहीं हो जाती तब तक भाजपा का कार्यकर्ता जनहित के लिए दृढ़ संकल्प के साथ खड़ा मिलेगा।

गुजरात की तरह राजस्थान में भी गेम चेंजर साबित होगा पन्ना प्रमुख अभियान : डॉ. पूनियां

जयपुर। भाजपा मिशन 2023 एवं 2024 के विजय संकल्प को लेकर प्रदेश के सभी 200 विधानसभा क्षेत्रों में नमो वॉलंटियर्स कार्यशालाओं का आयोजन कर नमो वॉलंटियर्स की नियुक्ति का अभियान चला रही है। जयपुर देहात उत्तर के आमेर विधानसभा क्षेत्र के नमो वॉलंटियर्स को भाजपा पूर्व प्रदेश अध्यक्ष व विधानसभा के उपनेता प्रतिपक्ष डॉ. सतीश पूनियां ने संबोधित करते हुए कहा कि, 2023 के विधानसभा चुनाव और 2024 के लोकसभा चुनाव के विजय संकल्प को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में ऐतिहासिक जीत के साथ पूरा करेंगे, इसके लिये हमें पूरी ताकत और परिश्रम से जुटे रहना है।

- सवा तीन वर्षों में राजस्थान में भाजपा ने 50 हजार बूथों तक फोटोयुक्त बूथ समितियों का गठन कर लिया और पन्ना प्रमुख अभियान का 70 प्रतिशत से अधिक काम पूरा कर लिया

उन्होंने कहा कि, पार्टी को जो पूरा समय देंगे, संगठन के काम को नीचे तक विस्तारित करेंगे और इसी को लेकर पार्टी ने एक महत्वपूर्ण अभियान शुरू किया था पन्ना प्रमुख अभियान, यह योजना गुजरात में गेम चेंजर साबित हुई। इस लिहाज से जितना हम नीचे तक जायेंगे लोगों के बीच में, खासतौर पर एक बड़ा लाभार्थी वर्ग है जो केन्द्र की नरेन्द्र मोदी सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों से लाभान्वित हुआ है।

पूनियां ने कहा कि मोदी सरकार की सभी लोकहितैषी नीतियां एक समर्थक और शुभचिंतक वर्ग में तब्दील हुई हैं और वह मतदाताओं में तब्दील हों, इसको लेकर पार्टी कार्ययोजना पर काम कर रही है।

बैठक में महिला मोर्चा प्रदेश मंत्री बादाम देवी वर्मा, जालसू मंडल अध्यक्ष बंशी यादव, अचरोल मंडल अध्यक्ष छाजू लाल मीणा, रामपुरा मंडल अध्यक्ष पप्पू लाल सैनी, आमेर शहर मंडल अध्यक्ष दौलत सिंह शेखावत, मानपुरा मंडल अध्यक्ष सोहनलाल शर्मा, जालसू प्रधान हरदेव यादव, आमेर प्रधान बद्रीनारायण बागड़ा, आमेर विधानसभा प्रभारी विमल अग्रवाल, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष भगवान शर्मा, पूर्व प्रधान सीता चौधरी इत्यादि भी मौजूद रहे।

पंजाब की राजस्थान पर 5 रन से जीत

गुवाहाटी, 5 अप्रेल। कप्तान शिखर धवन-प्रभसिमरन सिंह के बाद नाथन एलिस के धारदार गेंदबाजी के दम पर पंजाब किंग्स ने इंडियन प्रीमियर लीग में राजस्थान रॉयल्स पर 11वीं जीत दर्ज की है। टीम ने 5 रन की जीत हासिल की। मौजूदा सीजन की बात करें तो यह टीम की लगातार दूसरी जीत है। टीम ने पहले मैच में को मैथड से 7 रन से हराया। गुवाहाटी के मैदान पर राजस्थान के कप्तान संजू सैमसन ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला लिया। पंजाब ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 197 रन बनाए। 198 रन का टारगेट चेज करते हुए राजस्थान की टीम 20 ओवर में 7 विकेट पर 192 रन ही बना सकी।

इससे पहले 198 रन का टारगेट चेज करने उतरी राजस्थान ने पावर प्ले में 57 रन पर तीन विकेट गंवा दिए। यशस्वी जायसवाल, जोस बटलर और रविचंद्रन अश्विन पवेलियन लौट गए। कप्तान संजू सैमसन ने ओपनिंग जोड़ी में बदलाव किया था। उन्होंने बटलर की जगह रविचंद्रन अश्विन को

बतौर ओपनर भेजा, हालांकि अर्शदीप ने जायसवाल को आउट कर टीम को पहला झटका दिया। उसके बाद खेलने आए बटलर भी जल्दी आउट हो गए। वे जीवनदान का फायदा नहीं उठा सके। बरार ने सैम करेन की बॉल पर उनका कैच छोड़ा था।

गुवाहाटी के मैदान पर बुधवार को टीम ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 4 विकेट पर 197 रन बनाए। प्रभसिमरन सिंह ने 34 बॉल पर 60 रन बनाते हुए अपने करियर का पहला अर्धशतक बनाया, जबकि शिखर धवन ने 56 बॉल पर नाबाद 86 रन बनाते हुए लीग में अपनी 48वीं फिफ्टी जमाई। जितेश शर्मा ने 27 रन का योगदान दिया।

प्रभसिमरन के साथ पहले विकेट के लिए 90 रन की साझेदारी करने के बाद कप्तान धवन ने जितेश शर्मा के साथ तीसरे विकेट के लिए 30 गेंद पर 60 रन की साझेदारी की। जितेश शर्मा 16वें ओवर में चहल की गेंद पर रियान पराग को कैच दे बैठे। उन्होंने 27 रन बनाए।

हमारे बल्लेबाज बड़ा स्कोर बनाने में असफल रहे हैं : अगरकर

नयी दिल्ली, 5 अप्रेल। दिल्ली कैपिटल्स के गेंदबाजी कोच अजीत आगरकर ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में गुजरात जायंट्स के हाथों मिली छह विकेट की हार के बाद स्वीकार किया है कि उनके बल्लेबाज अब तक टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सके हैं। अरुण जेटली स्टेडियम पर मंगलवार को खेले गये मैच में दिल्ली ने 20 ओवर में 162 रन बनाये, जबकि गुजरात ने 163 रन का लक्ष्य 18.1 ओवर में हासिल कर लिया। इससे पहले लखनऊ सुपरजायंट्स ने दिल्ली को उसके पहले मुकाबले में 193 रन का लक्ष्य दिया था, जबकि डेविड वॉर्नर की टीम 143 रन तक ही पहुंच सकी थी।

आगरकर ने मैच के बाद कहा, "मुझे लगता है कि हम एक टीम के रूप में अच्छा नहीं खेले। हमारा ऊपरी क्रम असफल रहा और कोई भी आवश्यक रन नहीं बना सका। हम दोनों मैचों में ही रन नहीं बना सके। हमें निश्चित ही सुधार करने की जरूरत है, क्योंकि हम इस टूर्नामेंट में कई मजबूत टीमों का सामना कर रहे हैं।" दिल्ली की चिंताएं मुख्यत: ऊपरी क्रम से जुड़ी हैं। सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर जहां तेजी से रन बनाने में नाकाम रहे हैं, वहीं पृथ्वी शॉ और सरफराज अहमद तेज गेंदबाजों के आगे संघर्ष करते नजर आये हैं। शॉ ने दो मैचों में क्रमश: 12 और सात रन बनाये हैं। पहले मैच में चार रन का स्कोर बनाने वाले सरफराज ने गुजरात के खिलाफ 30 रन बनाये, लेकिन इसके लिये उन्होंने 34 गेंदें खेलीं।

आगरकर ने शॉ और सरफराज से जुड़े एक सवाल पर कहा, "आप एक या दो खिलाड़ियों की वजह से नहीं हारते। मुझे लगता है कि हम एक टीम के रूप में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सके। हमें इसे स्वीकार करना होगा और अगले मैच में सुधार करना होगा। ये दोनों बल्लेबाज पहले भी अच्छा प्रदर्शन कर चुके हैं। ऐसा नहीं है कि हमारे पास अच्छी टीम नहीं है, हमें बस अपनी योजनाओं को बेहतर तरीके से लागू करना है।"

पृथ्वी पर भड़के वीरू : बोले- शुभमन गिल-गायकवाड़ से सीखो, अपनी गलतियों को सुधारो, खराब शॉट खेलकर आउट हुए शॉ

नई दिल्ली, 5 अप्रेल । पूर्व क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग ने दिल्ली कैपिटल्स के ओपनर पृथ्वी शॉ पर भड़क गए, क्योंकि गुजरात के खिलाफ मुकाबले में पृथ्वी शमी की बॉल पर खराब शॉट खेलकर आउट हुए।

44 साल के इस पूर्व विस्फोटक बल्लेबाज ने पृथ्वी को सलाह देते हुए कहा- शॉ को शुभमन गिल और ऋतुराज गायकवाड़ को देखना चाहिए और अपने प्रदर्शन में निरंतरता लाना चाहिए। शॉ को अपनी गलतियों से सीखना होगा।

पृथ्वी शॉ गुजरात टाइटंस के खिलाफ 7 रन ही बना सके। वे मोहम्मद शमी की बॉल पर अल्जारी जोसेफ को कैच दे बैठे। पहले मैच में पृथ्वी ने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ महज 12 रन ही बनाए थे।

सहवाग ने क्रिकबज से कहा- शॉ इस तरह की शॉट पर लगातार आउट हो रहे हैं।

उन्हें अपनी गलतियों से सीखना होगा। पृथ्वी को शुभमन गिल और ऋतुराज गायकवाड को देखना चाहिए। जो लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। उनके प्रदर्शन में निरंतरता है। गिल पृथ्वी के साथ अंडर-19 वर्ल्ड कप में थे और वे टीम इंडिया में तीनों फॉर्मेट में अपनी जगह बना चुके हैं, वहीं पृथ्वी शॉ में अभी भी संघर्ष कर रहे हैं। उन्हें के इस मंच का फायदा उठाना चाहिए और रन बनाना चाहिए। ऋतुराज ने पिछले सीजन में 600 से ज्यादा रन बनाए हैं। शॉ को भी अपने में प्रदर्शन में निरंतरता लानी होगी।

पृथ्वी शमी की शार्ट बॉल पर पुल शॉट खेलना चाहते थे, लेकिन बॉल की गति और हाइट समझ नहीं सके। ऐसे में बॉल बल्ले के टॉप एज के साथ मिड ऑन की दिशा में चली गई। जहां उन्हें अल्जारी जोसेफ ने आउट किया। दिल्ली कैपिटल्स ने इस सीजन में अपने दोनों शुरुआती मैच गंवाए हैं। मंगलवार को दिल्ली ने अपने होम ग्राउंड में गुजरात जायंट्स के खिलाफ 20 ओवर में 7 विकेट पर 162 रनों का स्कोर बनाया। 163 रनों का टारगेट गुजरात के बल्लेबाजों ने 18.1 ओवर में 4 विकेट पर बना डाला। लखनऊ जायंट्स के खिलाफ मैच में भी दिल्ली कैपिटल्स को 50 रन से हार का सामना करना पड़ा था।

फुटबॉल दिल्ली : बी-डिवीजन लीग की शुरुआत आज से

नयी दिल्ली, 5 अप्रेल। दिल्ली सॉकर एसोसिएशन की बी-डिवीजन लीग का उद्घाटन मैच यहां जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम पर दिल्ली स्टूडेंट्स एफसी और कोलंबस यंगस्टर्स एफसी के बीच गुरुवार को खेला जायेगा। इस लीग में कुल 34 क्लब भाग ले रहे हैं जिन्हें चार समूहों में बांटा गया है। दो महीने तक चलने वाली लीग में कुल 156 मैच खेले जाने हैं। पहले दिन उद्घाटन मैच के बाद वीनस एफसी को नॉर्दन यूनाइटेड एफसी से और वॉरियर्स एफसी को ईव्स एससी से खेलना है।

एमसीसी ने धोनी को दी लाइफटाइम मेंबरशिप

नई दिल्ली, 5 अप्रेल। एमसीसी क्रिकेट के नियम बनाने वाली संस्था यानी मेलिरिबोन क्रिकेट क्लब ने 2011 वर्ल्ड कप विजेता कप्तान एमएस धोनी सहित पांच भारतीय क्रिकेटर को क्लब की लाइफटाइम मेंबरशिप से नवाजा है। ने बुधवार (5 अप्रैल) को इसकी घोषणा की। धोनी के अलावा सुरेश रैना और युवराज सिंह सहित 19 पुरुष और महिला क्रिकेटरों को सम्मानित किया गया है। इसमें दो नॉन-प्लेइंग व्यक्ति भी हैं, जिन्हें पिच के बाहर उनके शानदार योगदान के लिए सम्मानित किया गया है।

भारत ने धोनी की कप्तानी में 2011 में 28 साल बाद वनडे विश्व कप जीता था। युवराज और रैना उस टीम के सदस्य थे। वहीं में मिताली राज 232 मैचों में 7,805 रन बनाई हैं, जो महिला क्रिकेट में सर्वाधिक रन

इस लिस्ट में युवराज, रैना, मिताली और झूलन गोस्वामी भी शामिल

बनाने का रिकॉर्ड है। विमेंस मैचों में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली झूलन गोस्वामी भी सम्मान सूची में शामिल हैं।

एमसीसी का लाइफटाइम मेंबरशिप किसे दिया जाता है?

खेल के कुछ दिग्गजों को उनके इंटरनेशनल करियर में शानदार प्रदर्शन के लिए लाइफटाइम मेंबरशिप देने पर विचार करती है और फिर उन्हें उससे नवाजा जाता है। लाइफटाइम मेंबरशिप उन व्यक्तियों को भी दिया जाता है जिन्होंने या खेल में असाधारण योगदान दिया हो। आखिरी बार 2021 में ने 18 नए सदस्यों को लाइफटाइम मेंबरशिप दी थी। इसमें भारतीय स्पिनर हरभजन सिंह और पूर्व तेज गेंदबाज जवागल श्रीनाथ भी शामिल थे।

एमसीसी क्या है?

क्रिकेट के नियम बनाती है और समय-समय पर इसमें भी बदलाव भी करती है। मेरिलबोन क्रिकेट क्लब आज से साल 1787 में अस्तित्व में आया था। इसका हेडक्वार्टर इंग्लैंड का लॉर्ड्स मैदान में है। के आने से पहले के नियमों पर ही क्रिकेट खेला जाता था। आज भी के नियमों पर ही चलता है। अभी भी क्रिकेट के नियम बनाता है, लेकिन वे से हो कर ही गुजरते है।

दिल्ली को सपोर्ट करने स्टेडियम पहुंचे पंत

स्टंप्स से लगी बॉल गिल्लियां नहीं गिरी, डीआरएस में बचे मिलर ने जिताया

नई दिल्ली, 5 अप्रेल। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की डिफेंडिंग चैंपियन गुजरात टाइटंस ने सीजन की अपनी दूसरी जीत दर्ज कर ली है। गुजरात ने अरुण जेटली स्टेडियम में होम टीम दिल्ली को 6 विकेट से हराया। साई सुदर्शन और डेविड मिलर बैटिंग में, वहीं राशिद खान, मोहम्मद शमी और अल्जारी जोसेफ बॉलिंग में मैच विनर्स रहे। मैच में मोहम्मद शमी के ओवर की एक बॉल स्टंप्स से लगी, लेकिन गिल्लियां नहीं गिरीं। एनरिक नॉर्त्या ने पहली ही बॉल पर स्टंप्स बिखेरे और ऋषभ पंत मैच देखने पहुंचे। दिल्ली के विकेटकीपर अभिषेक पोरेल और गुजरात के कीपर रिद्धिमान साहा ने कैच लेने के लिए बेहतरीन डाइव मारी। मैच के ऐसे ही टॉप मोमेंट्स को इस खबर में हम जानेंगे। दिल्ली की पिच पर घास थी, इस कारण पहले ही ओवर से तेज गेंदबाजों को बॉल स्विंग कराने में मदद मिल रही थी। पहली पारी में मोहम्मद शमी की पहली ही बॉल वाइड रही, अगली गेंद शमी ने गुड लेंथ पर फेंकी। बैटर के पास से गुजरते हुए बॉल किसी से टकराकर विकेटकीपर के पास गई। गुजरात ने कैच आउट की अपील की, लेकिन अंपायर ने इसे नकार दिया। रिप्ले में नजर आया कि बॉल स्टंप्स से लगी थी, बैट से नहीं। इस ओवर में शमी की गेंदों ने बहुत हरकत की।

7 मैच, 5 विदेशी प्लेयर जीत के हीरो : 3 बार 200 रन बने, भारतीय टॉप स्कोरर, रिस्ट स्पिनर्स ने खेल बदला

अहमदाबाद, 5 अप्रेल। इंडियन प्रीमियर लीग में 5 दिन के बाद 7 मैच पूरे हो चुके हैं। शुरुआती ट्रेंड में विदेशी प्लेयर्स और रिस्ट स्पिनर्स का बोलबाला रहा। युवा भारतीय खिलाड़ी जैसे रवि बिश्नोई ने गेंदबाजी से प्रभावित किया। वहीं ऋतुराज गायकवाड़, साई सुदर्शन और तिलक वर्मा ने बल्ले से शानदार प्रदर्शन किया।

हालांकि 7 में से 5 मुकाबलों में विदेशी खिलाड़ी प्लेयर ऑफ द मैच रहे। दूसरी ओर बेन स्टोक्स, सैम करन, हैरी ब्रूक और कैमरून ग्रीन जैसे करोड़ों में बिकने वाले खिलाड़ियों का अब तक का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा। आगे स्टोरी में हम के शुरुआती 7 मैचों का ट्रेंड जानेंगे। किन खिलाड़ियों का दबदबा रहा, स्कोरिंग रेट कैसा रहा और कौन से खिलाड़ी गेमचेंजर साबित हुए। साथ ही टॉप कमाई वाले फ्लॉप खिलाड़ियों पर भी नजर डालेंगे। की डिफेंडिंग चैंपियन टीम गुजरात टाइटंस ने टूर्नामेंट का आगाज ही चेन्नई सुपर किंग्स पर जीत के साथ किया। टीम ने फिर दिल्ली को उसके घरेलू ग्राउंड पर 6 विकेट से हराया। टीम 2 मैचों में 2 जीत के बाद 4 अंकों के साथ पहले नंबर पर है। राजस्थान, बेंगलुरु, लखनऊ, पंजाब और चेन्नई को एक-एक मुकाबलों में जीत मिली।

दिल्ली कैपिटल्स ने शुरुआती दोनों मैच हारे हैं। दिल्ली के अलावा कोलकाता, मुंबई और हैदराबाद टीम को भी पहली जीत की तलाश है। मिनी ऑक्शन में ऑलराउंडर्स और खासतौर पर विदेशी खिलाड़ियों की तिजोरी खूब भरी थी, लेकिन टूर्नामेंट के पहले सप्ताह में उन महंगे खिलाड़ियों का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा। इनमें 17.50 करोड़ के कैमरून ग्रीन, 16.25 करोड़ के बेन स्टोक्स और 13.25 करोड़ के हैरी ब्रूक का प्रदर्शन सबसे निराशाजनक रहा। मुंबई के ग्रीन बेंगलुरु में बैटिंग विकेट पर 5 रन ही बना सके और 2 ओवर की बॉलिंग में 30 रन दे बैठे। स्टोक्स भी 2 मैचों में 15 रन ही बना सके।

संक्षिप्त

मेले में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

मंडावरी । किशोरपुरा ग्राम पंचायत के खुर्रा ग्राम में आयोजित हो रही बिजासन माता के लक्खी मेले में बुधवार को दूसरे दिन करीब पचास हजार श्रद्धालुओं द्वारा शिरकत की गई । ग्राम पंचायत सरपंच हरीओम मीना ने बताया की बिजासनी माता लक्खी मेले के दूसरे दिन जमकर श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा, जिसे नियंत्रित करने के लिए पुलिस को खासी मशक्कत करनी पड़ी। बिजासनी माता के लक्खी मेले में मेला ठाउंड से लेकर करीब तीन किलोमीटर के दायरे में भारी भीड़ देखी गई। चतुर्दशी होने के चलते ग्रामीण क्षेत्रों में इस दिन का काफी महत्व होता है ऐसे में भारी संख्या में महिला श्रद्धालु अपने परिवार के साथ सवामणी भोग प्रसाद लेकर बिजासन माता मंदिर पहुंची । ग्रामीण महिलाओं द्वारा सिर पर सवामणी की पोटली रखने के साथ माताजी के मांगलिक गीत गाते हुए बिजासनी माता मंदिर पहुंची। जहां महिलाओं द्वारा खीर पुआ पूड़ी आदि का बिजासनी माता को भोग लगाकर सुहागिन महिलाओं को यज्ञशाला में पंगत प्रसादी ग्रहण कराई गई ।

बाल हनुमानजी का मेला 6 को

नारायणपुर, (निसं)। कस्बा स्थित चौगान मंदिर वाले प्राचीन बाल हनुमानजी महाराज का मेला 6 अप्रेल को धूमधाम से भरेगा । मेले के दौरान सुबह 9 बजे से पुरुषोत्तमदास आश्रम से मुख्य बाजार होते हुए चौगान मंदिर तक ध्वजा व राम दरबार के साथ शोभायात्रा निकाली जाएगी । दोपहर 12 बजे से भण्डारे का आयोजन किया जाएगा, जिसमे ठाामीण पंगत प्रसादी ठाहण करेंगे । कलाकार छोटे लाल शास्त्री द्वारा दोपहर से नेहडा कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा । शाम को आरती के साथ आतिशबाजी की जायेंगी । रात्रि को स्थानीय कलाकारों के द्वारा भजन-सत्संग का कार्यक्रम किया जायेंगा ।

भाजपा का स्थापना दिवस आज

लालसोट । उपखंड मुख्यालय पर आज गुरूवार को भारतीय जनता पार्टी का स्थापना दिवस कमल संकल्प उत्सव के रुप में मनाया जाएगा। इस स्थापना दिवस को लेकर लालसोट के सभी पदाधिकारी गण मंडल कार्यकारिणी सदस्य सभी बूथ अध्यक्ष गण, सभी शक्ति केंद्र प्रमुख सभी शक्ति केंद्र संयोजक पूर्व मंडल अध्यक्ष पूर्व भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारी सभी मोर्चों के मंडल अध्यक्ष सभी मोर्चों के मंडल महिला मोर्चा कार्यकारिणी प्रकोष्ठ के संयोजक जिला परिषद सदस्य पंचायत समिति सदस्य एवम सभी भाजपा के आम कार्यकर्ता गण मोजुद रहेंगे ।

नम्बर मिलाइए 9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

हनुमान जन्मोत्सव पर्व की तैयारियों पर चर्चा

पावटा,(निसं)। उपखंड पावटा में महावीर जयंती और हनुमान जन्मोत्सव के पर्व के मद्देनजर प्रागपुरा थाने में सीएलजी सदस्यों और शांति समिति की बैठक प्रागपुरा थाना प्रभारी सवाई सिंह की अध्यक्षता में आयोजित की गई। मीटिंग में थाना स्तरीय सीएलजी सदस्य, सुरक्षा सखी व थाना क्षेत्र के अन्य प्रबुद्धजनों ने भाग लिया। शिविर में उपस्थित गणमान्यगण से विचार-विमर्श किया गया तथा महिला सुरक्षा, साईबर अपराध के बारे में आमजन को जागरूक करने हेतु जानकारी देकर प्रेरित किया गया एवं अपराधों पर अंकुश लगाने हेतु सहयोग करने की अपील की गई।

उपस्थित गणमान्य लोगों को महिलाओं व बच्चियों को उचित समान देते हुए उनके विरूद्ध घटित अपराधों के बारे में जागरूक किया गया। उपस्थित कस्बावासियों ने उक्त आयोजन की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। बैठक में प्रागपुरा थाना प्रभारी सवाई सिंह ने उपस्थित लोगों को त्योहार के मौके पर निकाली जाने वाले जुलूस और शोभायात्रा को शान्तिपूर्ण तरीके से निकालने और शांति व्यवस्था बनाये रखने के लिए निर्देशित किया।

थाना प्रभारी सवाई सिंह ने कहा कि अशांति करने वाले व धार्मिक सौहार्द को बिगाडने वालो को नही बशा जाएगा।

उपखंड पावटा में महावीर जयंती और हनुमान जन्मोत्सव के पर्व के मद्देनजर प्रागपुरा थाने में सीएलजी सदस्यों की बैठक आयोजित हुई।

प्रागपुरा थाना प्रभारी सवाई सिंह ने विश्वास जताया कि अपराधियों में भय आमजन में विश्वास यही पुलिस का कार्य रहेगा। वहीं उन्होंने कहा की समाज में रहकर जो काम ग्रुप सदस्य कर सकते है वो पुलिस कर्मियों के लिए मुश्किल होता । सदस्यों को कहा कि पुलिस व जनता के बीच समन्वयक सदस्य एक सेतु का कार्य करते हैं। बैठक में सभी सीएलजी सदस्यों ने थानाधिकारी के समक्ष समस्याओं से अवगत कराते हुये कस्बे के मुय बाजारों, सर्विस रोड पर तिरछे वाहनों से जाम की स्थिति से निजात दिलाने, पुलिस की रात्रि गश्त बढाने आदि समस्याओं को मुद्दों पर चर्चा की गई। इस मौके पर पावटा चेयरमेन प्रतिनिधि निर्मल पंसारी, प्रागपुरा पूर्व सरपंच कैलाश सैनी, राजीव डेहरवाल, मुबारिक हुसैन, सीताराम गेट, महमुद, प्रहलाद, पूर्व सदर यासीन कुरैसी, मुखराम धनकड, उप सरपंच रोहिताश मीणा, लोकेश कुमार यादवयादव सहित बडी संया मे महिलाए व सीएलजी सदस्य मौजूद रहे।

शोभायात्रा 22 को

श्रीमाधोपुर। आगामी 22 अप्रैल अक्षय तृतीया के दिन आयोजित किए जाने वाले भगवान परशुराम जन्मोत्सव कार्यक्रम के तहत बुधवार को पोस्टर का विमोचन हुआ । भगवान परशुराम जन्मोत्सव समिति के राजेंद्र शर्मा एडवोकेट ने बताया कि कार्यक्रम की निर्विघ्न सफलता हेतु प्रातः 8:00 बजे श्री गणेश मंदिर में प्रथम पूज्य भगवान् गणेश को निमंत्रित कर जन्मोत्सव कार्यक्रम के पोस्टर का विमोचन किया गया इसके बाद प्रातः 8:30 बजे नगर आराध्य श्री गोपीनाथ जी के मंदिर में पोस्टर का विमोचन हुआ। कार्यक्रम में यह निश्चित किया गया कि शोभायात्रा में सम्मिलित होने हेतु क्षेत्र के गांवों और श्रीमाधोपुर शहर में ब्राह्मण समुदाय के लोगों से डोर टू डोर संपर्क किया जाएगा। इस अवसर पर हरिनारायण महंत ,सत्यनारायण खांडल,पं.नागरमल शर्मा, डॉ.मनोहरशरण शास्त्री, मक्खन लाल छित्तमका, उमेश चूलेट, लक्ष्मीकांत, गजेंद्र शर्मा ,पार्षद बाबूलाल शर्मा, जितेन्द्र शर्मा एलबीएस, सुरेश चोटिया, माणकचंद तिवाड़ी, नरेश भिण्डा, पंकज लाटा,रामोतार मोरीवाला, संजय लोकनाथका, रवि कालिया, यश तिवाड़ी इत्यादि मौजूद थे।

खैरथल में कलेक्टर कार्यालय को जगह मिली

खैरथल,(निसं)। नवगठित जिला खैरथल में जिला कलेक्टर कार्यालय के लिए जगह का चयन किया गया है। इस भवन का अधिकार कृषि विपणन बोर्ड के पास है, ऐसे में उनसे अनुमति प्राप्त करने के लिए पत्र लिखा गया है। स्वीकृति मिलने पर इसे जिला कलेक्टर के लिए घोषित किया जाएगा। कृषि उपज मंडी समिति द्वारा कुछ वर्ष पहले नवीन मंडी यार्ड के पूर्वी गेट के पास बनवाया गया एग्रो ट्रेड फट टावर अभी तक भी किसी तरह के उपयोग में नहीं लाया जा सका है।

राजस्थान किसान आयोग के उपाध्यक्ष एवं विधायक दीपचंद खैरिया ने टीम के साथ बुधवार को इस भवन का निरीक्षण कर इसे जिला कलेक्टर कार्यालय के लिए उपयुक्त मानते हुए कहा कि नया भवन बनने तक यह शहर के मध्य और सुविधाजनक स्थान है।

विधायक दीपचंद खैरिया की अनुशंसा पर तहसीलदार के आग्रह पर कृषि उपज मंडी समिति के सचिव ने कृषि विपणन बोर्ड के निदेशक को अवगत कराते हुए अनुमति मांगी है। विधायक दीपचंद खैरिया के निजी सचिव सुनील कांत गोल्डी ने बताया कि संभवतः इसी माह में नये जिला कलेक्टर की खैरथल में नियुक्ति हो जाएगी ऐसे में उनके लिए उपयुक्त कार्यालय की जरुरत होगी। जिला कलेक्टर मुख्यालय का नवीन भवन बनने पर यह भवन कृषि विपणन बोर्ड को वापस किया जाएगा। इसी तरह से जिला स्तरीय अन्य अधिकारियों के मुख्यावासों के लिए भी उपयुक्त भवनों की तलाश की जा रही है। फिलहाल उपयोग में नहीं लाये जा रहे सरकारी भवनों की सूची बनाने के लिए तहसीलदार को निर्देशित किया गया है।

इस अवसर पर विधायक के साथ खैरथल के नायब तहसीलदार रामकिशन वर्मा, कृषि उपज मंडी समिति के प्रतिनिधि नवनीत चौधरी, पीसीसी सदस्य गिरीश डाटा, खैरथल विकास मंच के कार्यकारी अध्यक्ष श्याम लाल शर्मा, मोहम्मद कासिम मेवाती, व्यापारिक प्रतिनिधि महेश खंडेलवाल, सत्यनारायण, पार्षद पवन वासु सहित जन प्रतिनिधि मौजूद रहे।

हादसे में 2 की मौत

अलवर। अलवर में बुधवार सुबह हुए एक सडक हादसे में 2 लोगों की मौत हो गई,जबकि 8 जने घायल हो गए। ये सभी सुबह अपने खेत लावणी करने के लिए टेंपो में निकले थे। लेकिन, एक ट्रैक्टर की टक्कर से टेंपो पलट गया और मौके पर चीख पुकार मच गई। घटना शहर के टपूकडा थाना क्षेत्र के नाखनोल गांव के पास की है। टेंपो में करीब 14 लोग सवार थे। घायलों में से 2 को अलवर के जिला अस्पताल में रेफर किया गया है, जबकि अन्य लोगों को टपूकडा सीएचसी ले जाया गया है।

जिला अस्पताल में भर्ती गंभीर घायल महिला के परिजन समसुद्द ने बताया कि ये अधिकतर लोग एक-दो परिवार के हैं। बुधवार सुबह अपने घर से टेंपो में सवार होकर 14 लोग खेतों में लावणी करने के लिए निकले थे।गांव के पास ही स्पीड में आ रहे ट्रैक्टर ने टक्कर मार दी। इस दौरान टेंपो में बैठे अधिकांश लोग घायल हो गए। हादसे में मौके पर युवक बिस्मिल्लाह की मौत हो गई। वहीं अलवर अस्पताल आने पर महिला बिस्मिल्लाह की भी मौत हो गई। जैसे ही ट्रैक्टर ने टेंपो को टक्कर दी। चीख-पुकार मच गई।

शांतिनाथ भगवान का महामस्तकाभिषेक किया

फागी । श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन गुणसागर आराधना अतिशय क्षेत्र गुणस्थली पर उपाध्याय 108 उर्जयन्त सागर जी महाराज के पावन सानिध्य में धर्मगुणामृत ट्रस्ट चकवाड़ा के तत्वाधान में आज शांतिनाथ महामंडल विधान का भव्य आयोजन हुआ।

उक्त आयोजन में जैन महासभा के मीडिया प्रवक्ता राजाबाबू गोधा ने शिरकत करते हुए बताया कि प्रातः श्री जी का अभिषेक, शांति धारा, अष्टद्रव्यों से पूजन के बाद दोपहर 1:00 शांति विधान पूजन की पूजा शुरू हुई तत्पश्चात 3:00 श्री जी के भव्य पंचामृत अभिषेक के बाद उपाध्याय उर्जयन्त सागर जी महाराज का मुख्य ट्रस्टी ताराचंद जैन स्वीट कैटरर्स जयपुर ने पादप्रक्षालन किया, गुरुदेव को सुखानंद काला दुर्गापुरा ने शास्त्र भेंट किया बाद में उपाध्याय श्री का मंगलमय उद्बोधन हुआ। कार्यक्रम में 51इन्द्र ईन्द्राणीयों पूजा अर्चना कर पुण्यार्जन प्राप्त किया तथा कार्यक्रम में महावीर अजमेरा-श्रीमती मुन्ना अजमेरा सौधर्म इंद्र बनकर पुण्यार्जन प्राप्त किया। कार्यकम में प्रसिद्ध गायक कलाकार नरेंद्र कुमार जैन एन्ड पार्टी जयपुर ने विभिन्न धुनों अर्घ्य समर्पित कराये, तथा श्रमण संस्थान सांगानेर के पंडित नवीन कुमार जैन ने विभिन्न मंत्रोच्चारणों के द्वारा विधान पर पूज्यार्थियो द्वारा 128 अर्घ्य समर्पित करवाये गये। कार्यक्रम में धर्मगुणामृत के ट्रस्ट के मुख्य ट्रस्टी ताराचंद जैन स्वीट कैटरर्स, प्रसिद्ध वास्तविद् राजकुमार कोठारी, इंजीनियर महेंद्र अनोपडा, दुर्गापुरा मंदिर समिति के अध्यक्ष प्रकाश चांदवाड, ट्रस्टी सुलोचना जैन,(सेठानी),गुणसागर महाराज के संघ पति विमल बडजात्या किशनगढ , महावीर बाकलीवाल चोरू, केलाश बाकलीवाल चोरू, महेंद्र कासलीवाल ,प्रवक्ता जयकुमार जैन, सुनील गंगवाल, नवीन गंगवाल, विनोद कलवाडा तथा, राजाबाबु गोधाएडवोकेट विनोद जैन, राजेंद्र काका सहित काफी संख्या में श्रावक श्राविकाओं ने सहभागिता निभाते हुए कार्यक्रम को सफल बनाया।

सुरेंद्र आजाद सम्मानित

बौंली, बामनवास (निस)। क्षेत्र के झनूण गांव निवासी राज्य सचिव जन लेखक संघ सुरेंद्र आजाद को 2 अप्रैल को गांधी शांति प्रतिष्ठान नई दिल्ली में आयोजित भारतीय जन लेखक संघ के तत्वावधान में कवित्री डॉक्टर शांति यादव रचित खंडकाव्य पर समीक्षात्मक संगोष्ठी एवं राष्ट्रीय कवि सम्मेलन में साहित्य सम्मान 2023 से सम्मानित किया गया है। कार्यक्रम का उद्घाटन डॉ अनीता भारती दलित साहित्य संघ दिल्ली ने किया। मुख्य अतिथि राजेश पाल उत्तराखंड, व जयप्रकाश फाकिर दिल्ली थे।

अत्यन्त दुख के साथ सूचित किया जाता है कि

श्रीमान रावल रघुवीर सिंह जी राजावत

ठिकाना धुला

का स्वर्गवास दिनांक 05अप्रैल 2023 को प्रातः 11:00 बजे हो गया है। हरि प्रबल इच्छा।

दाह संस्कार

06 अप्रैल 2023 को 11:00 बजे भांडारेज, दौसा

तीये की बैठक

07 अप्रैल 2023 को सांय 05:00 बजे से 06:00 बजे तक

स्थान :- 50-51, बालाश्रेय, धुला हाउस, वैशाली नगर, जयपुर

गंगा प्रसादी एवं पाग दस्तूर

दिनांक 16 अप्रैल 2023 को भद्रावती पैलेस, भांडारेज

शोकाकुल

कुँ. गिरिशाय सिंह (पुत्र)

समस्त परिवार जन

मो. +91-8696567898, 9414065999

विधायक बलजीत यादव के साथ युवाओं ने दौड़ लगाई

टोंक, (नि.स.)। राजस्थान की समस्त 200 विधानसभाओं में 14 सूत्री मांगों को लेकर काले कपडे पहनकर निकाली जा रही दौड के तहत टोंक शहर में शाम घंटाघर चौराहे से लेकर बडा कुआं तक तक बहरोड से निर्दलीय विधायक बलजीत यादव के साथ युवाओं ने काले कपडे पहन कर दौड लगाई गई।

इस मौके पर विधायक बलजीत यादव ने कहा कि जनप्रतिनिधि द्वारा जनता की आवाज दो फ्लेट फार्म पर उठाई जाती है, जिसमें एक विधानसभा है, यदि विधानसभा में मांगों पर सुनवाई नही होती है तो जनता के फ्लेट फार्म पर आना पडता है। मैंने विधानसभा में 14 सूत्रीय मांगों पर आवाज उठाई और वहां कोई सुनवाई नही हुई तो मुझे जनता के बीच सडक पर आवाज आकर उठाना पडा, ताकि किसान, गरीब, बेरोजगारो को उनका हक व अधिकार मिल सके। उन्होंने कहा कि राजस्थान सरकार की नौकरियों में राज्य के युवाओं को 90 से 100 प्रतिशत आरक्षण दिया जाए। गैर सरकारी क्षेत्र में स्थानीय युवाओं को 75 प्रतिशत तक आरक्षण दिया जाए। 500000 पदों पर शीघ्र भर्ती निकालकर 6 महीनों में नियुक्तियां दी जाए।

परीक्षा प्रणाली को ठीक किया जाए तथा जिस लेवल की परीक्षा हो उसी लेवल का प्रश्नपत्र बनाया जाए। बडे प्राइवेट स्कूलों तथा कोचिंग संस्थानों द्वारा की जा रही लूट से जनता को बचाया जाए तथा सरकार मुफ्त कोचिंग सेंटर चलाएं और सरकारी शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार कर सरकारी स्कूलों में सुविधाएं विकसित की जाए। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के वादे के अनुसार समुद्र का पानी नहर से राजस्थान में आये तथा यमुना व चंबल का पानी किसानों के खेतों तक पहुंचे। सीएचए की मांगों को शीघ्र पूरा किया जाएं। तृतीय श्रेणी शिक्षकों के स्थानांतरण पर लगी रोक हटा कर स्थानांतरण किए जाएं। संविदाकर्मी सीएचएम, एएनएम, भर्ती 2013, विद्यार्थी मित्र, कंप्यूटर अनुदेशक ओबीसी आरक्षण की मांगों को शीघ्र पूरा किया जाए एवं इंटर डिस्कॉम ट्रांसफर सुविधा चालू करें तथा राजस्थान के अधिवक्ताओं के लिए एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू करें।

- टोंक शहर में घंटाघर चौराहे से लेकर बडा कुआं तक बहरोड विधायक के साथ युवाओं ने काले कपड़े पहन कर दौड़ लगाई

भ्रष्टाचार के खिलाफ कठोर कदम उठाया जाए। किसानों की संपूर्ण फसल को सरकार उचित मूल्य पर खरीदे और किसानों के गरीब लोगों को मुफ्त व पूरी बिजली उपलब्ध कराई जाए। किसानों की फसल को नष्ट कर रहे आवारा पशुओं पर सरकार द्वारा नियंत्रण किया जाए एवं नरेगा मजदूरों की मजदूरी बढाकर समय पर भुगतान किया जाए और सेना में पूर्व की भांति केंद्र सरकार द्वारा स्थाई रूप से भर्ती की जाए। इस दौरान सत्यनारायण यादव, भरत गुर्जर, मुकेश यादव, कमलेश यादव, बाबू लाल यादव, विक्रम मीणा, देशराज गुर्जर, आसाराम गुर्जर, बंटी शर्मा, सतीश सैनी, भागचंद सैनी,प्रदीप चौधरी,समेत काफी संख्या में युवा एवं महिलाएं व छात्राएं मौजूद रहे।

ट्रैक्टर चोरी करने का आरोपी पकड़ा

फुलेरा । जयपुर ग्रामीण पुलिस अधीक्षक डॉ. राजीव पचार द्वारा जिले मे नकबजनी, चोरी की वारदातों की रोकथाम, बदमाशों की धरपकड व अवैध कारोबारियो के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान के तहत अति. पुलिस अधीक्षक दूदू दिनेश शर्मा व वृताधिकारी सांभरलेक लक्ष्मी सुथार के निर्देशन में फुलेरा थानाधिकारी हनुमान सहाय के नेतृत्व में पुलिस की एक टीम गठित की गई। थानाधिकारी हनुमान सहाय ने बताया कि 22 मार्च 2023 को परिवादी हनुमान पुत्र दुलाराम जाति जाट निवासी डाकी की ढाणी पोस्ट आकोदा थाना खुनखुना जिला नागौर ने स्थानीय थाने में मामला दर्ज करवाया।

आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि मकान नम्बर 1682, भैरूजी की गली, जयलाल मुन्शी का रास्ता, चौकडी पुरानी बस्ती, जयपुर, जिसका सिटी सर्वे रिकार्ड सम्वत् 2002 में खसरा नम्बर 4206, 4206(क) खसरा नम्बर 4207 है। श्रीमती बुन्दो पत्नि स्व. अब्दुल जब्बार, पुत्रवधु स्व. गफर उर्फ अब्दुल गफूर पुत्र स्व. सुलतान, उक्त मकान बक्शीश कर रही है। किसी को आपत्ति हो, तो सात दिन में बताये अन्यथा आपत्ति मान्य नहीं होगी।

जयपुर (फैजान हुसैन) एडवोकेट

दिनाक- 05.04.2023 मो. 8824515124

खोया पाया

मेरे आवास 64/04, हीरा पथ, मानसरोवर का मूल आवंटन पत्र जो कि आरएचबी द्वारा आवंटित है मानसरोवर में कहीं खो गया है कृपया मिलने पर सूचित करें। 7877960369

मेरे दिनेश चन्द शर्मा पुत्र गोविन्द नारायण शर्मा का म.नं. 27 शिवशक्ति नगर आगरा रोड चावण्डिया का आवंटन पत्र, रसीद, साइड प्लान दिनांक 29.03.2023 को घर से त्रिपोलिया बाजार के बीच कहीं गिर गये है मिलने पर सूचित करें दिनेश चन्द शर्मा-9314179356

प्रपत्र संख्या 7

(देखिये नियम 21)

कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर

राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस

समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर 76/2023

(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)

चूंकि श्री रूपेन्द्र पेडीवाल पुत्र श्री वी.पी. पेडीवाल निवासी 33, संजय मार्ग, हथरोई जयपुर ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत स्टेप बाई स्टेप शिक्षा समिति जयपुर 33, संजय मार्ग, हथरोई जयपुर के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन पत्र दिया है।

अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।

और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 05.04.2023 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।

आइदा तारीख पेशी 13.06.2023

मोहर अदालत

रतनलाल योगी (आर.ए.एस.)

सहायक आयुक्त (प्रथम)

देवस्थान विभाग, जयपुर

प्रपत्र संख्या 7

(देखिये नियम 21)

कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर

राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस

समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर 75/2023

(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)

चूंकि श्री रूपेन्द्र पेडीवाल पुत्र श्री वी.पी. पेडीवाल निवासी 33, संजय मार्ग, हथरोई जयपुर ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत जयश्री पेडीवाल फाउण्डेशन जयपुर 33, संजय मार्ग, हथरोई जयपुर के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन पत्र दिया है।

अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।

और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 05.04.2023 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।

आइदा तारीख पेशी 13.06.2023

मोहर अदालत

रतनलाल योगी (आर.ए.एस.)

सहायक आयुक्त (प्रथम)

देवस्थान विभाग, जयपुर

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत-तृतीय,

जे.एल.एन. मार्ग, जवाहर सर्किल के पास, जयपुर -0141-4901853

आम जाहिर सूचना

राजस्थान आवासन मण्डल, जयपुर द्वारा आवास संख्या-**5/MB/114** इन्दिरा गांधी नगर, जगतपुरा, जयपुर, क्षेत्रफल 97.840 वर्ग मीटर का आवंटन श्री मुकेश चक्रवर्ती पुत्र श्री रोशन लाल चक्रवर्ती को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 5852 दिनांक 14/10/2013 एवं संशोधित आवंटन पत्र क्रमांक 9791 दिनांक दिनांक 22/01/2014 जारी किया गया। तत्पश्चात श्री मुकेश चक्रवर्ती पुत्र श्री रोशन लाल चक्रवर्ती द्वारा कार्यालय उप पंजीयक, प्रथम में दिनांक 17/01/2014 को श्री विकास सचदेवा पुत्र श्री प्रेम कुमार सचदेवा को मुख्त्यारनामा आम नियुक्त किया गया। मुख्त्यारनामा धारक के द्वारा उक्त आवास के पंजीयन प्रपत्रों का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक, जयपुर प्रथम में दिनांक 31/01/2014 को करवाया गया। तत्पश्चात मुख्त्यारनामा धारक श्री विकास सचदेवा पुत्र श्री प्रेम कुमार सचदेवा के द्वारा उक्त आवास का बेचान जरीये विक्रय पत्र के श्री रामवीर मीना पुत्र श्री श्रवण लाल मीना को कर, विक्रय पत्र का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक जयपुर चतुर्थ में दिनांक 14/09/2021 को करवाया गया। श्री रामवीर मीना पुत्र श्री श्रवण लाल मीना के द्वारा मण्डल अभिलेख में अपना नाम दर्ज करने का निवेदन किया गया हैं। अतः नाम दर्ज के संबंध में किसी भी व्यक्ति / बैंक / संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के **07 दिवस** में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर साक्ष्य सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त **आवेदनकर्ता श्री रामवीर मीना पुत्र श्री श्रवण लाल मीना** का नाम मण्डल रिकार्ड में दर्ज कर दिया जायेगा।

सम्पदा प्रबंधक, राजस्थान आवासन मण्डल, वृत तृतीय,जयपुर।

कार्यालय नगर विकास प्रन्यास, उदयपुर (राज.)

No.:F-2(01)Acct/Contract/2022/390-392 Date: 28-03-2023

ई-निविदा सूचना संख्या: 95/2022-23

नगर विकास प्रन्यास, उदयपुर द्वारा निम्नलिखित कार्यो मय डिफेक्ट लाईबिलिटी अवधि के लिये जो कि निविदा प्रपत्र में अंकित है के लिये उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-टेण्डरिंग के माध्यम से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है।

निविदा कार्यों की कुल लागत	:	रूपये 236.07 लाख (09 कार्य)
ऑनलाईन निविदा प्रपत्र डाउनलोड/अपलोड करने की अवधि	:	31-03-2023 को प्रातः 10.00 बजे से 19-04-2023 को सांय 6.00 बजे तक
Online EMD Tender Fee & Processing Fee जमा कराने की तिथी	:	31-03-2023 को प्रातः 10.00 बजे से 19-04-2023 को सांय 6.00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा खोलने की तिथी	:	20-04-2023 को प्रातः 11.00 बजे

विस्तृत विवरण वेबसाईट urban.rajasthan.gov.in/uitudaipur, www.eproc.rajasthan.gov.in व www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

UBN: ITU2324WSOB00006, ITU2324WSOB00007, ITU2324WSOB00008, ITU2324WSOB00009, ITU2324WSOB00010, ITU2324WSOB00011, ITU2324WSOB00012, ITU2324WSOB00013, ITU2324WSOB00014

अधिशाषी अभियन्ता- चतुर्थ, नगर विकास प्रन्यास, उदयपुर

नाम परिवर्तन

मेरे आर्मी रिकार्ड में मेरी पत्नी का नाम पिंकी देवी (Pinki Devi) गलत है। मेरे पत्नी का सही नाम पिंकी (Pinki) हैं। आर्मी नं. 18002789Y हवलदार नरेन्द सिंह, निवासी-170, मैथना, जगतपुर, बुलंदशहर, उत्तर प्रदेश, पिन-245409

I, Saroj spouse of No. JC-769060M SUB. Maj. Hoshiyar Singh R/o Dhani, Khakhla, Nangali Sledi Singh, Dist- Jhunjhunu Raj. 333026. In my husband service record my Name wrongly recorded Saroj. Correct is Saroj Devi Vide Affidavit dated 03 March, 2023, Jaipur.

Spelling of my name has been printed as Tulika Sikha by mistake on the 10th marksheet. Correct spelling is Tulika Shikha. Henceforth I shall be known as Tulika Shikha, 61/423, Heera Path, Mansarovar, Jaipur-302020.

I, Swapna Rani spouse of No-7781197M, Rank - Hav Name - Rama Sankar Panigrahy resident of village & PO - K Nuagam, PS - K Nuagam, Tehsil-Chikiti, District-Ganjam (Odisha), Pin - 761010 have changed my name from Swapna Rani to Swapna Rani Rath vide affidavit dated 03/04/2023 before District Court Jaipur Rajasthan.

Regional Office (Jaipur-North)

राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल

RAJASTHAN STATE POLUTION COSTROL BOARD

Opp. ROAD NO. 5, VKIA, SIKAR ROAD, JAIPUR

Phone: 0141-2850100 e-mail: rorpcb.jaipur@gmail.com

website: http://www.cnvirobnment.rajasthan.gov.in

पर्यावरण स्वीकृती हेतु लोक सुनवाई के लिए आम सूचना

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि वन, पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली की पर्यावरण प्रभाव आकलन अधिसूचना क्रमांक एस.ओ. 1533 दिनांक 14.09.2006 के प्रावधानों के अन्तर्गत मै. नेशनल लाइम स्टोन कम्पनी प्रा. लि. के प्रस्तावित विस्तार M.L. No. 259/94 (R) (Old 271/81) M.L. Area-96.25ba. Block I-34.32 ha, Block II-35.93 ha & Block III-26.00 ha, Production capacity - 66,76, 900TPA (ROM) Mineral Limestone - 16.12.050 TPA and Mineral Masonary Stone - 37.78.325 TPA and Mineral Dulomite - 9.72.400 TPD and Mineral Marble - 3.14.125 TPA along with proposed crusher plant (3 numbers of 9000 TPA and 2 numbers of 3000 TPD) and proposed M-sand plant 3000 TPD ineluding crushing of mineral and its further processing in mineral beneficiation plant Located Near Village-Ajitpura, Kujuta and Bhainslana, Tehsil- Kotputli and Paota, District-Jaipur (Rajasthan) by M/s National Lime Stone Company Private Limited, Village-Ajitpura, Kujota and Bhainslana, Tehsil-Kotputli and Paota, District-Jaipur (Proposal no. 405869).

के लिए पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु प्रस्ताव राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल (यहां तथा बाद में मण्डल के नाम से अभिलिखत) के समक्ष प्रस्तुत किये गये है।

चूंकि मण्डल को उपरोक्त परियोजना हेतु वन, पर्यावरण एव जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा जारी अधिसूचना दिनांक 14.09.2006 के अनुसार लोक सुनवाई हेतु इस आशय की सूचना जारी कर 30 दिवस का नोटिस दिया जाना आवश्यक है। अतः समस्त संबंधित को इस नोटिस के माध्यम से एतदद्वारा सूचित किया जाता है कि वे उक्त परियोजना की पर्यावरणीय स्वीकृति से संबंधित प्रकरण के निपटारे के लिए लोक सुनवाई हेतु दिनांक 15 मई 2023 को प्रातः 11.00 बजे प्रोजेक्ट का प्रस्तावित स्थल जिसका Village-Ajitpura, Kujora and Bhainslana, Tehsil-Kotputli and Paota, District-Jaipur (Raj.) में उपस्थित होकर आक्षेप प्रस्तुत कर सकते है।

इस सम्बन्ध में लिखत सुझाव/आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन तिथि से 30 दिवस की अवधि में राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल के क्षेत्रीय कार्यालय, जयपुर (उत्तर) रोड नं. 05 के सामने, विश्वकर्मा औद्योगिक क्षेत्र, सीकर रोड, जयपुर (ईमेल-rorpcb.jaipur@gmail.com) के साथ-साथ मुख्यालय, 04-संस्थानिक क्षेत्र, झालाना डूंगरी, जयपुर में भी प्रस्तुत किये जा सकते हैं।

उक्त परियोजना से संबंधित संक्षिप्त अभिलेख (कार्यपालक सार) निम्नांकित कार्यालयों में उपलब्ध है- (1) जिला कलेक्टर, जयपुर (2) क्षेत्रीय कार्यालय, राजथान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल, जयपुर (उत्तर) (3) राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल, 04-संस्थानिक क्षेत्र, झालाना डूंगरी, जयपुर (4) पर्यावरण विभाग, राजथान सरकार, शासन सचिवालय, जयपुर (5) जिला उद्योग केन्द्र जयपुर (6) अतिरिक्त जिला कलेक्टर, कोटपूतली, जयपुर (7) क्षेत्रीय कार्यालय, वन, पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय भारत सरकार, अरावली भवन, झालाना डूंगरी, जयपुर। (8) पंचायत समिति, तहसील-कोटपूतली एवं पावटा, जिला-जयपुर। (9) नगर पालिका, कोटपूतली एवं पावटा, जयपुर। प्रस्तावित लोक सुनवाई वैश्विक महामारी कोविड-19 से संबंधित केन्द्रीय/राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर पारित निर्देशों के अनुरूप एवं अधीन रहेगी तथा सभी पुर्वावधान/सावधानियों की पालना सुनिश्चित करनी होगी

(विजय शर्मा) क्षेत्रीय अधिकारी

कार्यालय जिला परिषद् (पंचायत प्रकोष्ठ) दौसा

क्रमांक- जि.प.दौ./पंचायत/लेखा/2023/35-40 दिनांक-04.04.2023

निविदा संख्या-2

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आरजीएसए निजि आय, अन्य व्ययों, एसएफसी/एफएफसी के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2023-24 हेतु कार्यालय में निम्न कार्यो/सेवाओं/हेतु अनुभवी/पंजीकृत फर्मो/व्यवसासियो/वाहन धारकों से वार्षिक दर संविदा हेतु सीलबंद निविदाऐं आमत्रित की जाती है।

क्र. सं.	नाम आईटम	अनुमानित लागत (लाखों में)	अमानता राशि (लाखों में)	निविदा विक्रय करने की अवधि	निविदा प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि व समय	निविदा प्रपत्र खोलने की अंतिम तिथि व समय
1	भोजन, पानी, चाय, नाश्ता, व्यवस्था	5.00	0.10	5.4.23 को प्रातः 10 बजे से 12.4.23 को सायं 6 बजे तक	13.4.23 को प्रातः 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक	13.4.23 को दोपहर 2 बजे से लगातार निविदा खोलने तक

UBN- ZDA2324SSOB00004

नियम व शर्ते-

1 क्रमांक 01 से 02 तक के आईटम हेतु निविदा फार्म कैशियर कार्यालय हाजा से निर्धारित निविदा शुल्क 500/- रुपये एवं अमानता राशि का डी.डी. मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद दौसा के नाम से देय होगा। असफल निविदादाताओं की अमानता राशि शीघ्र ही लौटा दी जावेगी।

2 निविदा फार्म आज दिनांक से प्राप्ति की निर्धारित दिनांक को सायं 5.00 बजे तक क्रय किये जा सकते है।

3 डाक या कोरियर द्वारा सशर्त निविदा स्वीकार नहीं की जावेगी। भेजन/अल्पहार व्यवस्था में प्रति व्यक्ति प्रति नग/दिवस के आधार पर प्रस्तुत करें।

4 किसी निविदा को बिना कारण बताये अस्वीकृत करने का अधिकार निविदा समिति के पास सुरक्षित होगा।

5 शेष शर्ते राजथान लोक उपापन पारदर्शिता अधिनियम 2012 एवं नियम 2013 के अनुसार होगी एवं कार्यालय समय में देखी/पढी जा सकती है।

(आर.के.मीना)

मुख्य कार्यकारी अधिकारी

जिला परिषद दौसा

कार्यालय जिला परिषद् (पंचायत प्रकोष्ठ) दौसा

क्रमांक- जि.प.दौ./पंचायत/लेखा/2023/29-34 दिनांक-04.04.2023

निविदा संख्या-1

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आरजीएसए निजि आय, अन्य व्ययों, एसएफसी/एफएफसी के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2023-24 हेतु कार्यालय में निम्न कार्यो/सेवाओं/हेतु अनुभवी/पंजीकृत फर्मो/व्यवसासियो/वाहन धारकों से वार्षिक दर संविदा हेतु सीलबंद निविदाऐं आमत्रित की जाती है।

क्र. सं.	नाम आईटम	अनुमानित लागत (लाखों में)	अमानता राशि (लाखों में)	निविदा विक्रय करने की अवधि	निविदा प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि व समय	निविदा प्रपत्र खोलने की अंतिम तिथि व समय
1	आवास सुविधा (किराये हेतु)	5.00	0.10	5.4.23 को प्रातः 10 बजे से 12.4.23 को सायं 6 बजे तक	13.4.23 को प्रातः 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक	13.4.23 को दोपहर 2 बजे से लगातार निविदा खोलने तक

UBN- ZDA2324SSOB00005

नियम व शर्ते-

1 क्रमांक 01 से 02 तक के आईटम हेतु निविदा फार्म कैशियर कार्यालय हाजा से निर्धारित निविदा शुल्क 500/- रुपये नकद/ डी.डी. जमा किये जा सकते है। अमानता राशि का डी.डी. मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद दौसा के नाम से देय होगा। असफल निविदादाताओं की अमानता राशि शीघ्र ही लौटा दी जावेगी।

2 निविदा फार्म आज दिनांक से प्राप्ति की निर्धारित दिनांक को सायं 5.00 बजे तक क्रय किये जा सकते है।

3 डाक या कोरियर द्वारा सशर्त निविदा स्वीकार नहीं की जावेगी। आवास व्यवस्था में प्रति कमरा/हॅाल प्रति दिवस के आधार पर प्रस्तुत करें।

4 किसी निविदा को बिना कारण बताये अस्वीकृत करने का अधिकार निविदा समिति के पास सुरक्षित होगा।

5 शेष शर्ते राजथान लोक उपापन पारदर्शिता अधिनियम 2012 एवं नियम 2013 के अनुसार होगी एवं कार्यालय समय में देखी/पढी जा सकती है।

(आर.के.मीना)

मुख्य कार्यकारी अधिकारी

जिला परिषद दौसा

नीदरलैंड्स के एक युवक को हाल ही में हाई मिडिल एजेज़ (1000 से 1300 ईस्वी) के दुर्लभ आभूषणों का एक जखीरा मिला है। पेशेवर इतिहासकार, 27 वर्षीय युवक लॉरेन्ज़ो रुज्टर दस साल की उम्र से मैटल डिटैक्टिव है। लॉरेन्ज़ो ने कहा, वर्ष 2021 में हुगवाउड में मिले इस खजाने को 2 साल तक गुप्त रखना मुश्किल था। दो साल तक नैशनल म्यूज़ियम ऑफ एन्टिक्विटीज़ में इसकी सफाई, जांच व पहचान की गई। खजाने में चार अलंकृत गोल्ड पैन्डैंट, अर्द्ध चन्द्राकार कान की बालियाँ, स्वर्ण निर्मित दो पत्तियाँ और चांदी के 39 सिक्के हैं। यह सामान 1000-1250 ईस्वी के बीच का है। म्यूज़ियम ने बताया कि, चांदी के सिक्कों से पता चलता है कि, खजाना कब दबाया गया होगा, संभवतया सन् 1248 के तुरंत बाद। सिक्कों के साथ कपड़े के टुकड़े भी मिले हैं। संभवतया सिक्के कपड़े में लपेटे गए होंगे या कपड़े की पोटली में रखे होंगे। ये सिक्के डायोसीज़ ऑफ यूट्रैक्ट, विभिन्न काउन्टीज़ (हॉलैण्ड आदि) और जर्मन साम्राज्य के हैं। इनमें जो सबसे नए सिक्के हैं वो सन् 1247 या 1248 में, होली रोमन एम्पायर के सम्राट विलियम द्वितीय के समय में ढाले गए थे। आभूषण हालांकि 200 साल ही पुराने हैं, पर म्यूज़ियम का मत है कि, किसी के लिए यह बहुत कीमती खजाना रहा होगा। नॉर्दर्न यूरोप में चांदी की खानें तो बहुत थीं पर सोना दुर्लभ था। जब यह खजाना ज़मीन में गाड़ा गया होगा तब वैस्ट फ्राइसलैण्ड और हॉलैण्ड काउण्टी में गृह युद्ध चल रहा था और हुगवाउड इसका केन्द्र था। वॉर के दौरान डच काउण्ट और नैशनल हस्ती विलैम द्वितीय की मौत भी यहीं हुई थी, इसलिए यह खजाना और भी महत्वपूर्ण है।

तेलंगाना भाजपा प्रमुख बंडी संजय गिरफ्तार हुये

बंडी संजय पर 10वीं कक्षा की हिन्दी का पेपर लीक करने में कथित रूप से संलिप्त होने का आरोप है

- **बंडी संजय के खिलाफ मामला करीमनगर टू टाउन पुलिस स्टेशन में और वारंगल के कमलापुर पुलिस स्टेशन में संबंधित धाराओं के अंतर्गत दर्ज किया गया है।**
- **एफ.आई.आर. के अनुसार, संजय को सुरक्षात्मक उपायों के रूप से गिरफ्तार किया गया है जिससे छात्रों की परीक्षाएं बाधित न हो सके।**
- **भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने बंडी संजय कुमार की गिरफ्तारी के विरोध में बुधवार को पूरे राज्य में धरना-प्रदर्शन किया।**

करीमनगर 5 अप्रैल (वार्ता) । भाजपा की तेलंगाना इकाई के अध्यक्ष बंडी संजय कुमार को मंगलवार आधी रात 10वीं कक्षा का हिन्दी प्रश्न पत्र लीक करने में कथित रूप से संलिप्त होने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। राज्य में एसएससी की परीक्षाएं तीन अप्रैल से शुरू हुई है।

प्राथमिकी के अनुसार, बंदी संजय कुमार के खिलाफ सीआरपीसी की धारा 154 और 157 के अंतर्गत दो मामला दर्ज किया गया है।

उनके खिलाफ मामला करीमनगर टू टाउन पुलिस स्टेशन में और वारंगल के कमलापुर पुलिस स्टेशन में संबंधित धाराओं के अंतर्गत दर्ज किया गया है। प्राथमिकी के अनुसार, संजय को सुरक्षात्मक उपायों के रूप से गिरफ्तार किया गया है जिससे छात्रों की परीक्षाएं बाधित न हो सके।

पुलिस ने प्राथमिकी में उल्लेख किया है कि संजय ने विकाराबाद और कमलापुर में प्रश्न पत्र लीक (तेलुगु और हिंदी) पर एक प्रेस विज्ञिप्त जारी की थी।

इसमें यह भी कहा गया कि प्रदेश भाजपा अध्यक्ष के व्यवहार से शांति और सुरक्षा में बाधा उत्पन्न हुई तथा उन्होंने पार्टी नेताओं से परीक्षा केंद्रों पर धरना देने का आ ान किया।

एसीपी थुला श्रीनिवास के नेतृत्व में पुलिस की एक टीम ने संजय को कल आधी रात 0045 बजे गिरफ्तार किया, जब वह 9वें दिन के समारोह में शामिल होने के लिए अपनी सास के घर पर थे। उन्हें यादाद्री भुवनगिरी जिले के बोम्मलरामाराम पुलिस स्टेशन में स्थानांतरित किया दिया।

भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने बंडी संजय कुमार की गिरफ्तारी के विरोध में बुधवार को पूरे राज्य में धरना-प्रदर्शन किया।

तेलंगाना भाजपा के आधिकारिक प्रवक्ता एन वी सुभाष ने बंदी संजय कुमार की गिरफ्तारी की कड़ी निंदा की। सुभाष ने सवाल किया कि क्या राज्य में कोई लोकतंत्र है? उन्होंने कहा कि पुलिस द्वारा आधी रात में गिरफ्तारी बेहद निंदनीय है। उन्होंने अपने बयान में कहा, उन्होंने बिना कोई कारण बताये हमारे पार्टी प्रमुख को जबरन उठा लिया और यहां तक कि करीमनगर लोकसभा क्षेत्र से चुने गए एक जनप्रतिनिधि का भी सम्मान नहीं किया।

उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव अमानवीय हैं और संजय को अपने प्रियजनों के अंतिम संस्कार में शामिल नहीं होने दे रहे हैं क्योंकि वह सत्ता के नशे में चूर हैं। भाजपा प्रवक्ता ने अपने पार्टी प्रमुख की तत्काल रिहाई की मांग की।

संजय अपनी सास के निधन के बाद नौवें दिन के रीति-रिवाज में शामिल होने के लिए करीमनगर पहुंचे थे। यहीं से उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।

'सुरक्षा खतरे का हवाला देकर आलोचना करने वाले चैनल को बेवजह बंद नहीं किया जा सकता'

सुप्रीम कोर्ट ने मलयालम न्यूज चैनल के प्रसारण पर प्रतिबंध के केन्द्रीय सरकार के आदेश को खारिज करते हुये यह टिप्पणी की

- **राष्ट्रीय सुरक्षा का हवाला का हवाला देकर केन्द्र सरकार ने चैनल ''मीडिया वन'' का प्रसारण रोक दिया था।**
- **कोर्ट ने अपने फैसले में कहा, सत्ता के सामने सच बोलना प्रेस का कर्तव्य है।**
- **सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा, ''एक लोकतांत्रिक गणराज्य के मजबूत कामकाज के लिए एक स्वतंत्र प्रेस महत्वपूर्ण है। एक लोकतांत्रिक समाज में इसकी भूमिका महत्वपूर्ण है। मीडिया का कर्तव्य है कि वह सत्ता के सामने सच बोले।**

नई दिल्ली 5 अप्रैल (वार्ता)। उच्चतम न्यायालय ने मलयालम न्यूज चैनल मीडिया वन पर राष्ट्रीय सुरक्षा का हवाला देकर प्रसारण नवीनीकरण पर प्रतिबंध लगाने वाला केंद्र सरकार का फैसला बुधवार को रद्द करते हुए कहा कि सत्ता के सामने सच बोलना प्रेस का कर्तव्य है।

मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड, और न्यायमूर्ति हिमा कोहली की पीठ ने मीडिया वन पर प्रतिबंध लगाने के केंद्र सरकार के आदेश पर मुहर लगाने वाले केरल उच्च न्यायालय का फैसला पलटते हुए कहा कि प्रेस का कर्तव्य है कि वह सत्ता से सच बोले और नागरिकों को तथ्यों के बारे में सूचित करे।

शीर्ष अदालत ने उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती देने वाली मीडिया वन की याचिका पर सुनवाई के बाद अपने फैसले में कहा कि बिना किसी ठोस सबूत के राष्ट्रीय सुरक्षा का हवाला देकर मीडिया पर प्रतिबंध प्रचलित कानून के खिलाफ है। पीठ ने मजबूत लोकतंत्र के लिए स्वतंत्र मीडिया की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि सरकार की आलोचना का यह मतलब नहीं निकाला जाना चाहिए कि वह (मीडिया संस्थान) सरकार के खिलाफ है।

शीर्ष अदालत ने यह भी कहा कि सामाजिक-आर्थिक से लेकर राजनीतिक विचारधाराओं तक के मुद्दों पर एक समान दृष्टिकोण लोकतंत्र के लिए गंभीर खतरा पैदा करेगा।

न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा से खतरे से संबंधित तथ्यों को बिना ठोस सबूत के स्वीकार नहीं किया जा सकता।

पीठ ने अपने फैसले में कहा, "एक लोकतांत्रिक गणराज्य के मजबूत कामकाज के लिए एक स्वतंत्र प्रेस महत्वपूर्ण है। एक लोकतांत्रिक समाज में इसकी भूमिका महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह राज्य के कामकाज पर प्रकाश डालती है। मीडिया का कर्तव्य है कि वह सत्ता के सामने सच बोले।..."

शीर्ष अदालत ने इस मामले में अपनायी गई सीलबंद कवर कार्यवाही की भी आलोचना करते हुए कहा, "सभी जांच रिपोर्टों को गुप्त नहीं कहा जा सकता है क्योंकि ये नागरिकों के अधिकारों और स्वतंत्रता को प्रभावित करती हैं।" शीर्ष अदालत ने 15 मार्च 2022 को मलयालम टीवी न्यूज चैनल पर केंद्र के 31 जनवरी 2022 के प्रतिबंध पर रोक लगा दी थी।

केरल उच्च न्यायालय द्वारा केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा प्रसारण पर लगाए गए प्रतिबंध को बरकरार रखने के बाद मीडिया वन ने शीर्ष अदालत का रुख किया था।

मीडिया वन का प्रसारण 31 जनवरी 2022 को बंद किए जाने के बाद इस मीडिया संस्थान ने उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था।

सुप्रीम कोर्ट ने 14 विपक्षी दलों की याचिका खारिज की

- **विपक्षी दलों ने सरकार पर सी.बी.आई का दुरुपयोग करने का आरोप लगाते हुये यह याचिका दायर की थी।**
- **सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि, राजनेताओं को कोई विशेष अधिकार नहीं मिला हुआ है, बिना किसी प्रमाण के इस तरह के आरोप नहीं लगा सकते।**
- **सुप्रीम कोर्ट की ओर से याचिका खारिज किए जाने के बाद याचिकाकर्ताओं की ने अपनी याचिकाएं वापस लेने की गुजारिश की थी, जिसे कोर्ट ने स्वीकार कर लिया।**

नई दिल्ली, 5 अप्रैल (वार्ता)। उच्चतम न्यायालय ने कथित तौर पर केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) जैसी केंद्रीय जांच एजेंसियों के दुरुपयोग का केंद्र सरकार पर आरोप लगाने वाली 14 विपक्षी दलों की याचिकायें बुधवार को खारिज कर दी।

मुख्य न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़, और न्यायमूर्ति पी. एस. नरसिम्हा एवं न्यायमूर्ति जी. बी. पारदीवाला की पीठ ने कांग्रेस एवं अन्य दलों की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करने से इनकार करते हुए कहा कि इस मामले में राजनीतिक दलों को आम नागरिकों की अपेक्षा कोई विशेष अधिकार प्राप्त नहीं है।

शीर्ष अदालत की ओर से याचिका खारिज किए जाने के बाद याचिकाकर्ताओं की ओर से याचिकाएं वापस लेने की गुजारिश की थीं, जिसे स्वीकार कर लिया गया।

याचिका में केंद्र सरकार पर आरोप लगाए गए थे कि सीबीआई और ईडी ऐसी केंद्रीय जांच एजेंसियों का इस्तेमाल केंद्र की भारतीय जनता पार्टी नेतृत्व वाली सरकार राजनीतिक प्रतिशोध के लिए रही है। विपक्षी दलों को चुनचुन का निशाना बनाया जा रहा है।

साथ ही, इससे लोकतंत्र की महत्वपूर्ण संस्थाओं को नुकसान पहुंचाया जा रहा है।

याचिका दायर करने वालों दलों में कांग्रेस पार्टी के अलावा भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस), राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी), द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (द्रमुक), तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी), आम आदमी पार्टी (आप), राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी), शिवसेना (उधव ठाकरे), भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी), समाजवादी पार्टी (एसपी), जम्मू कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस आदि शामिल हैं।

कर्नाटक के मु.मंत्री ने...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

से संबंधित कई अन्य क्षेत्रों में भी उन्हें महारत हासिल हैं।

किचा सुदीप बिग बॉस कन्नड़ होस्ट हैं तथा उनके पास कई बड़ी फिल्मों की लाइन लगी हुई है। एक भीड़ भरी प्रैस कॉन्फ्रैंस में, मुस्कुराते हुए बोम्मई के पास बैठे किचा ने घोषणा की कि वे भाजपा का प्रचार करेंगे तथा यह स्पष्ट कर दिया कि भाजपा उम्मीदवारों का प्रचार करने का उनका यह निर्णय कोई राजनैतिक निर्णय नहीं है।

उन्होंने कहा, "यह विशुद्ध रूप से व्यक्तिगत निर्णय है। यह निर्णय बोम्मई के सहयोग के लिये मेरे परिवार द्वारा दी गई सलाह के कारण लिया गया है।" किचा ने आगे कहा, "अंकल बोम्मई, जिन्होंने बुरे वक्त में मेरी मदद की थी की, खातिर, मैं अंकल बोम्मई की इच्छा के अनुरूप कहीं भी, किसी भी (प्रत्याशी का) प्रचार करूँगा।" दिलचस्प बात यह है कि एक ऐसा सुपर स्टार, जो मुख्यमंत्री को "अंकल" कहता है तथा प्रधानमंत्री मोदी के प्रति सम्मान व्यक्त करता है, भाजपा में शामिल नहीं हुआ है, जबकि उसके भाजपा में शामिल होने की अटकलें लगाई जा रही थीं। लेकिन इस निर्णय की वस्तुस्थिति वही व्यक्ति आसानी से समझ सकता है, जो इस संदर्भ से परिचित हो कि किचा के मित्र हैं जो राजनैतिक परिदृश्य मे जाने के बाद, उससे निकल आये है तथा संभवत: इसीलिये किचा ने एक सीमित भूमिका के लिये ही सहमति दी है।

किचा ने इस प्रकार के तमाम प्रश्नों के उत्तर में कहा, "नहीं, मैं चुनाव नहीं लड़ूँगा तथा किसी भी राजनैतिक दल में शामिल नहीं होऊँगा। मैं फिल्मों में खुश हूँ और मैं फिल्में ही करता रहूँगा।"

जहाँ तक बोम्मई, जिन पर कांग्रेस की ओर से तथा भाजपा के अंदर से भी हमले हो रहे हैं, का प्रश्न है, कन्नड फिल्म जगत के सबसे बड़े सुपर स्टार को अपने साथ लेने की आज की सफलता से एक ऐसे राज्य में उनकी ताकत सामने आ गई है, जहाँ उनकी पार्टी के बड़े-बड़े नेता जनता से जुड़े हुये हैं, जबकि उनकी स्वयं की जन नेता की छवि नहीं है।

अब, सुपर स्टार किचा, जो नायक समुदाय (अनुसूचित जाति) से हैं, के साथ आ जाने से बोम्मई ऐसी आशा बाँध सकते हैं कि अनुसूचित जाति, बहुल क्षेत्र, खासतौर से हैदराबाद-कर्नाटक क्षेत्र में स्थिति बदली जा सकती है। यह तो निश्चित है कि सुपर स्टार किचा के प्रचारक के रूप में आ जाने से भाजपा को प्रचार के मामले मे एक बड़ा हथियार मिल गया है।

भाजपा नेताओं को अब यह उम्मीद हो गई है कि इस स्टार पावर से पार्टी को पर्याप्त बल मिलेगा तथा कांग्रेस द्वारा बोम्मई सरकार पर लगाई गई भ्रष्टाचार की कालिख से लोगों का ध्यान हट जायेगा।

बोम्मई सरकार के खिलाफ, कांग्रेस के नारे- "40 प्रतिशत कमीशन सरकार" तथा "पेसीएम" जनता में बहुत लोकप्रिय हो गये हैं तथा इनके चलते बोम्मई कुछ-कुछ बचाव की मुद्रा में आ गए हैं। वे इन चुनावों, जिनके लिये उन्हें भाजपा द्वारा अभी तक उन्हें मुख्यमंत्री के चेहरे के रूप में प्रस्तुत नहीं किया गया है, के रास्ते फिर से सत्तासीन होने के प्रयास में हैं।

"अंकल बोम्मई" के लिये जन-समर्थन के आ ान की जिम्मेदारी किचा को दी गई है- न इससे रत्तीभर ज्यादा और न तिलभर कम। बोम्मई से किये गये प्रश्नों के उत्तर में उन्होंने कहा, "वे हर उस व्यक्ति के लिये प्रचार करेंगे, जिसके लिये उनसे कहा जायेगा।"

एक प्रश्न के जवाब में किचा ने कहा, "मैं हर उस व्यक्ति के लिये तथा वहाँ प्रचार करूँगा, जिसके लिये या जहाँ के लिये बोम्मई अंकल मुझसे कहेंगे। पर वे यह भी जानते हैं कि मैं हर व्यक्ति के लिये तथा हर जगह प्रचार नहीं कर सकता। (व्यक्ति तथा स्थान का) विस्तृत विवरण अभी तैयार होना है।"

किचा ने कहा, "यह सब पार्टी के लिये नहीं है। यह एक व्यक्ति के लिये हैं, बोम्मई अंकल ने मेरे खराब समय में मेरी मदद की थी। मेरे लिये यह समय उस अहसान को चुकाने का समय है।"

किचा के बारे में बोम्मई ने कहा, "यह लम्बे समय से मेरे निजी तथा पारिवारिक मित्र हैं। मैंने इनसे प्रचार के लिये अनुरोध किया तथा इसके लिये राजी हो गये हैं। वे इस प्रश्न से खीजे हुये नजर आये कि क्या फिल्म स्टारों से प्रचार कराना इस बात का संकेत है कि भाजपा कमजोर स्थिति में है। उन्होंने झल्लाते हुये पलटवार किया, "कांग्रेस में कई स्टार हैं। तो क्या इसका मतलब यह है कि कांग्रेस हार रही है?"

प्रसंगवश बता दें कि भाजपा दक्षिण भारतीय राज्यों के फिल्म, खेल तथा मनोरंजन-जगत के सुपर स्टारों को अपने साथ लाने की कोशिश कर रही है तथा इस संदर्भ में प्रधानमंत्री दक्षिण के अपने दौरों के दौरान ऐसी अधिकतम सम्भव सेलिब्रिटिज से भेंट भी कर रहे हैं। कर्नाटक में, प्रधानमंत्री अपने पूर्व प्रवासों के दौरान राज्य की फिल्मी हस्तियों, जैसे यश, ऋषभ शेट्टी, प्रशांत नील, विजय किरगन्दुर तथा खेल सितारों जैसे पूर्व क्रिकेटरों अनिल कुम्बले, जवागल श्रीनाथ, वैंकटेश प्रसाद तथा मयंक अग्रवाल के साथ मीटिंग कर चुके हैं।

'राहुल गांधी में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

को प्रभावित नहीं कर सकता है। उन्होने कहा कि इस तरह से कांग्रेस काम करती है पर जो हुआ उसके जिम्मेदार वे खुद भी हैं। प्रधानमंत्री मोदी के साथ अपने रिश्ते को स्पष्ट करते हुए उन्होने कहा कि वे मोदी की विचारधारा से सहमत नहीं है पर वे जितनी मेहनत करते हैं उसकी तारीफ की जानी चाहिए। उन्होने इस बात से इंकार किया कि वे "मोडिफाइड" हो गए हैं, उन्होने कहा कि असल में वे "आज़ादिफाइड" हो गए हैं।

गुलाम नबी ने जम्मु और कश्मीर के संदर्भ में माना कि ना तो मोदी अछूत है और ना भाजपा।

सब कुछ हालात पर निर्भर करता है कि चुनाव में किस को कितनी सीटें मिलती हैं। पूर्व सदर-ए-रियासत डॉ. करण सिंह ने पुस्तक का विमोचन किया और अपने मित्र गुलाम नबी की तारीफ भी की।

इस अवसर पर डॉ. करण सिंह, डॉ. फारुख अब्दुल्लाह, अभिनेता संजय खान, कांग्रेस पार्टी में जनार्दन द्विवेदी और आनंद शर्मा, एन.सी.पी. से प्रफुल्ल पटेल और सुप्रिया सुले, द्रमुक से कनिमाई और शिव मौजूद थे। इसके अलावा ज्योतिरादित्य सिंधिया, के.सी. त्यागी, प्रियंका चतुर्वेदी व अन्य नेता तथा मीडिया की प्रमुख हस्तियां भी मौजूद थीं।

फ्रांस के राष्ट्रपति की...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

साथ मेलजोल बढ़ाते रहे हैं।

यूक्रेन में रूस के आक्रमण से ठीक पहले चीन और रूस ने अपने-अपने राष्ट्रपतियों के माध्यम से अपनी "अगाध" मित्रता की घोषणा की थी। दोनों नेता इसे अनेक बार दोहरा चुके हैं। यद्यपि, ऐसा प्रतीत होता है कि फ्रांस के राष्ट्रपति के चीन दौरे का वास्तविक उद्देश्य फ्रांस के कारोबार को गति प्रदान करना है। फ्रांस को उम्मीद है कि वह अपने यहां निर्मित लड़ाकू विमानों को बड़ी संख्या में चीन को निर्यात करेगा। चीन से और आर्डर्स प्राप्त करने की संभावनाओं को लेकर फ्रांस के राष्ट्रपति के साथ वहां की विभिन्न कम्पनियों के 50 मुख्य कार्यकारी अधिकारी और बिजनैसमैन चीन दौरे पर हैं।

उनके चीन दौरे ने अपनी स्वतंत्रता की रक्षा के लिए जूझ रहे यूक्रेन के पक्ष में यूरोपीय देशों की कथित एकजुटता को गलत साबित कर दिया है। वास्तव में यूरोपियन यूनियन ने कई सदस्य देशों ने यूक्रेन को रूस से लड़ने के लिए हथियारों की सप्लायी की है।

चीन यूक्रेन संकट के समाधान को लेकर अमेरिका और उसके यूरोपीय सहयोगियों के बीच मतभेद उत्पन्न करने की कोशिश करता रहा है।

यूक्रेन के लिए रूस की चुनौती का सामना करने में पश्चिमी देशों की एकजुटता ही उसका प्रमुख संबंध रहा है। फ्रांस ने अपने स्वयं के आर्थिक हितों के मद्देनज़र अब चीन के साथ संबंध पुन: स्थापित करने के एकतरफा प्रयास शुरू कर दिए हैं।

नि:संदेह, फ्रांस का कदम यूक्रेन के क्षेत्रों पर कब्जा करने के रूस के इरादों को मजबूती प्रदान करेगा। रूस अपने एजेण्डे को आगे बढ़ाने के लिए यूरोप के देशों में इसी तरह के विभाजन की राह देखता रहा है।

दूसरी ओर चीन के लिए विपक्षी खेमे के फ्रांस का रूस उसके स्वयं के उत्कर्ष के समान है। चीन ने रूस के साम्राज्यवादी विस्तार की तर्ज पर ही अपने वर्तमान क्षेत्र का और आगे विस्तार का एजेण्डा तय किया है।

चीन ने, उदाहरण के तौर पर भारत के अरूणाचल प्रदेश के 11 स्थलों के नाम परिवर्तन किए हैं और वह इन्हें अपना बताने का दावा कर रहा है। इससे पूर्व भी उसने भारत की जगहों का नाम बदलने की ट्रिक अपनाई और यह बताने के लिए इसे बतौर साक्ष्य प्रयुक्त किया कि ये क्षेत्र चीन के हैं।

भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिन्दम बागची ने एक प्रैस बयान में कहा कि चीन द्वारा नाम परिवर्तित करना जमीनी स्थिति में कोई बदलाव नहीं करता।

अरूणाचल प्रदेश हमेशा से भारत का हिस्सा रहा है और भविष्य में भी रहेगा।

चीन को यूक्रेन में शांति का मध्यस्थ बताकर फ्रांस केवल उसके अहंकार को बढ़ा रहा है और मैक्रॉं के दौरे के बाद अंतिम परिणामों में शायद ही कोई बदलाव हो।

'चीन के साथ टकराव के मुद्दों को साझा करे सरकार'

- **कांग्रेस प्रवक्ता मनीष तिवारी ने कहा, लोकतंत्र में सरकार के अलावा विपक्ष को भी एल.ए.सी. पर देश की वास्तविक परिस्थिति ज्ञात होनी चाहिये।**

नई दिल्ली, 5 अप्रैल (वार्ता)। कांग्रेस ने कहा है कि चीनी घुसपैठ को लेकर स्थिति साफ नहीं है और इस बारे में संसद में लगातार सवाल पूछे जा रहे हैं लेकिन सरकार चीन से जुड़े किसी भी सवाल का जवाब देने को तैयार नहीं है इसलिए इस बारे में जानकारी देने के वास्ते सर्वदलीय बैठक बुलाई जानी चाहिए।

कांग्रेस प्रवक्ता मनीष तिवारी ने बुधवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि चीन के साथ विगत तीन साल से वास्तविक नियंत्रण रेखा पर लगातार सीमा पर विवाद चल रहा है और वास्तविक स्थिति क्या है इसकी किसी को जानकारी नहीं है इसलिए सरकार को सभी विपक्षी दलों की बैठक बुलाकर इस बारे में विस्तृत जानकारी विपक्ष के शीर्ष नेतृत्व को देनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि चीन सीमा पर भारत के बहादुर सैनिकों ने डटकर चीनी सेना का मुकाबला किया और उन्हें भारतीय सीमा से भगाया है लेकिन हमारे वीर सैनिकों की शहादत के बावजूद चौंकाने वाली सूचना यह मिली है कि कई सीमावर्ती चौकियों पर भारतीय सैनिकों की गश्त बंद की गई है।

कांग्रेस नेता ने कहा कि एक और चौंकाने वाली बात यह सामने आ रही है कि चीन तथा भूटान के बीच सरहद को लेकर बातचीत होने वाली है। भूटान नरेश इन दिनों भारत की यात्रा पर हैं और वह चीन सीमा के मुद्दे पर भारत को आश्वस्त भी कर रहे हैं लेकिन दोनों मुल्कों के बीच होने वाली वार्ता को लेकर जो बातें सामने आ रही हैं उसे देखकर लगता है कि कहीं कोई ऐसा समझौता नहीं हो जिसका सीधा असर भारत पर पडता हो।

भाजपा ने नयी सोची-समझी रणनीति अपनायी है...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

परिवार अपनी लोकप्रिय अपील खो चुका है तथा उसे वोट नहीं मिल सकते।

असम के मुख्यमंत्री हिमान्ता बिस्वा सरमा ने एक प्रतिष्ठित राष्ट्रीय दैनिक में प्रकाशित एक लेख में राहुल गांधी के खिलाफ क्या-क्या नहीं कहा। उन्होंने इस कांग्रेस नेता की राजनैतिक नैतिकता पर प्रश्न खड़े किये।

पार्टी के पुराने नेताओं द्वारा कांग्रेस तथा राहुल गांधी पर किये जा रहे हमले-दर-हमले सत्तारूढ़ भाजपा की अच्छी तरह सोची-समझी रणनीति का हिस्सा हैं क्योंकि जमीनी रिपोर्टों में यह बात सामने आ रही है कि भाजपा नेताओं और मंत्रियों के बयान जनता के गले नहीं उतर रहे हैं।

ऐसी खुफिया सूचनाएं हैं कि कांग्रेस की जमीनी स्तर पर राजनैतिक पकड़ बन रही है तथा राहुल गांधी के लिये आमजन की सहानुभूति भी बढ़ती जा रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह एक बात को लेकर विशेष रुप से परेशान हैं कि व्यवसायी गौतम अडानी के बारे में जनता की जिज्ञासा और उत्सुकता बढ़ती जा रही है क्योंकि कांग्रेस प्रधानमंत्री तथा इस व्यवसायी ग्रुप के बीच के संबंधों को लेकर लगातार सवाल कर रही है। अडानी मुद्दे पर सत्तारूढ़ भाजपा तथा इसके शीर्ष नेता जो चुप्पी धारण किये हुये हैं। उसके बारे में जनता तथा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स ने कुल मिलाकर यह कहना शुरु कर दिया है कि यह मुद्दा साजिश और कुतूहल से भरा हुआ है।

यही कारण है कि सत्तारूढ़ भाजपा के रणनीति-निर्माताओं ने उन पूर्व कांग्रेसी नेताओं को मैदान में उतारने का निर्णय लिया है जो अपनी पूर्व पार्टी पर हमला बोलने में किसी भी सीमा तक जाने को तैयार हैं। सूत्रों ने कहा है कि रणनीतिकारों की सोच है कि ऐसा करने से जनता का ध्यान अडानी मुद्दे से हट जायेगा।

मानहानि केस में दोष सिद्धि हो जाने के बाद, राहुल गांधी को "विशेष दर्जा" देने के लिये सिधिंया ने कांग्रेस को दोषी ठहराया तथा आरोप लगाया कि पार्टी न्यायपालिका को दबाव में ला रही है तथा प्रासंगिक एवं सुसंगत बने रहने के लिये हर संभव प्रयास कर रही है।

सिधिंया ने कहा, "इस पार्टी ने पिछड़े वर्गों का अपमान किया, हमारी सशस्त्र सेनाओं की बहादुरी के सबूत माँगे तथा चीन द्वारा हमारे सैनिकों की पिटाई किये जाने की बातें कहीं।" इस प्रकार से उन्होंने राहुल गांधी पर सीधा हमला बोला, जिन पर इस प्रकार के बयानों के आरोप लगाये गये हैं।

सिधिंया ने पत्रकारों से कहा, "कांग्रेस में अब विचारधारा नाम की कोई चीज नहीं बची है कांग्रेस के पास अब केवल एक ही विचारधारा बची है जो एक देशद्रोही की विचारधरा है, एक ऐसी विचारधारा, जो देश के खिलाफ काम कर रही है।"

सर्वविदित है कि ज्योतिरादित्य सिधिंया लम्बे समय तक कांग्रेस में रहे तथा राहुल गांधी के काफी नजदीक माने जाते थे। उन्होंने नेतृत्व, खासतौर से अपने गृह राज्य मध्य प्रदेश के पार्टी नेतृत्व से हुये मतभेदों के चलते, 2020 में कांग्रेस छोड़ दी थी तथा भाजपा में शामिल हो गये थे ताकि इसके साथ ही कमलनाथ के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार गिर गई थी।

मंत्री (सिधिंया) ने कहा कि कांग्रेस राहुल गांधी की "निजी कानूनी लड़ाई" को लोकतंत्र के लिये लड़ाई के रूप में प्रोजैक्ट कर रही है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस लोकतंत्र के साथ खिलवाड़ करने में कोई कसर नहीं रख रही है तथा निम्नता की सीमा तक पहुँच रही है। उन्होंने पार्टी पर आरोप लगाया कि वह न्यायपालिका दबाव में लेने तथा उसे डराने की कोशिश कर रही है। इसकी पुष्टि में उन्होंने कहा कि जब राहुल गांधी क्रिमिनल मानहानि केस में अपील करने के लिये सूरत की एक अदालत में गये, तो पार्टी ने वहाँ अपने नेताओं और कार्यकर्ताओं की फौज भेज दी थी।

उन्होंने कहा कि संसद को काम नहीं करने दिया जा रहा तथा उसके नेता काले कपड़े पहनकर संसद में आ रहे है। उन्होंने कहा कि इससे पहले भी कई नेता डिस्क्वालिफाई हो चुके हैं।

उन्होंने पूछा कि क्या "गांधीवाद" का दर्शन यही है? एक व्यक्ति के लिये यह सब क्यों किया जा रहा है?

सिधिंया ने कहा कि कांग्रेस के लिये कुछ लोग "प्रथम श्रेणी के नागरिक" है। एक नेता ने तो यहाँ तक कहा है कि गांधी परिवार पर सामान्य कानूनी प्रक्रिया लागू नहीं होनी चाहिये।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंभाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908